THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 189 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) भाद्रपद शु.12 2080 मंगलवार, 26 सितंबर-2023 प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

पैसा वसूल 5 दिन
5 दिन में फिर से 5 लाख का फायदा

FIXED PRICE

NO MIDDLE-MEN
DIRECT TO CUSTOMER

KEDIA सेजस्थान
KOTHI & WALK-UP APARTMENT
अजमेर रोड़, जयपुर

2 साइड ओपन कोठी और फ्लैट्स | 60 एमेनिटीज

PROPOSED FIXED RATE & RENTAL 1.5 गुना

बड़ी-बड़ी कोठी बड़े-बड़े फ्लैट

युनिट टाइप	साइज	अगस्त की रेट (NPO New Product Offer)	सितम्बर की रेट +5%	अक्टूबर की रेट +10%	नवम्बर की रेट +15%	दिसम्बर की रेट +20%	जनवरी की रेट +25%	पजेशन की रेट +50%	POSSESSION DEC. 2025 पजेशन के बाद रेंटल
2 BHK (GF) अपार्टमेंट	1350 Sq Ft	45 L	47.25 L	49.50 L	51.75 L	54 L	56.25 L	67.50 L	22,000
3 BHK (SF) अपार्टमेंट	1900 Sq Ft	50 L	52.50 L	55 L	57.5 L	60 L	62.50 L	75 L	25,000
3 BHK (FF) अपार्टमेंट	1900 Sq Ft	55 L	57.75 L	60.5 L	63.25 L	66 L	68.75 L	82.50 L	28,000
3 BHK BIG कोठी	2000 Sq Ft	60 L	63.00 L	66 L	69 L	72 L	75 L	90 L	30,000
4 BHK BIGGER कोठी	2325 Sq Ft	70 L	73.50 L	77 L	80.50 L	84 L	87.50 L	105 L	40,000
4 BHK BIGGEST कोठी	3200 Sq Ft	100 L	105 L	110 L	115 L	120 L	125 L	150 L	50,000

KEDIA®

1800-120-2323

info@kedia.com www.kedia.com

www.rera.rajasthan.gov.in | RERA No. RAJ/P/2023/2387

WALKTHROUGH QR CODE | DOWNLOAD BROCHURE | LOCATION QR CODE | ROUTE MAP | SITE TOUR 360 DEGREE

*T&C Apply

शिवसेना विधायकों की अयोग्यता पर स्पीकर सुनवाई करेंगे

एससी ने कहा था-समयसीमा तय करें, स्पीकर ने जल्दबाजी को मिसकैरेज ऑफ जस्टिस बताया था

मुंबई, 25 सितंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में शिवसेना के शिंदे गुट और उद्धव गुट की ओर से एक-दूसरे के विधायकों को अयोग्य घोषित करने की याचिकाओं पर आज सुनवाई होगी। विधानसभा के सेंट्रल हॉल में यह सुनवाई विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर करेंगे।

स्पीकर ने मामले में पिछली सुनवाई दस दिन पहले यानी 14 सितंबर को की थी। सुनवाई सुबह 10:30 बजे शुरू हुई जो दोपहर 2 बजे तक चली। इसके बाद स्पीकर ने अगली तारीख बताए बिना मामले की सुनवाई टाल दी थी। एकनाथ शिंदे गुट के 16 बागी विधायकों की अयोग्यता पर सुप्रीम कोर्ट ने 11 मई को फैसला सुनाया था। इसमें कोर्ट ने बागी विधायकों की सदस्यता पर फैसला स्पीकर पर छोड़ दिया था। वहीं, उद्धव ठाकरे गुट के नेता सुनील प्रभु ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल कर मामले पर फिर से विचार करने की अपील की थी। उन्होंने याचिका में तर्क दिया था- विधानसभा अध्यक्ष मामले को जानबूझकर टाल रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने 16 सितंबर को मामले पर सुनवाई की। कोर्ट ने विधानसभा अध्यक्ष से कहा कि आप इस मामले पर फैसला लंबे समय तक टाल नहीं सकते। आपको इसकी समय सीमा तय करनी होगी। उधर, 21 सितंबर को महाराष्ट्र के विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने कहा कि मैं शिवसेना विधायकों की अयोग्यता पर फैसला लेने में देर नहीं करूंगा, लेकिन इस मामले में जल्दबाजी भी नहीं करूंगा। उन्होंने कहा- जल्दबाजी करना मिसकैरेज ऑफ जस्टिस हो सकता है। मैं जो भी फैसला लूंगा, संवैधानिक होगा। मामले की सुनवाई के दौरान सभी विधायक के वकीलों को सीरियल नंबर दिए गए थे। आगे की सुनवाई और कार्रवाई के लिए उनसे वॉट्सऐप नंबर और ई-मेल आईडी देने के लिए कहा गया है। दोनों गुटों के विधायकों को सेंट्रल हॉल में अलग-अलग जगह पर बैठाया गया था। इसके बाद उनके बयान दर्ज किए गए। सुनवाई के दौरान सभी 54 विधायकों के वकील सिर्फ स्पीकर को ही देखकर और उन्हें एड्रेस करने के निर्देश थे। उन्हें किसी अन्य शख्स की तरफ देखने की इजाजत नहीं थी। इस दौरान किसी तरीके की दिक्कत पैदा करने वाले व्यक्ति के खिलाफ एक्शन लेने की बात कही गई। मामले की सुनवाई टलने के बाद शिंदे गुट के वकील अनिल साखरे ने मीडिया से कहा- हमें उद्धव गुट की ओर से दस्तावेज नहीं मिले हैं।

जवाब में ठाकरे गुट के विधायक रवींद्र वायकर ने कहा कि यह शिंदे गुट की रणनीति का हिस्सा है। यह विधानसभा अध्यक्ष का काम है कि वो दोनों गुटों को मामले से जुड़े दस्तावेज मुहैया कराएं। हम चाहते हैं कि इस मामले में 34 याचिकाएं दाखिल की गई हैं, सबको जोड़कर एक साथ सुना जाए। विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने मामले की सुनवाई के लिए शिवसेना के दोनों गुटों के 54 विधायकों को नोटिस भेजा था।

अजित गुट में शामिल होने का प्रस्ताव ठुकराया

राकांपा-शरद पवार के नेता एकनाथ खड़से का दावा

नई दिल्ली, 25 सितंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के एमएलसी एकनाथ खडसे ने दावा किया है कि महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार के एक वफादार ने उनसे संपर्क किया था और उनसे गुट में शामिल होने के लिए कहा था, लेकिन उन्होंने इस प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया।

खडसे ने संवाददाताओं से कहा कि मुझे अजित पवार की ओर से राकांपा एमएलसी अमोल मिटकारी का फोन आया था और उन्होंने मुझसे उनके गुट का साथ देने को कहा था। मैंने उनसे साफ कह दिया कि मैं शरद पवार के प्रति वफादार हूं और उन्हें नहीं छोड़ूंगा। पूर्व मंत्री खडसे ने 2020 में लगभग 40 साल पुराने संबंध को खत्म करते हुए खटास के साथ भारतीय जनता पार्टी छोड़ दी थी।

अजित बोले-एनसीपी के नाम-निशान पर चुनाव आयोग का फैसला मानेंगे

पवार ने कहा-बहुमत हमारे साथ; 6 अक्टूबर को होनी है सुनवाई

पुणे, 25 सितंबर (एजेंसियां)। नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के नाम और सिंबल को लेकर हो रहे विवाद पर महाराष्ट्र सरकार में डिप्टी सीएम अजित पवार ने कहा कि चुनाव आयोग का फैसला उन्हें मंजूर होगा। पवार ने बताया कि शरद पवार गुट और अजित गुट के नेता आमने-सामने बैठेंगे, और जो फैसला लिया जाएगा, वह स्वीकार होगा।

एनसीपी के दोनों गुट, पार्टी के नाम और चिन्ह पर दावा जताने के मुद्दे पर चुनाव आयोग 6 अक्टूबर को होने वाली सुनवाई की तैयारी कर रहे हैं। शरद पवार के नेतृत्व वाला एनसीपी गुट भी सोमवार को इसी मुद्दे पर प्रेस कॉन्फ्रेंस करेगा।

मुझे सीएम नहीं बनना, मैं सिर्फ विकास के बारे में सोचता हूं-पवार

अजित से जब पूछा गया कि क्या वे महाराष्ट्र में सीएम बनने वाले हैं। इस पर उन्होंने कहा कि इन खबरों में कोई सच्चाई नहीं है। मैं सिर्फ विकास के बारे में सोचता हूं। अजित बोले- ऐसी खबरें उस दिन से चल रही हैं जब से एकनाथ शिंदे मुख्यमंत्री बने हैं। राज्य में मुस्लिम आरक्षण पर अजित पवार ने कहा कि पहले जब आरक्षण दिया गया था तो कोर्ट ने एजुकेशन में रिजर्वेशन की परमिशन दी थी, लेकिन रोजगार में नहीं। यह तीन पार्टियों की सरकार है। इसलिए मैं इस मुद्दे को सीएम और डिप्टी सीएम के सामने रखूंगा और इसका समाधान निकालने का प्रयास करूंगा।

अजित ने अपने साथ बहुमत होने का दावा किया है

अजित 2 जुलाई को एनसीपी के आठ विधायकों के साथ भाजपा-शिवसेना (एकनाथ शिंदे) के नेतृत्व वाली महाराष्ट्र सरकार में शामिल हो गए थे। इसी दिन शिंदे सरकार में अजित ने उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ले ली। अलगाव के बाद अजित ने दावा किया कि एनसीपी का बहुमत उनके पास है। इसलिए पार्टी के नाम और चुनाव चिन्ह पर उन्हें अधिकार मिलना चाहिए। उन्होंने शरद पवार को एनसीपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद से हटाने का ऐलान किया था।

प्रधानमंत्री को भी अपने झूठ में शामिल कर लेते हैं शिवराज : कमलनाथ

भोपाल, 25 सितंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मध्य प्रदेश के प्रवास से पहले कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष कमलनाथ ने सोमवार को मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चैहान पर बड़ा हमला बोलते हुए कहा कि मुख्यमंत्री की झूठ के प्रति निष्ठा जग जाहिर है। वे अपने झूठ में प्रधानमंत्री को भी शामिल कर लेते हैं। यही कारण है कि प्रदेश की जनता के साथ प्रधानमंत्री मोदी भी उनसे त्रस्त हैं। कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष कमलनाथ ने एक्स पर लिखा, "शिवराज जी, आज आप जरा धीरज से काम लीजिएगा। प्रधानमंत्री जब भी मध्य प्रदेश आते हैं तो आप उन्हें अपने किसी न किसी झूठ में शामिल करा लेते हैं। आपकी झूठ मशीन की डबल स्पीड से मध्य प्रदेश की जनता के साथ प्रधानमंत्री भी त्रस्त हैं। इसीलिए उन्होंने पूरे चुनाव अभियान से आपको बाहर कर दिया है। आप देश के पहले ऐसे मुख्यमंत्री बन गए हैं जो मुख्यमंत्री तो हैं, लेकिन मुख्यमंत्री का चेहरा नहीं हैं।" कमलनाथ ने कुछ उदाहरणों के साथ कहा, "रीवा में आपने उनके (प्रधानमंत्री के) सामने बोल दिया कि किसानों की आमदनी दुगनी से अधिक हो गई है, जबकि उनके नीति आयोग की रिपोर्ट में मध्य प्रदेश के किसानों की आमदनी घटी थी। "भोपाल में आपने उन्हें गलत पर्चा पकड़ा दिया और वह मध्य प्रदेश में पेट्रोल की कीमत 100 रुपये लीटर से कम बता गए। इस तरह उन्हें दूसरे झूठ में शामिल कर लिया।" कमलनाथ ने आगे कहा, "गैस सिलेंडर की कीमतों पर भी आपका झूठ प्रधानमंत्री से टकरा रहा है।

आप देते किसी को नहीं, लेकिन कहते हैं कि गैस सिलेंडर 450 रुपए का देंगे। वहीं, प्रधानमंत्री कहते हैं कि सिलेंडर 900 रुपये का देंगे। 'प्रधानमंत्री की सागर जिले की यात्रा में आपने उनसे कहला दिया कि कांग्रेस सरकार ने बुंदेलखंड पर ध्यान नहीं दिया जबकि यूपीए सरकार ने 7,200 करोड रुपए का विशेष बुंदेलखंड पैकेज बुंदेलखंड क्षेत्र को दिया था।' कमलनाथ ने तंज कसते हुए कहा, 'यद्यपि झूठ के प्रति आपकी निष्ठा और समर्पण जग जाहिर है, फिर भी आशा है कि मध्य प्रदेश की जनता को आज कोई नया झूठ देखने को नहीं मिलेगा।

पंजाब में बीजेपी नेता पर फ्रॉड की एफआईआर

बठिंडा, 25 सितंबर (एजेंसियां)। पंजाब में विजिलेंस ब्यूरो ने भाजपा नेता मनप्रीत बादल पर केस दर्ज कर लिया है। मनप्रीत बादल पर बठिंडा में प्लॉटों की खरीद-फरोख्त में फ्रॉड का आरोप है। मनप्रीत बादल पिछली अकाली-भाजपा और कांग्रेस सरकार में वित्तमंत्री थे। इसी दौरान का यह मामला है। खास बात यह भी है कि पंजाब के सीएम भगवंत मान ने अपना राजनीतिक करियर मनप्रीत बादल की पार्टी पीपुल्स पार्टी ऑफ पंजाब (पीपीपी) से किया था। हालांकि बाद में मान आम आदमी पार्टी (आप) में शामिल हो गए। वहीं मनप्रीत कांग्रेस में आ गए। हालांकि पिछले विधानसभा चुनावों में कांग्रेस सत्ता में नहीं आई तो मनप्रीत बादल अब भाजपा में शामिल हो गए। खास बात यह भी है कि उन पर केस दर्ज करवाने वाले पूर्व एमएलए सरूप चंद सिंगला भी भाजपा के ही नेता हैं।

अधीर रंजन ने ममता के विदेश दौरे पर तंज कसा

वे स्पेन जा सकती हैं, पर लोगों का दर्द नहीं समझ सकतीं

कोलकाता, 25 सितंबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल कांग्रेस अध्यक्ष अधीर रंजन चौधरी ने स्पेन के दौरे पर गईं राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर तंज कसा है। उन्होंने कहा कि ममता स्पेन जा सकती हैं, लेकिन लोगों का दर्द नहीं समझ सकती हैं। राज्य में डेंगू फैल रहा है। हमने पहले ही ममता सरकार को आगाह किया था कि अगस्त-सितंबर में राज्य में डेंगू के मामले बढ़ते हैं, लेकिन उन्होंने कोई कदम नहीं उठाया। अधीर रंजन ने ये बातें मुर्शिदाबाद में मीडिया से कहीं।

अधीर ने ममता पर स्पेन के लग्जरी होटल में ठहरने पर भी हमला बोला। उन्होंने बहा कि हमने सुना है मुख्यमंत्री सैलरी नहीं लेती हैं। वे अपनी किताबों और पेंटिंग्स की बिक्री से अपना खर्चा उठाती हैं। तब वो मैड्रिड में 3 लाख रुपए प्रतिदिन कीमत वाले होटल में कैसे रुकी हैं? अधीर ने कहा-ममता को बताना चाहिए कि इस लग्जरी ट्रिप पर उन्होंने कितने पैसे खर्च किए हैं? वे अपने साथ कौन से इंडस्ट्रियलिस्ट को ले गई हैं। उन्हें लोगों को बेवकूफ बनाना बंद कर देना चाहिए। हम जानना चाहते हैं कि स्पेन की कौन सी कंपनियां बंगाल में इन्वेस्ट करना चाहती हैं।

मोदी ने बुलेट का वादा करके गुलेर ट्रेन चला दी

वंदे भारत ट्रेन को लेकर अधीर ने कहा कि मोदी ने बुलेट ट्रेन का वादा किया था, लेकिन वे गुलेर ट्रेन चला रहे हैं। वंदे भारत अपनी असल रफ्तार पर नहीं दौड़ती हैं और उनका किराया सामान्य ट्रेनों से कई गुना ज्यादा है। शांतिनिकेतन को यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत सूची में शामिल होने पर अधीर ने कहा कि शांतिनिकेतन को किसी सर्टिफिकेशन की जरूरत नहीं है। वह अपने दम पर अपना मुकाम बनाए हुए है। पहले ये देखना चाहिए कि शांतिनिकेतन में पढ़ाई का वैसा माहौल बचा है या नहीं, जैसा रबिंद्रनाथ टैगोर चाहते थे। वहां रोजाना आरएसएस और टीएमसी की विचारधाराओं के बीच लड़ाई होती है।

मुर्शिदाबाद के कीरीतेश्वरी गांव को देश का सर्वश्रेष्ठ पर्यटन गांव का दर्जा मिलने पर अधीर रंजन ने कहा कि उस गांव में एक प्राचीन मंदिर के अलावा और कुछ नहीं है। वहां पर मंदिर की राजनीति की जाती है, उन्हें करने दीजिए। मैं चाहता हूं कि मुर्शिदाबाद में नवाबों के समय के आर्किटेक्चर को सुरक्षित रखा जाए। इस संबंध में मैंने केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन मेघवाल से मिलकर एक पत्र सौंपा है। संसद के विशेष सत्र में महिला आरक्षण बिल पास होने को लेकर उन्होंने कहा कि इसे सिर्फ इसलिए लाया गया है कि ताकि लोग जो असली परेशानियों से जूझ रहे हैं, उनसे ध्यान भटकाया जा सके।

अकाली दल की सीएम मान को नसीहत केजरीवाल पंजाब मामलों में बाधा ना बनें

अमृतसर, 25 सितंबर (एजेंसियां)। भारत के गृहमंत्री उत्तरी क्षेत्रीय परिषद की 31वीं बैठक के लिए मंगलवार को अमृतसर पहुंचेंगे। बैठक में सदस्य राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ-साथ प्रत्येक राज्य से दो वरिष्ठ मंत्री, केंद्रशासित प्रदेशों के उपराज्यपाल/प्रशासक भाग लेंगे। बैठक से पहले अकाली दल ने मुख्यमंत्री भगवंत मान को आप संयोजक अरविंद केजरीवाल के साथ होने पर नसीहत दे दी है।

अकाली दल वक्ता दलजीत चीमा ने कहा कि इस बैठक में दिल्ली के मुख्यमंत्री व आप संयोजक अरविंद केजरीवाल भी होंगे। ऐसे में ध्यान रहे कि उनकी मौजूदगी पंजाब के मामले की पैरवी की राह में बाधा नहीं बननी चाहिए। दलजीत चीमा ने पंजाब के मुद्दों को भी सामने रखा और पंजाब के लिए इन मुद्दों को प्रमुखता से उठाने की बात कही है। दलजीत सिंह चीमा ने कहा- सभी की निगाहें कल 26 सितंबर को अमृतसर में नॉर्थ जोनल काउंसिल की अहम बैठक पर टिकी हैं। इसकी अध्यक्षता केंद्रीय गृह मंत्री करेंगे। यह पंजाब के सीएम भगवंत मान का कर्तव्य है, राज्य से संबंधित सभी महत्वपूर्ण मुद्दों के लिए स्पष्ट, दृढ़ और तार्किक रुख अपनाना।

कार-ऑटो की टक्कर 4 महिलाओं की मौत

पलवल, 25 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा में पलवल-सोहना मार्ग पर रविवार रात को ऑटो और कार की भीषण टक्कर हो गई। जिसमें 4 महिलाओं की मौत हो गई। वहीं 4 साल के बच्चे समेत 11 घायल हो गए। सभी मृतक और घायल नूंह जिले के रहने वाले थे। ऑटो में सवार महिला-पुरुष जिला पलवल के चिरवाड़ी गांव में रिश्तेदारी में महिला की मौत पर शोक व्यक्त कर वापस अपने गांव लौट रहे थे। गदपुरी थाना पुलिस ने ऑटो चालक की शिकायत पर कार चालक के खिलाफ केस दर्ज कर शवों का पोस्टमार्टम कराने के बाद सोमवार को उनके परिजनों को सौंप दिया।

राहुल को हैदराबाद से लड़ने की चुनौती देने पर कांग्रेस का पलटवार, ओवैसी को बताया भाजपा का जुड़वां भाई

नई दिल्ली, 25 सितंबर (एजेंसियां)। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी द्वारा कांग्रेस नेता राहुल गांधी को आगामी लोकसभा चुनाव में वायनाड से नहीं बल्कि हैदराबाद से चुनाव लड़ने की चुनौती पर कांग्रेस ने पलटवार किया। उसका कहना है कि ओवैसी हमेशा वहीं कहते हैं, जिससे भाजपा की मदद हो सके।

कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने कहा कि असदुद्दीन ओवैसी अप्रासंगिक हैं। उन्होंने कहा कि यह पहली बार नहीं है, यह एक संयोग है कि जब भाजपा को जरूरत पड़ती है तो ओवैसी वे सभी बयान देते हैं जो भगवा पार्टी की मदद करते हैं। तिवारी ने आगे कहा कि ऐसा लगता है कि नागपुर में कुछ लिख दिया हो और जुबान ओवैसी की होती है। उन्होंने कहा, 'तभी मैं बोलता हूं कि ओवैसी और भाजपा दोस्त नहीं हैं, बल्कि जुड़वा भाई हैं। क्योंकि जुड़वां भाइयों के बीच में ही एक जैसे विचार आते हैं।' उन्होंने आगे कहा, 'मैं बहुत साफ कहना चाहता हूं कि जो गठबंधन इंडिया है, उसे लेकर सब महसूस कर सकते हैं कि हमारी लड़ाई सभी वर्गों के प्रतिनिधित्वों की है, जो संसद और विधानसभा पहुंचें। लेकिन मैं भाजपा को कोई मौका नहीं देना चाहता, जो महिला आरक्षण में रुकावट बन सके।'

'साथ पकड़े गए दो लोगों के पास से बरामद नशीले पदार्थ की जब्ती को अलग-अलग माना जाए'

एचसी की बड़ी टिप्पणी

नई दिल्ली, 25 सितंबर (एजेंसियां)। बॉम्बे हाईकोर्ट ने सोमवार को गांजे की तस्करी के एक आरोपी की जमानत देते वक्त बड़ा बयान दिया। कोर्ट ने कहा है कि जब दो व्यक्तियों के एक साथ पकड़े जाने पर उनके पास से अलग-अलग नशीले पदार्थ बरामद हुए हैं तो जब्ती भी अलग ही मानी जानी चाहिए। बता दें कि गांजा तस्करी के आरोप में पिछले वर्ष दो युवकों की गिरफ्तारी हुई थी, जिनमें से एक आरोपी सागर बोरकर की सोमवार को जमानत याचिका पर सुनवाई हुई और इस दौरान एचसी का बयान सामने आया है। आरोपी सागर ने इस आधार पर जमानत मांगी थी कि पुलिस ने कथित तौर पर उसके पास से केवल 10 किलोग्राम प्रतिबंधित पदार्थ बरामद किया था, जो मध्यवर्ती मात्रा का था। हालांकि, पुलिस ने दावा किया कि बोरकर और मामले के सह-अभियुक्तों के पास 22 किलोग्राम वजन का प्रतिबंधित पदार्थ पाया गया, जो एक वाणिज्यिक मात्रा है। इसमें आगे दावा किया गया कि चूंकि दोनों एक साथ यात्रा कर रहे थे, इसलिए मामले में साजिश का आरोप भी लगाया गया। जस्टिस एसजी डिगे की एकल पीठ ने 15 सितंबर के अपने आदेश में पुलिस की दलील को मानने से इनकार कर दिया।

असम राइफल्स ने पकड़ी 5 करोड़ रुपये की हेरोइन

चार ड्रग तस्कर गिरफ्तार

आइजोल, 25 सितंबर (एजेंसियां)। असम राइफल्स और नारकोटिक्स विभाग ने मिजोरम में संयुक्त ऑपरेशन चलाते हुए चार ड्रग तस्करों को गिरफ्तार किया है। ड्रग तस्करों के पास से करीब पांच करोड़ रुपये की हेरोइन बरामद हुई है। असम राइफल्स के पूर्वी हेडक्वार्टर ने बताया कि मिजोरम के चमफाई में तीन अलग-अलग मामलों में 689.52 ग्राम हेरोइन बरामद की है। इसकी बाजार में कीमत करीब 4.82 करोड़ रुपये आंकी गई है। आरोपी चमफाई जिले के चुंगाटे और जोटे इलाके से गिरफ्तार किए गए हैं। हाल ही में असम राइफल्स ने मिजोरम में ड्रग्स का एक और बड़ा जखीरा बरामद किया था। दरअसल असम राइफल्स ने मिजोरम के चम्फाई जिले से ही एक लाख मेथामफेटामाइन टैबलेट जब्त की थी। जिनका कुल वजन करीब 10 किलो था। इन ड्रग्स की अनुमानित कीमत करीब 30 करोड़ रुपये आंकी गई। असम राइफल्स ने इन ड्रग्स के साथ म्यांमार के एक नागरिक को भी गिरफ्तार किया था। उससे पहले चम्फाई में ही असम राइफल्स ने करीब 27 करोड़ रुपये की मेथामफेटामाइन टैबलेट्स और करीब 3.9 किलो हेरोइन बरामद की थी। जिसकी अनुमानित कीमत करीब 60 करोड़ रुपये थी। केरल के कालीकट इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर कस्टम विभाग ने तीन करोड़ रुपये का सोना जब्त किया है। जब्त किया गया सोना पेस्ट के रूप में है, जिसका वजन 5.4 किलोग्राम है। यह सोना छह अलग-अलग यात्रियों से बरामद किया गया है। यात्रियों ने शरीर के विभिन्न हिस्सों और अपने बैग्स में इस सोने को छिपाया हुआ था। कस्टम विभाग आरोपियों से पूछताछ कर रहा है।

'राहुल गांधी नहीं, पीएम मोदी को चैलेंज करें ओवैसी'

संजय राउत का एआईएमआईएम प्रमुख पर पलटवार

मुंबई, 25 सितंबर (एजेंसियां)। शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) सांसद संजय राउत ने ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी पर पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि ओवैसी साहब को राहुल गांधी को नहीं मोदी जी को चैलेंज करना चाहिए कि वे हैदराबाद में आकर चुनाव लड़ें। अब राहुल गांधी का कद इतना बढ़ गया है कि वे देश में कहीं भी चुनाव लड़ेंगे तो जीत जाएंगे। चुनाव जीतने के लिए भाजपा का जो रवैया है वह सही नहीं है, संविधान, कानून, नियम की धज्जियां उड़ा कर ये संसद चलाते हैं।

इससे पहले असदुद्दीन ओवैसी ने रविवार को कांग्रेस सांसद राहुल गांधी को आगामी लोकसभा चुनाव में वायनाड से नहीं, बल्कि हैदराबाद से चुनाव लड़ने की चुनौती दी थी। एआईएमआईएम प्रमुख अपने संसदीय क्षेत्र हैदराबाद में एक जनसभा को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर ओवैसी ने कहा कि उत्तर प्रदेश के अयोध्या में बाबरी मस्जिद को देश की सबसे पुरानी पार्टी के शासन में ध्वस्त किया गया था। उन्होंने कहा, 'मैं आपके नेता (राहुल गांधी) को चुनौती दे रहा हूं कि वह वायनाड से नहीं, बल्कि हैदराबाद से चुनाव लड़ें। आप बड़े-बड़े बयान देते रहते हैं, मैदान में आते हैं और मेरे खिलाफ लड़ते हैं। कांग्रेस के लोग बहुत कुछ कहेंगे, लेकिन मैं तैयार हूं।'

उन्होंने आगे कहा कि बाबरी मस्जिद और सचिवालय की मस्जिद को कांग्रेस के शासन में ध्वस्त कर दिया गया था। गौरतलब है कि तेलंगाना में कांग्रेस और एआईएमआईएम के बीच टकराव चल रहा है, क्योंकि दोनों पार्टियां इस साल के अंत में होने वाले राज्य के आगामी विधानसभा चुनावों में शीर्ष पर पहुंचने के लिए जोर आजमाइश कर रही हैं।

डीयूएसयू के नए अध्यक्ष का डीएमके नेता पर निशाना

कहा-स्टालिन जैसे लोगों को जुबान पर नियंत्रण रखना चाहिए

नई दिल्ली, 25 सितंबर (एजेंसियां)। दिल्ली विश्वविद्यालय छात्रसंघ चुनाव में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने अध्यक्ष पद सहित तीन पदों पर जीत हासिल की है। डूसू के नवनियुक्त अध्यक्ष तुषार डेढ़ा ने कहा है कि सनातन धर्म पर बिना कारण आपत्तिजनक बयानबाजी करने वाले उदयनिधि स्टालिन जैसे लोगों को अपनी जुबान पर नियंत्रण रखना चाहिए। इस देश में 140 करोड़ लोग रहते हैं और अनेक धर्म-संप्रदाय के लोग रहते हैं। सबकी भावनाओं का सम्मान किया जाना चाहिए और जिम्मेदार पदों पर बैठे लोगों को ऐसा कोई बयान नहीं देना चाहिए जो समाज में विद्वेष पैदा करे।

23 सितंबर को घोषित हुए डूसू चुनाव में शानदार बहुमत से जीते तुषार डेढ़ा ने अमर उजाला से कहा कि दिल्ली विश्वविद्यालय अपने आप में एक 'मिनी इंडिया' जैसा है। यहां देश के हर कोने, हर प्रांत से हर धर्म-समुदाय के बच्चे शिक्षा ग्रहण करने आते हैं। वे सबके लिए एक समान तरीके से काम करेंगे और इसमें सबका सहयोग लेंगे। उन्होंने कहा कि दिल्ली विश्वविद्यालय में हर छात्र-छात्रा के लिए उनके अनुकूल कंफर्टेबल माहौल उपलब्ध कराना सबकी जिम्मेदारी है और वे सबको साथ लेकर यह काम संपन्न करेंगे।

राष्ट्रवादी विचारों के कारण मिली जीत

तुषार डेढ़ा ने कहा कि इस समय पूरे देश के युवाओं में राष्ट्रवाद की भावना चरम पर है। उनकी जीत के पीछे सबसे बड़ा कारण भारी संख्या में युवाओं का राष्ट्रवादी विचारों के लिए समर्थन रहा है। आने वाले समय में भी यह विचारधारा लगातार आगे बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि राष्ट्रवाद से प्रेरित युवा देश के लिए सबसे बड़ी संपत्ति है और यही पीढ़ी भारत को दुनिया में शीर्ष स्थान पर ले जाने में अपना सबसे बड़ा योगदान देगी। वे दिल्ली विश्वविद्यालय के छात्रों को उनकी हर सपने को आगे बढ़ाने में सहयोग करेंगे। उन्होंने कहा कि नई आवश्यकताओं के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय की आवश्यकताएं भी बदल गई हैं। भारी संख्या में छात्रों के पढ़ने के बाद भी यहां छात्रावासों की भारी कमी है। पुस्तकालयों और अन्य सुविधाओं की भारी कमी है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 189 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) भाद्रपद शु.12 2080 मंगलवार, 26 सितंबर-2023

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

'मोदी यानी हर गारंटी पूरी होने की गारंटी'

कांग्रेस का ठेका अब अर्बन नक्सलियों के पास है

भोपाल, 25 सितंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को भोपाल में कहा, मोदी यानी हर गारंटी पूरी होने की गारंटी है। कांग्रेस पर बड़ा हमला करते हुए उन्होंने कहा, कांग्रेस को अब कांग्रेस के नेता नहीं चला रहे। अब कांग्रेस एक कंपनी बन गई है। नारों से लेकर नीतियों तक हर चीज आउटसोर्स कर रही है। ये ठेका अब कुछ अर्बन नक्सलियों के पास है। कांग्रेस में अब अर्बन नक्सलियों की चल रही है। पीएम ने जंबूरी मैदान में भाजपा के कार्यकर्ता महाकुंभ को संबोधित किया। उन्होंने कहा, कांग्रेस ने अपनी सारी इच्छाशक्ति खो दी है। कांग्रेस के जमीन से जुड़े नेता चुपचाप मुंह पर ताला लगाकर बैठ गए हैं। कांग्रेस पहले बर्बाद हुई, बैंक करप्ट हुई, अब अपना ठेका दूसरे लोगों को दे दिया है। ये ग्राउंड पर कांग्रेस का हर कार्यकर्ता महसूस कर रहा है। कांग्रेस जमीन पर लगातार खोखली हो रही है।

पीएम ने आग्रह करते हुए कहा, 2 अक्टूबर को बापू की जयंती है। इससे पहले 1 अक्टूबर को स्वच्छता से जुड़ा कार्यक्रम पूरे देश में होने वाला है। मेरा आग्रह है कि आप सभी इस स्वच्छता के कार्यक्रम में जुड़िए। त्योहारों में हमें 'वोकल फॉर लोकल' याद रखना है। खादी के कपड़े खरीदने हैं। जो गिफ्ट खरीदें, वो लोकल हो, भारत में बना हो, यह बात हमें कभी भी भूलनी नहीं है। मैं मध्यप्रदेश की बहनों को याद दिलाने आया हूं कि मोदी ने आपको जो गारंटी दी थी, वो पूरी हो गई है। लोकसभा-राज्यसभा में 33 प्रतिशत सीट आरक्षित करने का कानून नारी शक्ति वंदन अधिनियम पारित हुआ। दशकों से देश की माताएं-बहनें इसका इंतजार

कर रही थीं। यह तक कहा जाने लगा था कि शायद यह कभी नहीं हो पाएगा। मोदी है तो हर गारंटी पूरी होने की गारंटी है। कांग्रेस और उसके नए घमंडिया गठबंधन ने मजबूरी में इस बिल का समर्थन बहुत खट्टे मन से किया। यह खट्टापन उनके बहानों में दिखता है। इनके गठबंधन में जितने लोग हैं, वही लोग हैं, जिन्होंने 30 साल तक इस कानून को पारित नहीं होने दिया। पार्लियामेंट में हुड़दंग किया, बिल फाड़ दिए, स्पीकर पर हमले बोल दिए। अब उनको यह लगता है कि देश की माताएं-बहनें उनके चरित्र को जान गई हैं, तो अब क्या शुरू किया- ये क्यों नहीं है, वो क्यों नहीं है, ऐसा क्यों है, वैसा क्यों नहीं? उनको नारी शक्ति वंदन अधिनियम का मजबूरी में समर्थन इसलिए करना पड़ा, क्योंकि मेरी माताएं-बहनें जाग गई हैं। ये माताओं-बहनों से डरे हुए हैं। इसलिए नीची मुंडी कर हाउस में बेमन से अंगुली दबा दी। इन्होंने तो दशकों तक देश में भारी बहुमत से सरकारें चलाई हैं। तब क्यों नहीं कानून बनाया? जो बहाने ये आज बना रहे हैं, तब क्यों नहीं ये सब कुछ कर दिया। सच यह है कि इनकी नीयत में खोट है।

मेरी माताएं-बहनों, मेरे शब्द याद रखना। मौका मिलते ही घमंडिया गठबंधन के लोग माताओं-बहनों को धोखा देना का तय करके बैठे हैं, तैयार बैठे हैं। कांग्रेस के घमंडिया साथी वही हैं, जिन्होंने इस कानून को रोकने के लिए हर मर्यादा तोड़ी है। इनकी यह सोच आज भी नहीं बदली है। ये लोग बहुत बौखलाए हुए हैं। यह अब एक नया खेल खेलेंगे। पक्का मानिए। यह नारी शक्ति को बांटने की पूरी कोशिश करेंगे। नारी शक्ति एक न हो, इसलिए अफवाहें फैलाएंगे। देश की हर माता, बहन, बेटी को सावधान, सतर्क और एकजुट रहना होगा। ये वही लोग हैं, जिन्होंने द्रौपदी मुर्मू को देश की पहली आदिवासी महिला राष्ट्रपति बनने से रोकने का भरसक प्रयास किया। ये वही लोग हैं, जिन्होंने देश की सेनाओं के अग्रिम मोर्चों में बेटियों की एंट्री को रोक कर रखा था। अगर इनकी नीयत ठीक होती तो वे क्या मोदी को करोड़ों बहनों के नाम पक्के घर करने देते। आज आजादी के इतने साल बाद यह काम मुझे करना पड़ रहा है। इनको नहीं दिखता था कि सब कुछ पुरुष के नाम पर है। महिलाओं के नाम पर कुछ नहीं।

एआईएडीएमके ने भाजपा और एनडीए से नाता तोड़ा

पार्टी ने प्रस्ताव पारित किया, लोकसभा और विधानसभा चुनाव अकेले लड़ने का फैसला

चेन्नई, 25 सितंबर (एजेंसियां)। अन्नाद्रमुक (एआईएडीएमके) ने भाजपा और एनडीए से आधिकारिक तौर पर नाता तोड़ लिया है। पार्टी अगला लोकसभा और विधानसभा चुनाव अकेले लड़ेगी। पार्टी नेताओं ने सोमवार को हुई एक मीटिंग में इस संबंध में एक प्रस्ताव भी पारित किया है।

पार्टी के डिप्टी कोर्डिनेटर केपी मुनुसामी ने बताया कि अन्नाद्रमुक आज से भाजपा और एनडीए से सभी संबंध तोड़ रही है। भाजपा के लोग पिछले एक साल से पार्टी नेताओं खासकर महासचिव ई पलानीसामी के खिलाफ बयानबाजी कर रहे हैं। एआईएडीएमके प्रवक्ता शशिरेखा ने कहा, सदस्यों की राय के आधार पर हम यह प्रस्ताव लाए। यह एआईएडीएमके के लिए खुशी का क्षण है। हम आगामी लोकसभा या विधानसभा चुनाव अकेले अपने दम पर लड़ेंगे। 18 सितंबर को एआईएडीएमके नेता डी जयकुमार ने कहा था, तमिलनाडु के भाजपा प्रमुख के अन्नामलाई हमारी पार्टी के पूर्व मुख्यमंत्रियों सीएन अन्नादुरई और जयललिता पर बयानबाजी करते हैं। हमारे कार्यकर्ता इस बात को कतई बर्दाश्त नहीं करेंगे। एआईएडीएमके और भाजपा के बीच इस साल जून में ही कड़वाहट शुरू हो गई थी। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष अन्नामलाई ने एक अंग्रेजी अखबार को दिए इंटरव्यू में कहा था कि तमिलनाडु सबसे भ्रष्ट राज्यों में से एक है, जहां पूर्व मुख्यमंत्री तक को दोषी ठहराया गया। >14

सरकारी योजनाओं में दिव्यांगों को अन्य के मुकाबले ज्यादा मदद मिलेगी? सरकार से मांगा जवाब

नई दिल्ली, 25 सितंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को एक याचिका पर सुनवाई करते हुए केंद्र सरकार से जवाब मांगा है। याचिका में मांग की गई है कि सरकारी जनकल्याणकारी योजनाओं में अन्य लोगों के मुकाबले दिव्यांगों को 25 प्रतिशत ज्यादा मदद मिलनी चाहिए। याचिका पर सुनवाई करते हुए मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की पीठ ने केंद्र से जवाब दाखिल करने को कहा है। कोर्ट अब इस याचिका पर चार हफ्ते बाद सुनवाई करेगा।

क्या है मामला : दिल्ली स्थित संगठन 'भूमिका ट्रस्ट' ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की। याचिका में मांग की गई है सरकार द्वारा संचालित की जा रहीं विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं में दिव्यांगों को अन्य लोगों की तुलना में 25 प्रतिशत ज्यादा मदद देने की मांग की गई है। याचिका में दिव्यांग व्यक्तियों के अधिकार, 2016 कानून की धारा 24(1) को आधार बनाया गया है।

ऐसा लगता है जैसे जमीन पर कुछ नहीं हुआ है : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 25 सितंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट में सोमवार 25 सितंबर को मणिपुर हिंसा से जुड़ी याचिकाओं के बैच पर सुनवाई हुई। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट की बनाई गई 3 जजों की कमेटी ने 9वीं रिपोर्ट सौंपी। सुनवाई के दौरान सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने मणिपुर सरकार को निर्देश दिया कि जिन विस्थापितों के आधार कार्ड जल गए या खो गए हैं। उनके आधार कार्ड बनाए जाएं। बेंच ने यह भी कहा कि इसके लिए यूआईडीएआई के रिकॉर्ड और बायो-मैट्रिक्स का डेटा इस्तेमाल किया जाए, ताकि सत्यापन के बाद मूल निवासियों को ही आधार कार्ड लागू हों। मामले को अगले हफ्ते सुनवाई के लिए लिस्ट किया गया है। कमेटी की वकील विभा माखीजा ने जब कोर्ट को बताया कि 60 प्रतिशत मृतकों को मुआवजा दे दिया गया है। इसके बाद भी गोंसाल्वेस ने मृतकों के परिजन के लिए मुआवजे की मांग की। इस पर सीजेआई ने कहा, कभी-कभी आप जो बहस कर रहे होते हैं, आपको पता नहीं होता कि जमीन पर क्या चल रहा है। सीजेआई बोले, एडवोकेट माखीजा ने अभी हमें बताया कि 60 प्रतिशत मुआवजा दे दिया गया है। यदि प्रक्रिया चल रही है तो हमें इसे चलने देना चाहिए। हर बार जब हम आदेश पारित करते हैं, तो ऐसा लगता है जैसे जमीन पर कुछ भी नहीं हुआ है।

केस रद्द कराने सुप्रीम कोर्ट पहुंचे चंद्रबाबू नायुडू, याचिका का आज होगा उल्लेख

नई दिल्ली, 25 सितंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) प्रमुख एन. चंद्रबाबू नायुडू से आज अपनी याचिका के बारे में उल्लेख करने को कहा है। दरअसल, नायुडू ने शीर्ष अदालत के सामने कौशल विकास घोटाला मामले में अपने खिलाफ दर्ज एफआईआर को रद्द करने के लिए तत्काल सुनवाई की मांग करने वाली याचिका के बारे में उल्लेख किया था।

इस पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इस याचिका उल्लेख कल किया जाए, उसके बाद तय किया जाएगा कब सुनवाई होगी। आंध्र प्रदेश में चंद्रबाबू नायुडू की सरकार में युवाओं को कौशल विकास प्रशिक्षण देने के लिए योजना की शुरूआत की गई थी। इस योजना के हैदराबाद और इसके

आसपास के इलाकों में स्थित भारी उद्योगों में काम करने के लिए युवाओं को जरूरी कौशल विकास प्रशिक्षण दिया जाना था। सरकार ने योजना के तहत इसकी जिम्मेदारी एक कंपनी सीमेन्स को दी थी। योजना के तहत छह क्लस्टर्स बनाए गए और इन पर कुल 3300 करोड़ रुपये खर्च होने थे। जिसमें हर क्लस्टर पर 560 करोड़ रुपये खर्च होने थे। तत्कालीन चंद्रबाबू नायुडू की सरकार ने कैबिनेट में बताया कि योजना के तहत राज्य सरकार कुल खर्च का 10 प्रतिशत यानी कि 370 करोड़ रुपये खर्च करेगी। वहीं बाकी का 90 प्रतिशत खर्च कौशल विकास प्रशिक्षण देने वाली कंपनी सीमेन्स द्वारा दिया जाएगा। आरोप है कि चंद्रबाबू नायुडू की सरकार ने योजना के तहत खर्च किए जाने वाले 371 करोड़ रुपये शैल कंपनियों को ट्रांसफर कर दिए।

रक्षामंत्री ने स्वास्तिक बनाकर सी-295 आईएएफ को सौंपा

हिंडन पर ड्रोन ने बम गिराकर दिखाई शक्ति, आतंकियों के ठिकाने किए नेस्तनाबूद

गाजियाबाद, 25 सितंबर (एजेंसियां)। गाजियाबाद में एयरफोर्स के हिंडन एयरबेस पर सोमवार को भारत की ड्रोन शक्ति का प्रदर्शन हुआ। देशभर की कंपनियों ने अपने हाईटेक ड्रोन का प्रदर्शन किया। इस दौरान किसी ड्रोन ने आसमान में ही संदिग्ध चीज को कैप्चर किया तो किसी ड्रोन ने आतंकियों के डमी ठिकानों पर बम गिराकर उसे नेस्तनाबूद किया।

सिर्फ यहीं नहीं, भारत ड्रोन शक्ति शो की शुरूआत में एयरबेस पर सिंबॉलिक तौर पर 2 संदिग्ध आतंकी दिखाई दिए। पहले एक ड्रोन ने उनकी तस्वीर कैप्चर की। जबकि तुरंत वहां पहुंचे दूसरे ड्रोन ने ऑटोमैटिक वैपन से फायरिंग करते हुए उन्हें खदेड़ दिया। इसके अलावा, शो में 50 तरह के ड्रोन का प्रदर्शन हुआ। इसमें रक्षा, कृषि, अग्निशमन, हेल्थ, सर्वेक्षण सेक्टर से जुड़े ड्रोन भी दिखाए। कार्यक्रम के दौरान रक्षामंत्री राजनाथ सिंह, वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल वीआर चौधरी कार्यक्रम स्थल पर मौजूद हैं।

वायुसेना प्रमुख को सौंपी सी-295 एयरक्राफ्ट की चाबी : सी-295 एयरक्राफ्ट को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने वायुसेना प्रमुख वीआर चौधरी को सौंप दिया। औपचारिक रूप से चाबी दी गई। इस दौरान राजनाथ सिंह ने सर्वधर्म प्रार्थना की। उन्होंने रोली से एयरक्राफ्ट के ऊपर स्वास्तिक बनाया। एयरक्राफ्ट को रक्षा सूत्र बांधा।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और वायुसेना प्रमुख वीआर चौधरी सी-295 एयरक्राफ्ट के अंदर गए। उन्होंने क्रू केबिन देखा और अंदर की खासियतें देखीं।

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में सत्येंद्र जैन को राहत

नई दिल्ली, 25 सितंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को मनी लॉन्ड्रिंग मामले में दिल्ली के पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन को बड़ी राहत दी। कोर्ट ने सत्येंद्र जैन को चिकित्सा आधार पर दी गई अंतरिम जमानत आठ अक्टूबर तक बढ़ा दी। मामला न्यायमूर्ति एएस बोपन्ना और जस्टिस बेला एम त्रिवेदी की पीठ के समक्ष सूचीबद्ध किया गया था। इसके बाद पीठ ने इसे नौ अक्टूबर को आगे की सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया।

इससे पहले आम आदमी पार्टी नेता की जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने उनकी अंतरिम जमानत 25 सितंबर तक के लिए बढ़ा दी थी। सत्येंद्र जैन की 21 जुलाई को सर्जरी हुई थी। चिकित्सा आधार पर दी गई अंतरिम जमानत समय-समय पर बढ़ाई गई है। शीर्ष अदालत ने 26 मई को मनी लॉन्ड्रिंग मामले में सत्येंद्र जैन को छह सप्ताह के लिए अंतरिम जमानत दी थी। कोर्ट ने उन्हें मीडिया से बात न करने और न ही बिना अनुमति के दिल्ली छोड़ने सहित कई शर्तें लगाईं थीं। सत्येंद्र जैन पिछले एक साल से जेल में थे। उन्हें मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पिछले साल 30 मई को गिरफ्तार किया था। सत्येंद्र जैन सीजे-7 के अस्पताल के एमआई रूम के बाथरूम में फिसल कर गिर गए थे। जिसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। 21 जुलाई को दिल्ली के अपोलो अस्पताल में जैन की रीढ़ की हड्डी की सर्जरी हुई थी।

राहुल गांधी ने ट्रेन से 117 किमी का सफर किया

2 घंटे में बिलासपुर से रायपुर पहुंचे, स्लीपर कोच में लोगों से उनकी समस्याएं जानीं

बिलासपुर, 25 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ दौरे पर पहुंचे कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोमवार को ट्रेन में सफर किया। उन्होंने बिलासपुर से रायपुर तक 117 किलोमीटर तक का सफर किया। इस दौरान पैसेंजर्स से उनकी समस्याओं पर बात भी की। राहुल ने ट्रेन में मौजूद महिला हॉकी खिलाड़ियों से बात की। उनकी ट्रेनिंग और उनको मिल रही सुविधाओं के बारे में भी पूछा।

बिलासपुर में हुए कांग्रेस के आवास सम्मेलन में शामिल होने के बाद राहुल बिलासपुर से इंटरसिटी एक्सप्रेस के स्लीपर कोच में सवार हुए। वे शाम करीब पौने छह बजे रायपुर रेलवे स्टेशन पहुंचे। इस दौरान ट्रेन में उनके साथ सीएम भूपेश बघेल और प्रभारी कुमारी सैलजा भी थीं। राहुल ने ट्रेन में सामान्य यात्रियों की तरह सफर किया और घूम-घूमकर लोगों से भी मिले और उनकी समस्याओं की जानकारी ली। उन्होंने छात्रों को चॉकलेट और चिप्स भी खरीद कर दी। राहुल गांधी का रायपुर से बिलासपुर जाने का भी सफर ट्रेन से तय था। लेकिन ट्रेनों की लेट-लतीफी के चलते उनका जाने का सफर टल गया था। महिला खिलाड़ी से राहुल गांधी ने पूछा की आप कौन सा खेल खेलते हैं। तो खिलाड़ी ने बताया कि मैं हॉकी खेलती हूं। तो राहुल गांधी ने पूछा कि कौन सी पोजिशन पर खेलती हैं। तब खिलाड़ी ने कहा कि, मैं सेंट्रल पोजिशन में खेलती हूं। इन खिलाड़ियों ने ग्राउंड में टर्फ की भी मांग की।

मालेगांव बम विस्फोट का मामला

भाजपा सांसद प्रज्ञा सिंह ठाकुर एनआईए की विशेष अदालत में हुईं पेश

नई दिल्ली, 25 सितंबर (एजेंसियां)। 2008 में हुए मालेगांव बम विस्फोट मामले में आरोपी भाजपा सांसद प्रज्ञा सिंह ठाकुर एनआईए विशेष अदालत में पेश हुई है। सोमवार को प्रज्ञा दोपहर 2 बजे एनआईए की विशेष अदालत में पहुंचीं। इस दौरान उन्होंने अदालत को बताया कि वह स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से पीड़ित है। जिसके कारण वह सुबह जल्दी उठने में असमर्थ है। जिसके बाद अदालत ने आरोपियों के बयान दर्ज करने के लिए मामले को 3 अक्टूबर तक के लिए स्थगित कर दिया है।

अभियोजन पक्ष ने 14 सितंबर को अदालत को सूचित किया था कि मामले में साक्ष्य दर्ज करने की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। अभियोजन पक्ष के किसी भी गवाह से पूछताछ की जरूरत नहीं है। प्रावधान के अनुसार, अदालत आमतौर पर मामले पर अभियुक्तों से सवाल करती है ताकि उन्हें उनके खिलाफ सबूत में दिखाई देने वाली किसी भी परिस्थिति को व्यक्तिगत रूप से समझाने में सक्षम बनाया जा सके। केवल छह आरोपी प्रज्ञा ठाकुर, लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद पुरोहित, मेजर (सेवानिवृत्त) रमेश उपाध्याय, अजय रहीरकर, सुधाकर चतुर्वेदी और समीर कुलकर्णी सोमवार को अदालत में पेश हुए।29 सितंबर, 2008 को उत्तरी महाराष्ट्र में मुंबई से लगभग 200 किमी दूर मालेगांव शहर में एक मस्जिद के पास बम विस्फोट हुआ था जिसमें 6 लोगों की मौत हो गई थी और 100 से अधिक लोग घायल हुए थे। 2011 में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) को स्थानांतरित होने से पहले इस मामले की शुरूआत में महाराष्ट्र आतंकवाद विरोधी दस्ते (एटीएस) द्वारा जांच की गई थी।

कावेरी मुद्दा : कन्नड़ संगठनों ने 29 सितंबर को राज्यव्यापी बंद का आह्वान किया

बेंगलूरू, 25 सितंबर (एजेंसियां)। तमिलनाडु के लिए कावेरी नदीं का पानी छोड़े जाने पर विरोध तेज होने और स मुद्दे पर बंद के आह्वान के बीच कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि सरकार किसी भी तरह की कोई कटोती नहीं करेगी, लेकिन शांति बनाए रखने के महत्व को रेखांकित जरूर करेगी।

सीएम ने यह भी कहा कि राज्य सरकार इस मुद्दे पर सुनवाई कोर्ट की अगली सुनवाई में अपना तर्क अधिक मजबूती से रखने वाली है। कावेरी मुद्दा पर कुछ किसान और कन्नाडा संगठन भी बेंगलूरू बंद के लिए अपना समर्थन दे रहे हैं। वटल नागराज के नेतृत्व में कन्नड़ प्रदर्शनकारियों ने 29 सितंबर से पूरे राज्य में बंद का आह्वान किया है।

सीएम सिद्धारमैया ने मीडिया से बात करते हुए कहा, हमने कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण और विनिमय समिति के आदेशों के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी, लेकिन कोर्ट ने हमारी और तमिलनाडु की याचिका अस्वीकार कर दी।

खालिस्तान को खाद-पानी दे रहा पाकिस्तान

क्या मामला उर्दुस्तान का? अब कनाडा से बाहर होगी स्ट्राइक

नई दिल्ली, 25 सितंबर (एजेंसियां)। कनाडा में मौजूद खालिस्तानी आतंकियों, संगठनों और उनके एक्टिव सदस्यों को लेकर भले ही प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने अभी तक ठोस कार्रवाई का भरोसा नहीं दिया है, मगर भारत उनके इरादों को अपने यहां तक नहीं पहुंचने देगा। अभी तक यही खबरें आ रही थीं कि पाकिस्तान, खालिस्तान आतंकियों को बढ़ावा दे रहा है। अब इसके आगे एक भयावह इंटेलिजेंस इनपुट का पता लगा है।

पाकिस्तान, पंजाब में खालिस्तान को इसलिए खाद पानी दे रहा था, क्योंकि उसने 'सिख फॉर जस्टिस' के संस्थापक गुरपतवंत सिंह पन्नू के जरिए 'उर्दुस्तान' स्थापित करने का नापाक इरादा बना रखा था। यही वजह थी कि पन्नू, लाहौर में जाकर आईएसआई से मुलाकात करता है। वहां पर प्रेसवार्ता कर खालिस्तान के लिए जनमत संग्रह कराने की घोषणा करता है। केंद्र सरकार के विश्वस्त सूत्रों के मुताबिक, खालिस्तानी आतंकियों

को लेकर भारत और कनाडा के संबंधों में अभी तनाव बरकरार है। कनाडा सरकार, एनआईए द्वारा दी गई आतंकियों की सूची पर कार्रवाई कब तक करेगी, इस बाबत कुछ कहा नहीं जा सकता। तब तक केंद्रीय एजेंसियां, छह राज्यों में खालिस्तानी आतंकियों और गैंगस्टर्स से संबंध रखने वालों पर बड़ी स्ट्राइक करेगी।

पाकिस्तानी आईएसआई ने किया 'पन्नू' का इस्तेमाल : 'सिख फॉर जस्टिस' के संस्थापक गुरपतवंत सिंह पन्नू को लेकर जो नया डोजियर तैयार किया गया है, उसमें हैरान करने वाला खुलासा हुआ है। पन्नू, न केवल खालिस्तान का माहौल तैयार करने में जुटा था, बल्कि वह पाकिस्तान के इशारे पर इससे भी कहीं आगे बढ़ चुका था। विश्वस्त सूत्रों के मुताबिक, पाकिस्तानी आईएसआई ने पन्नू को भारत के खिलाफ इस्तेमाल किया है। उसने पन्नू को आर्थिक मदद भी पहुंचाई है। भारत में किसान आंदोलन के दौरान उसने लालकिले और इंडिया गेट पर खालिस्तानी झंडा फहराने वाले को भारी इनामी राशि देने की घोषणा की थी। उसके बाद स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस पर तोड़फोड़ की गतिविधियां करने व दूसरी कई तरह की आपराधिक वारदातों को अंजाम देने के लिए भी इनाम घोषित किया था। इसके लिए पन्नू को पाकिस्तान की तरफ से आर्थिक मदद दी जाती थी। पन्नू से कहा गया था कि वह पंजाब में खालिस्तान बनाए तो वहीं देश के दूसरे हिस्सों को 'उर्दुस्तान' के दायरे में लाने का प्रयास करे। यही वजह थी कि पन्नू धीरे धीरे, खालिस्तान के एजेंडे को देश के दूसरे हिस्सों तक ले जाने की कोशिश कर रहा था। पाकिस्तान ने जम्मू कश्मीर, पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, चंडीगढ़, हरियाणा और हिमाचल प्रदेश तक अपने नापाक इरादे ले जाने की योजना बना रखी थी। 'उर्दुस्तान' स्थापित करने का एजेंडा भी पाकिस्तानी आईएसआई ने तैयार किया था। किसान आंदोलन के बाद पन्नू एवं दूसरे खालिस्तानी आतंकियों के जरिए इस खतरनाक एजेंडे को तेजी से आगे बढ़ाया गया। >14

मुजफ्फरनगर थप्पड़ कांड : सुप्रीम कोर्ट की यूपी सरकार को फटकार

कहा-मामले की जांच आईपीएस अधिकारी से कराएं

नई दिल्ली, 25 सितंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने मुजफ्फरनगर में शिक्षिका के निर्देश पर सहपाठियों द्वारा एक छात्र को कथित तौर पर थप्पड़ मारने के मामले में सोमवार को उत्तर प्रदेश सरकार को फटकार लगाई। कहा कि जो घटना घटी है, उससे राज्य की अंतरात्मा को झकझोर देना चाहिए। साथ ही निर्देश दिया की मामले की जांच के लिए वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी को नियुक्त किया जाए।

बच्चों की कराएं काउंसिलिंग

न्यायमूर्ति अभय एस ओका और न्यायमूर्ति पंकज मिथल की पीठ ने आईपीएस अधिकारी को शीर्ष अदालत में एक रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश देते हुए राज्य सरकार से कहा कि वह पीड़िता और मामले में शामिल अन्य छात्रों की पेशेवर परामर्शदाताओं से काउंसिलिंग कराएं।

यूपी सरकार की विफलता का मामला

पीठ ने कहा कि प्रथम दृष्टया शिक्षा का अधिकार अधिनियम के प्रावधानों का पालन करने में उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से विफलता का मामला है, जो जाति, पंथ या लिंग के आधार पर किसी भी भेदभाव के बिना 14 साल तक के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण, मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा प्रदान करने से संबंधित है। शीर्ष अदालत ने कहा कि इस तरह की घटना से राज्य की अंतरात्मा को झकझोक देना चाहिए। अगर किसी छात्र को केवल इस आधार पर दंडित करने की मांग की जाती है कि वह किसी विशेष समुदाय से है तो कोई गुणवत्तापूर्ण शिक्षा नहीं दी जा सकती।

अदालत ने राज्य सरकार को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि एक पेशेवर परामर्शदाता द्वारा पीड़ित की उचित काउंसिलिंग कराई जाए। साथ ही उन छात्रों को भी उचित काउंसिलिंग मिले, जिन्हें बच्चे को मारने लिए कहा गया था। अदालत ने कहा कि राज्य की सरकार बच्चे से उसी स्कूल में पढ़ाई जारी रखने की उम्मीद नहीं कर सकता है।

चार सप्ताह के अंदर पेश करें रिपोर्ट

पीठ ने इस घटना को 'गंभीर' बताते हुए राज्य सरकार से राज्यभर के स्कूलों में आरटीई कानून लागू करने पर चार सप्ताह में स्थिति रिपोर्ट पेश करने को कहा। साथ ही, सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार से कहा कि घटना की जांच के लिए एक वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी को नियुक्त करें। उसके बाद, नियुक्त वरिष्ठ अधिकारी अदालत के समक्ष रिपोर्ट दाखिल करे।

महात्मा गांधी के प्रपौत्र तुषार गांधी की याचिका पर सुनवाई

अदालत महात्मा गांधी के प्रपौत्र तुषार गांधी की याचिका पर सुनवाई कर रही थी जिसमें मामले में तेजी से जांच की मांग की गई थी। शीर्ष अदालत ने छह सितंबर को मुजफ्फरनगर के पुलिस अधीक्षक को मामले में स्थिति रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया था। अदालत ने पुलिस अधीक्षक से छात्र और उसके माता-पिता की सुरक्षा के लिए किए गए उपायों के बारे में सूचित करने को कहा था। शीर्ष अदालत ने उत्तर प्रदेश सरकार को भी नोटिस जारी किया था और 25 सितंबर तक जवाब मांगा था।

ये था पूरा मामला

खुब्बापुर गांव के स्कूल में शिक्षिका तृप्ता त्यागी ने पांच का पहाड़ा नहीं सुनाने पर 24 अगस्त को अल्पसंख्यक समुदाय के यूकेजी के छात्र की सहपाठियों से पिटाई करा दी थी।

इसी दौरान जातीय टिप्पणी का भी आरोप है। प्रकरण के दौरान पीड़ित छात्र के चचेरे भाई ने वीडियो बना लिया था। वीडियो के वायरल होते ही देशभर से प्रतिक्रियाएं आने लगीं और शिक्षिका की गिरफ्तार की मांग उठने लगी। आरोपी शिक्षिका पर केस दर्ज हो चुका है। वहीं, इस संबंध में राज्य शिक्षा विभाग ने स्कूल को नोटिस भी भेजा था।

अखिलेश का संदेश-यूपी में गठबंधन के बॉस हम

इंडिया में सीट बंटवारे से पहले माइंडगेम, सपा अध्यक्ष बोले-अब त्याग नहीं करेंगे

लखनऊ, 25 सितंबर (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी गठबंधन में सीट मांग नहीं रही है, बल्कि सीट दे रही है। अखिलेश यादव ने पार्टी कार्यालय पर यह बयान दिया। उसके बाद से ही यूपी की पॉलिटिक्स में इस बयान के सियासी मायने खोजे जाने लगे हैं। उत्तर प्रदेश में इंडिया गठबंधन का सबसे मुख्य दल समाजवादी पार्टी ही है। अखिलेश यादव के इस बयान को गठबंधन में सीटों के बंटवारे में समाजवादी पार्टी की ही बड़ी भूमिका रहेगी, साफ तौर पर इससे जोड़कर देखा जा रहा है। इससे पहले अखिलेश यादव यही कहते रहे हैं कि सीटों पर सब मिल बैठकर फैसला लेंगे। लेकिन, जिस तरह घोसी में मिली जीत के बाद पार्टी कार्यालय पर कार्यकर्ताओं से मुलाकात के दौरान अखिलेश यादव ने ये बयान दिया है, अब इसे उनकी प्रेशर पॉलिटिक्स का भी हिस्सा माना जा रहा है। जिसमें कांग्रेस को यूपी में उनके हिसाब से नहीं, बल्कि अपने हिसाब से सीट देने की तैयारी में वो हैं। यानी अखिलेश यादव ने अपने एक बयान से यह संदेश साफ तौर पर दे दिया है कि यूपी में इंडिया गठबंधन के असली बॉस वही हैं।

सीएमओ ने सीएचसी अधीक्षक से कहा...जूते से मारूंगा

भाजपा नेता के कंधे पर सिर रखकर फूट-फूट कर रोए, कहा-इस्तीफा दे दूंगा

औरैया, 25 सितंबर (एजेंसियां)। औरैया में सीएचसी अधीक्षक के फूट-फूटकर रोने का वीडियो सामने आया है। भाजपा नेता के कंधे पर सिर पर रखकर वह रोए जा रहे हैं। अयाना के सीएससी अधीक्षक सुनील कुमार शर्मा से जब इसकी वजह पूछी गई तो उन्होंने बताया कि सीएमओ ने उनसे फोन पर अभद्रता की है। कहा कि तुमको जूते से मारूंगा।

दरअसल, पूरा मामला रविवार को शहाब्दा उपकेंद्र का है। यहां आयुष्मान भवः योजना के तहत स्वास्थ्य मेला आयोजित किया गया था। सीएमओ मौके पर पहुंचे तो अधीक्षक वहां मौजूद नहीं थे। इस दौरान सीएमओ ने देखा कि कार्यक्रम में 3 साल पुराना बैनर लगा था। यह देखकर सीएमओ एसके वर्मा भड़क गए। वह वहां से चले गए। सुनील शर्मा ने बताया कि कुछ देर बाद सीएमओ ने फोन करके उनसे अभद्रता की। अभद्र भाषा का प्रयोग किया। इसी बीच, मेले का शुभारंभ करने पहुंचे भाजपा नेता मंडल अध्यक्ष हरपाल ठाकुर जब अधीक्षक के कमरे में पहुंचे तो उन्हें रोता देख पूरा मामला पूछा। उन्होंने सदर विधायक को पूरे मामले की जानकारी दी। इसके बाद विधायक ने मामले में सीएमओ को फटकार लगाई।

मगरमच्छ की 'दावत' ग्रामीणों ने उड़ाई

वन विभाग के अफसर हुए नाराज, हैरान करने वाला है ये मामला

शाहजहांपुर, 25 सितंबर (एजेंसियां)। शाहजहांपुर के निगोही के ऊनकलां गांव के पश्चिम में स्थित तालाब में मगरमच्छ के आ जाने से ग्रामीणों में दहशत है। वन विभाग की टीम ने मगरमच्छ को पकड़ने के लिए पिंजरे में मुर्गा बांधा, लेकिन गांव के कुछ शरारती युवक पिंजरे से मुर्गा निकाल ले गए और उसे मारकर खा लिया। सुबह पिंजरे में मुर्गा न देखकर वन विभाग के अधिकारियों ने ग्रामीणों से नाराजगी जताई है। ऊनकलां गांव के पड़ोस में देवहा नदी बहती है। नदी से निकल कर तालाब में करीब पांच फुट का मगरमच्छ आ गया। बृहस्पतिवार को तालाब में मगरमच्छ की सूचना के बाद ग्रामीण दहशत में आ गए। ग्रामीणों की सूचना पर वन दरोगा सतीश कुमार मौके पर पहुंचे और मगरमच्छ को पकड़ने के लिए तालाब के किनारे पिंजरा लगवा दिया। पिंजरे के अंदर मगरमच्छ को खींचने के लिए मुर्गा बांधा गया था। रात में कोई पिंजरे से मुर्गा ही निकाल ले गया। सुबह वन विभाग के कर्मियों को पिंजरा खाली मिला। उन्होंने ग्रामीणों से नाराजगी जताई है। बताते हैं कि गांव के शरारती तत्वों ने मुर्गे की दावत उड़ा दी है। ग्रामीणों के अनुसार, तौफीक अली के तालाब में मछलियां अधिक होने के कारण मगरमच्छ बाहर नहीं आ रहा है।

ताल गांव के तालाब में दिखा मगरमच्छ

निगोही के ताल गांव में पूरब की ओर मजार के पास तालाब में मगरमच्छ रविवार को देखा गया। ग्रामीणों की सूचना पर वन विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर जायजा लिया। उन्होंने लोगों को तालाब के किनारे जाने से मना किया है।

शहर के हथौड़ा स्थित नायक जदुनाथ सिंह स्पोर्ट्स स्टेडियम के पास बहने वाले नाले में 12 जुलाई की रात मगरमच्छ पहुंच गया था। उसको देखकर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। पुलिस भी मौके पर पहुंच गई, लेकिन वन विभाग के अधिकारियों ने न तो फोन उठाया न ही मौके पर पहुंचे। इतनी देर में मगरमच्छ वहां से कहीं निकलकर ओझल हो गया।

विपक्षी गठबंधन इंडिया सत्ता लोलुपों का समूह, ये कुर्सी के लिए लड़ रहा : डिप्टी सीएम

बाराबंकी, 25 सितंबर (एजेंसियां)। बाराबंकी जिले के चिनहट देवा रोड पर नारायण सेवा संस्थान में आयोजित प्राण प्रतिष्ठा समारोह में प्रदेश सरकार के उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक प्रतिभाग करने पहुंचे। मीडिया से मुखातिब होते हुए उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की योजनाएं जन-जन तक पहुंची हैं। जनता का भरोसा लगातार भाजपा पर बढ़ रहा है और दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है।

उत्तर प्रदेश में भाजपा का कोई विकल्प नहीं है। विपक्ष केवल सत्ता और कुर्सी पानी के लिए लड़ रहा है। सत्ता के लोलुप लोगों के समूह को प्रदेश की जनता कभी माफ नहीं करेगी क्योंकि जब इनका शासन था तब प्रदेश में अराजकता और भ्रष्टाचार चरम पर था। इस संगठन में भ्रष्टाचार करने वाली सभी पार्टियां और नेता शामिल हैं।

मुख्यमंत्री योगी ने विभागों में रिक्त पदों का विवरण मांगा

बोले-खाली पद तत्काल भरें, देर न करें

लखनऊ, 25 सितंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी विभागों में रिक्त पदों पर यथाशीघ्र नियुक्ति प्रक्रिया पूरी करने के निर्देश दिए हैं। सोमवार को सभी विभागों के अपर मुख्य सचिव और प्रमुख सचिव गणों के साथ बैठक कर समीक्षा की और दिशा-निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि शासकीय विभागों में मानव संसाधन का अभाव विभागीय कार्यक्षमता और जनहित पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है।नियुक्तियों में विलंब से केवल बैकलॉग बढ़ता है, बल्कि युवाओं की अपनी योग्यता के अनुरूप अवसर भी नहीं मिलता। इसलिए यह आवश्यक है कि प्रत्येक विभाग अपने यहां नियुक्ति की प्रक्रिया को समय से आगे बढाएं। रिक्तियों के संबंध में जिलों से प्राप्त हो रही जानकारी की समीक्षा भी करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी विभागों में ग्राम व नगर और जिला से लेकर शासन स्तर तक प्रत्येक संवर्ग की गहनता से समीक्षा कर आवश्यक रिक्तियों की स्थिति स्पष्ट की जाए। नियुक्ति एवं कार्मिक विभाग के माध्यम से सभी विभागों में रिक्तियों और प्रचलित नियुक्ति प्रक्रिया और आवश्यक मानव संसाधन की विस्तृत रिपोर्ट मुख्यमंत्री कार्यालय को उपलब्ध कराई जाए। नियुक्ति प्रक्रिया में सरलता के लिए ई-अधियाचन की व्यवस्था लागू की गई है, उसका उपयोग करें। नियुक्ति के लिए अधियाचन भेजने से पूर्व आरक्षण नियमावली का सूक्ष्मता से परीक्षण कर लिया जाए। उन्होंने कहा कि बदलते दौर के साथ नगर विकास जैसे विभागों में अनेक नवीन पदों के सृजन की आवश्यकता है तदनुसार कार्रवाई की जानी चाहिए। राजस्व विभाग में समायोजित किये गए चकबंदी लेखपालों का विधिवत प्रशिक्षण कराएं। पुलिस विभाग में विभिन्न पदों पर जारी चयन की प्रक्रिया आगामी दिसंबर तक पूरी कर लें। मुख्यमंत्री ने कहा कि समयबद्ध पदोन्नति शासकीय सेवा का हिस्सा है। हर कर्मचारी को नियत समय पर इसका लाभ मिलना ही चाहिए।

पदोन्नति के लिए परफॉर्मेंस को आधार बनाएं। इस वर्ष मुख्य सचिव, अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव और विभागाध्यक्ष अथवा लोक सेवा आयोग स्तर पर की जाने वाली पदोन्नति की कार्यवाही प्रत्येक दशा में 30 सितंबर तक पूरी कर ली जाए।

गोली मारकर भाग रहे बदमाश को लोगों ने खदेड़ा

मधेपुरा में एक की पकड़ कर की पिटाई, गोली लगने से घायल का चल रहा इलाज

मधेपुरा, 25 सितंबर (एजेंसियां)। मधेपुरा में सोमवार की सुबह गोली मारकर भाग रहे अपराधियों को ग्रामीणों ने खदेड़ कर पकड़ लिया। जमकर पिटाई के बाद पुलिस के हवाले कर दिया।

घटना जिले के मुरलीगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत जोरगमा वार्ड नंबर 11 की है। NH 107 के किनारे सुबह घर में घुसकर चार-पांच अपराधियों द्वारा मारपीट कर शख्स को गोली मारकर घायल कर दिया गया। बताया गया कि वार्ड नंबर 11 निवासी बैजू शर्मा के यहां दो बाइक से पांच की संख्या में बदमाश पहुंचे। उनके साथ मारपीट करने लगे। शोर शराबा हुआ तो लोग उनके दरवाजे पर पहुंचे तो बदमाश वहां से हथियार लहराते भागने का प्रयास करने लगे। उन्हें खदेड़ कर पकड़ने का प्रयास किया गया।

एनडीए में जाने के सवाल पर नीतीश बोले-फालतू बात

मेरी दिलचस्पी नहीं; सुशील मोदी ने कहा-नाक भी रगड़ लें तो एंट्री नहीं

पटना, 25 सितंबर (एजेंसियां)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार क्या फिर से एनडीए में जाएंगे? पटना में सोमवार को मीडिया के सवाल पर नीतीश ने कहा-ये सब फालतू बात है। इसमें मेरी कोई दिलचस्पी नहीं है। मेरा सिर्फ एक ही लक्ष्य है- विपक्ष को एकजुट करना। नीतीश कुमार सोमवार को पटना में जनसंघ (वर्तमान में भाजपा) के संस्थापक पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती में शामिल होने पहुंचे। नीतीश कुमार ने इस कार्यक्रम के लिए हरियाणा में विपक्ष के महाजुटान से दूरी बना ली। नीतीश की एनडीए में वापसी के सवाल पर बिहार के पूर्व डिप्टी सीएम और भाजपा सांसद सुशील मोदी ने कहा-नीतीश कुमार एक राजनीतिक बोझ बन गए हैं और अब वे नाक भी रगड़ लेंगे तो उनकी एंट्री एनडीए में नहीं होने जा रही है।

विपक्ष का कार्यक्रम छोड़कर आए थे नीतीश

इंडियन नेशनल लोकदल (आईएनएलडी) ने कैथल में हरियाणा के पूर्व सीएम चौधरी देवीलाल की जयंती के कार्यक्रम में नीतीश समेत विपक्षी गठबंधन I.N.D.I.A के नेताओं को आमंत्रित किया था। इसमें नीतीश कुमार नहीं गए और पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती में शामिल होने पहुंचे। इस पर नीतीश कुमार ने कहा- हम तो कितना जगह जाते हैं। कई जगह जाते हैं जहां जाना होता है वहां जाते ही हैं, इसमें कोई बड़ी बात थोड़े हैं। वहां पार्टी का कार्यक्रम तो पहले से तय है। नीतीश के साथ डिप्टी सीएम तेजस्वी भी इस कार्यक्रम में आए थे। नीतीश कुमार ने स्वर्गीय पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि दी। दीनदयाल उपाध्याय की जयंती कार्यक्रम में पहुंचने पर उन्होंने कहा कि इसमें कोई बड़ी बात नहीं है। कोई भी जाकर श्रद्धांजलि अर्पित कर सकता है। जो दीनदयाल जी के विचारों से सहमत है, और नहीं आते हैं तो वह समझे कि क्यों नहीं आते हैं। बिहार कैबिनेट की बैठक मंगलवार के बजाय सोमवार को रखी गई है। इसको लेकर जब सीएम नीतीश कुमार से सवाल किया गया तो उन्होंने कहा तेजस्वी यादव की ओर इशारा करते हुए कहा कि इन्हें कहीं बाहर जाना था इसलिए बैठक आज बुलाई गई है।

नीतीश के जाने के बाद भाजपा के नेता आए

पंडित दीनदयाल उपाध्याय को श्रद्धांजलि देने के बाद नीतीश कुमार, डिप्टी सीएम वहां से निकल गए। उनके जाने के बाद भाजपा नेता कार्यक्रम में पहुंचे हैं। प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी, राजयसभा सांसद सुशील मोदी, पूर्व मंत्री नन्द किशोर यादव, और संगठन प्रभारी नागेंद्र श्रद्धांजलि देने पहुंचे।

गिरिराज बोले-अगर हिंदू होना गुनाह है तो मैं भी गुनहगार

बेगूसराय में शिवलिंग टूटने के विवाद में हिंदुओं पर केस से भड़के; कहा-मुझे भी गिरफ्तार करो

बेगूसराय, 25 सितंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा है अगर हिंदू होना गुनाह है, तो मैं इस गुनाह को कबूल करता हूं। बेगूसराय जिला प्रशासन से अपील करता हूं कि मुझे भी गिरफ्तार करे। भाजपा सांसद ने ये बातें शहर में शिवलिंग तोड़ने के विरोध में आक्रोशित भीड़ द्वारा हंगामा करने और दुकान में तोड़फोड़ करने के मामले में पुलिस की कार्रवाई पर कही।

दुकानों में तोड़फोड़ और हंगामा के मामले में पुलिस ने 30 लोगों की पहचान कर मामला दर्ज किया है। पुलिस ने रविवार को 12 उपद्रवियों को गिरफ्तार किया है, जबकि 200 अज्ञात लोगों पर मामला दर्ज किया है। बीजेपी के फायर ब्रिगेड नेता गिरिराज सिंह ने बेगूसराय पुलिस पर सीधे-सीधे आरोप लगाया है कि जिला पुलिस सिर्फ हिंदू प्रदर्शनकारियों को टारगेट कर रही है। सिर्फ हिंदुओं को ही गिरफ्तारी की जा रही है। हालांकि पुलिस ने मंदिर में तोड़फोड़ करने वाले मुख्य आरोपी जावेद को भी गिरफ्तार कर लिया है। इधर, बीजेपी बेगूसराय समाहरणालय के सामने हिंदुओं की गिरफ्तारी के खिलाफ धरना देगी।

गिरिराज ने कहा कि शिवलिंग टूटा तो हिंदुओं में आक्रोश होना स्वाभाविक है। जिला प्रशासन ने फुटेज खंगाल कर 40-45 लोगों को डिटेन कर रखा है, जो मुख्य अभियुक्त हैं उन्हें पकड़ नहीं रहे। फुटेज में तो मैं भी दिख रहा हूं तो मुझे भी पकड़ लीजिए। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि हिंदू प्रदर्शनकारियों को टारगेट किया जा रहा, जबकि जो मुख्य मुसलमान समुदाय के आरोपी हैं, उन पर रियायत बरती जा रही है। उन्होंने कहा कि बेगूसराय पुलिस घटनास्थल का सीसीटीवी फुटेज खंगाल कर उस आधार पर सिर्फ हिंदू प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार कर रही है।

बाहुबली मुख्तार अंसारी को मिली जमानत, जुर्माने पर भी रोक, पर सजा बरकरार

प्रयागराज, 25 सितंबर (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बांदा जेल में बंद पूर्वांचल के बाहुबली मुख्तार अंसारी को गैंगस्टर मामले में बड़ी राहत दी है। हाईकोर्ट ने गैंगस्टर मामले में मुख्तार अंसारी की जमानत अर्जी मंजूर करने के साथ ही लगाए गए पांच लाख जुर्माने पर भी रोक लगा दी है। हालांकि, कोर्ट ने सजा पर रोक नहीं लगाई है। सजा पर सुनवाई जारी रहेगी। हाईकोर्ट ने बहस पूरी होने के बाद 20 सितंबर को इस मामले में फैसला सुरक्षित कर लिया था। यह फैसला न्यायमूर्ति राजवीर सिंह की अदालत ने सोमवार को सुनाया है।

मुख्तार अंसारी ने गाजीपुर एमपी-एमएलए कोर्ट द्वारा सुनाई गई 10 साल की सजा के खिलाफ हाईकोर्ट में अपील दाखिल की थी। गाजीपुर की एमपी-एमएलए स्पेशल कोर्ट ने 29 अप्रैल को गैंगस्टर मामले में मुख़्तार को सजा सुनाई थी। हाईकोर्ट में मुख्तार अंसारी के वकील उपेंद्र उपाध्याय ने डिटेंशन सर्टिफिकेट दाखिल करते हुए बताया था कि मुख्तार अंसारी 12 साल चार महीने से जेल में बंद हैं। वकील की दलील थी कि मुख्तार ने सजा से ज्यादा समय का कारावास ट्रायल के दौरान भुगत चुके हैं। इस मामले में कोर्ट ने बांदा जेल अधीक्षक से भी रिपोर्ट मांगी थी। बांदा जेल अधीक्षक की ओर से कोर्ट में रिपोर्ट दाखिल की गई थी। सरकार की ओर से अपर महाधिवक्ता मनीष गोयल ने जमानत अर्जी का विरोध किया, लेकिन कोर्ट ने मुख़्तार की जमानत मंजूर करते हुए जुर्माने पर भी रोक लगा दी। हालांकि सजा पर कोई रोक नहीं लगाई गई है, जिसके कारण मुख्तार अंसारी को जमानत मिलने के बावजूद जेल में ही रहना होगा, क्योंकि कई अन्य मामलों में अभी जमानत नही मिली है। गौरतलब है कि इसी मामले में मुख्तार अंसारी के भाई अफजाल अंसारी को पहले ही जमानत मिल चुकी है।

मोदी सरकार के साढ़े नौ साल के कार्यकाल की प्रेरणा 'अंत्योदय का संकल्प' है

लखनऊ, 25 सितंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती के अवसर लखनऊ चारबाग स्थित उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले साढ़े नौ वर्ष के दौरान जो भी कार्य हुए हैं, इसकी प्रेरणा पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी का 'अंत्योदय का संकल्प' है।

स्टेशन पर पिट्ठू बैग लिए घूम रहा था युवक, निकले इतने रुपये कि देखते रह गए पुलिसकर्मी

चंदौली, 25 सितंबर (एजेंसियां)। राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) ने रविवार को पंडित दीनदयाल उपाध्याय रेलवे स्टेशन पर एक व्यक्ति को साढ़े दस लाख रुपये के साथ पकड़ा। ज्वेलरी का कारीगर बिना आवश्यक कागजात लिए नकदी लेकर जा रहा था। जीआरपी की सूचना पर पहुंची आयकर विभाग की टीम नकदी और आरोपी को अपने साथ वाराणसी ले गई। जीआरपी पीडीडीयू निरीक्षक सुरेश कुमार सिंह ने बताया कि रविवार की सुबह रेलवे स्टेशन पर संदिग्धों की तलाश कर रही थी। प्लेटफार्म संख्या एक और दो के फुटओवर ब्रिज की सीढ़ी के पास एक संदिग्ध व्यक्ति दिखा। तलाशी लेने पर उसके पिट्ठू बैग से 10.50 लाख रुपये बरामद किए गए। उसने अपना नाम मुशर्रफ बताया। वह पश्चिम बंगाल के हुबली जिले के वाकानगर का रहने वाला है। उसने बताया कि वह सोने-चांदी के ज्वेलरी बनाने का कारीगर है। वाराणसी से गहनों के पैसे लेकर पश्चिम बंगाल अपने घर जा रहा है। वह कोई कागजात नहीं दिखा सका। जीआरपी ने बरामद हुए रुपयों के बारे में आयकर विभाग वाराणसी को सूचित किया। आयकर विभाग की टीम के आने पर रुपये और आरोपी को उनके हवाले कर दिया गया।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH
स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

सुविचार: केवल उन्हीं का जीवन, जीवन है जो दूसरों के लिए जीते हैं। अन्य सब तो जीवित होने से अधिक मृत हैं।

तेलंगाना के विकास को बढ़ावा देगा हैदराबाद का विकास : केटीआर

हैदराबाद, 25 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। नगरपालिका प्रशासन और शहरी विकास मंत्री केटी रामा राव ने कहा कि हैदराबाद के लोग शांतिप्रिय हैं और विकास की सराहना करते हैं। अगर राजधानी विकास के रडार पर है और तेजी से विकास कर रही है, तो पूरे राज्य में भी तेजी से विकास होगा। हैदराबाद राज्य के राजस्व का लगभग 45 प्रतिशत उत्पन्न करता है। यदि शहर में बिजली, पेयजल और कानून-व्यवस्था जैसी बुनियादी सुविधाएं कायम रहतीं तो लोग खुशहाल रहते है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव हैदराबाद को एक वैश्विक शहर और विभिन्न क्षेत्रों में एक आदर्श शहर बनाने का प्रयास कर रहे हैं। पिछले नौ वर्षों में सरकार ने कई परियोजनाएं पूरी कीं। उन्होंने कहा, लोगों को उन नेताओं और सरकार का समर्थन करना चाहिए जो राज्य के कल्याण और विकास के लिए काम कर रहे हैं। मंत्री ने सोमवार

को यहां फतुल्लागुडा में मुसी नदी पर एक पुल की आधारशिला रखी। राज्य सरकार 545 करोड़ रुपये की लागत से शहर के विभिन्न स्थानों पर मुसी नदी पर 14 पुलों का निर्माण कर रही है। इनमें से फतुल्लागुड़ा में बन रहे निर्माण पर 52 करोड़ रुपये की लागत आने का अनुमान है। इस अवसर पर बोलते हुए, मंत्री ने कहा कि पिछली सरकारों ने मुसी नदी की उपेक्षा की थी और परिणामस्वरूप, यह अस्वच्छ स्थिति में थी।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार मंचिरेवुला से घटकेसर तक मुसी नदी के किनारे सौंदर्यीकरण और विकास कार्य कर रही है। अक्टूबर के अंत तक, 2,000 एमएलडी क्षमता वाले 31 सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट चालू हो जाएंगे और केवल उपचारित पानी ही मुसी नदी में छोड़ा जाएगा। उन्होंने कहा, दुर्गम चेरुवु में पहले से ही 700 एमएलडी संयंत्र स्थापित किया गया था। इसके अलावा, 10,000 करोड़ रुपये की लागत से मंचिरेवुला से दक्षिण की ओर घटकेसर तक एक सड़क-सह-पुल की भी योजना बनाई जा रही थी। इससे यातायात प्रवाह को आसान बनाने में मदद मिलेगी और नागोल और पड़ोसी क्षेत्रों के लोगों को बाहरी रिंग रोड और हवाई अड्डे की ओर जाने के लिए लंबा चक्कर नहीं लगाना पड़ेगा।

उन्होंने कहा, एक बार एक्सप्रेसवे बन जाने के बाद ओआरआर तक पहुंचने के लिए शॉर्ट कट की सुविधा मिल जाएगी। राज्य सरकार मुसी नदी पर नवीनतम तकनीक और सुंदर डिजाइन के साथ पुलों का निर्माण कर रही है।

काम शुरू करने से पहले, वरिष्ठ अधिकारियों की एक टीम को अतीत में बनाए गए पुलों के बारे में अध्ययन करने और सुंदर डिजाइन और स्थायी संरचनाओं के साथ आने के लिए फ्रांस और ग्रीस भेजा गया था।

उन्होंने कहा कि अधिकारियों को विशेष निर्देश जारी किए गए हैं कि वे पुलों का निर्माण नियमित परियोजनाओं के रूप में न करें बल्कि प्रभावशाली संरचनाएं बनाएं। प्रत्येक पुल अपने आप में अद्वितीय होगा और शहर के स्थानीय क्षेत्र में सौंदर्य मूल्य जोड़ देगा। दुर्गम चेरुवु में केबल ब्रिज के उद्घाटन के बाद, यह फिल्म शूटिंग के लिए काफी लोकप्रिय गंतव्य बन गया।

खैरताबाद गणेश के दर्शन के लिए उमड़े श्रद्धालु

हैदराबाद, 25 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार को सप्ताहांत होने के कारण लोग भगवान गणेश के दर्शन के लिए शहर के खैरताबाद में उमड़ पड़े। रविवार सुबह से ही खैरताबाद की सड़कों पर श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा है। खैरताबाद परिसर 'गणपति महाराज की जय' के जयघोष से गूंज उठा। खैरताबाद महागणपति आयोजन समिति का अनुमान है कि रविवार दोपहर तक डेढ़ लाख श्रद्धालुओं ने दर्शन किये। शहर में गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन 28 सितंबर को होगा। श्रद्धालु करीब तीन किलोमीटर तक खड़े नजर आए। इसे देखते हुए आयोजन समिति ने वीआईपी दर्शन बंद कर आम श्रद्धालुओं को दर्शन की अनुमति दी। साथ ही खैरताबाद की ओर जाने वाली आरटीसी बसें भी।

मेट्रो स्टेशनों पर भी उन लोगों की भीड़ थी, जो खैरताबाद गणेश के दर्शन करना चाहते थे। दूसरी ओर शहर में प्रतिमाओं का विसर्जन शांतिपूर्वक चल रहा है। पहले से ही सैकड़ों की संख्या में मूर्तियां टैंकबंड की ओर पहुंच रही हैं। खैरताबाद, सोमाजीगुडा, नेकलेस रोड और टैंक बंड के आसपास के इलाके अत्यधिक भीड़भाड़ से भरे हुए हैं। अधिकारियों ने यह सुनिश्चित किया है कि इलाके में कोई अप्रिय घटना न हो।

51वां रामायण मेला के संदर्भ में बैठक आज

हैदराबाद, 25 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राजस्थानी प्रगति समाज एवं एक्जिबिशन सोसाईटी मेला समिति द्वारा नुमाईश मैदान में भव्य रामायण मेला का आयोजन किया जाता है। इस संदर्भ में समाज के अध्यक्ष कमलनारायण अग्रवाल एवं मानद मंत्री व मेला के प्रधान संयोजक गोविंद नारायण राठी के प्रेस विज्ञप्ति द्वारा मंगलवार 26 सितंबर को गोविन्द राठी के निवास स्थान हशमतगंज में सायं 4 बजे बैठक का आयोजन किया गया है। बैठक में अलग-अलग समितियों का गठन किया जाएगा बैठक में सभी युवा एवं सभी उत्साही कार्यकर्ताओं को आमंत्रित किया गया है। सबी धर्मप्रेमी कार्यकर्ताओं को बैठक में सम्मालित होने का आग्रह किया गया।

अग्रवाल समाज तेलंगाना के एबिड्स स्थित कार्यालय में भगवान गणेशजी की पूजा करते हुए समाज के अध्यक्ष मनीष अग्रवाल, उपाध्यक्ष पुरुषोत्तम अग्रवाल, मानद मंत्री कपूर चंद गुप्ता, कोषाध्यक्ष नवीन कुमार अग्रवाल, केंद्रीय समिति सदस्य अजय कुमार अग्रवाल, आशीष दोचानिया, नितिन अग्रवाल, संजय गुप्ता, कमल अग्रवाल, अंकित अग्रवाल, बिकी सराफ, पवन डोकानिया, रोहित अग्रवाल आदि उपस्थित थे।

लक्सर अपारमेंट कोंडापुर में गणेश विसर्जन में भाग लेते हुए सोसायटी के अध्यक्ष डी. बसंत, साई, दीपक सिंह, पी. सुधाकर, संतोष, भागीरथ व अन्य।

उत्तम कुमार ने महिला कोटा विधेयक को तत्काल लागू करने की मांग की

हैदराबाद, 25 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। नलगोंडा के सांसद और टीपीसीसी के पूर्व अध्यक्ष एन उत्तम कुमार रेड्डी ने सोमवार को मांग की कि संसद द्वारा पारित महिला आरक्षण विधेयक को बिना किसी देरी के तुरंत लागू किया जाए। उत्तम कुमार रेड्डी ने पूर्व विधायक एन पद्मावती के साथ कोडाड निर्वाचन क्षेत्र में कांग्रेस छह गारंटी अभियान शुरू किया। इस अवसर पर बोलते हुए, उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश और कर्नाटक जैसे अन्य राज्यों की तरह, कांग्रेस तेलंगाना में सरकार बनाएगी और कांग्रेस नेताओं सोनिया गांधी और राहुल गांधी द्वारा घोषित छह गारंटियों को लागू करेगी। उन्होंने महिला आरक्षण विधेयक का स्वागत किया, लेकिन मोदी सरकार के प्रस्तावित विलंबित कार्यान्वयन की आलोचना की। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार इस विधेयक को अगली जनगणना और निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन से जोड़कर इसके कार्यान्वयन में कम से कम 10 साल की देरी करना चाहती है।

राहुल गांधी को ओवैसी की चुनौती हास्यास्पद : समीर

हैदराबाद, 25 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस पार्टी ने अगले लोकसभा चुनाव में हैदराबाद से चुनाव लड़ने के लिए कांग्रेस नेता राहुल गांधी को एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी की चुनौती को "हास्यास्पद" बताते हुए खारिज कर दिया है। "हैदराबाद के पुराने शहर में कांग्रेस पार्टी द्वारा शुरू किए गए अभियान ने एमआईएम नेताओं को सदमे में डालना शुरू कर दिया है और आगामी चुनाव में संभावित प्रतिक्रिया का डर असदुद्दीन ओवैसी के भाषण में काफी हद तक दिखाई दे रहा था। जब कांग्रेस ने लोगों से अपील करना शुरू किया हैदराबाद डीसीसी के अध्यक्ष समीर वलीउल्लाह ने सोमवार को एक मीडिया बयान में कहा, "एमआईएम नेताओं से उनके प्रदर्शन पर सवाल पूछने से ओवैसी घबरा गए और अब

धार्मिक आधार पर लोगों को भड़काने की पुरानी रणनीति का इस्तेमाल कर रहे हैं।" समीर वलीउल्लाह ने कहा कि ओवैसी ने 1992 में बाबरी मस्जिद के विध्वंस के लिए कांग्रेस पार्टी को दोषी ठहराने की कोशिश की है। "हर कोई जानता है कि मस्जिद को किसने ध्वस्त किया और एमआईएम कैसे देश भर में समान सांप्रदायिक तत्वों को मजबूत कर रहा है। असदुद्दीन ओवैसी इस बारे में क्यों भूल गए" 2004 के चुनावों के बाद जब वह कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूपीए में शामिल हुए तो बाबरी मस्जिद? जब 2014 तक कांग्रेस पार्टी सत्ता में थी तो वह हमेशा राहुल गांधी के साथ तस्वीरें लेने के लिए संघर्ष क्यों करते थे? हर कोई जानता है कि विकास पर सवालों से बचने के लिए ओवैसी सांप्रदायिक भावनाओं को कैसे भड़काते हैं, " उन्होंने सचिवालय मस्जिदों के विध्वंस के लिए कांग्रेस पार्टी को दोषी ठहराने के लिए भी ओवैसी की आलोचना की। "एमआईएम प्रमुख वह निराधार आरोप लगा रहे हैं। सचिवालय में दो मस्जिदों को जुलाई 2020 में बीआरएस सरकार द्वारा ध्वस्त कर दिया गया था। जबकि कांग्रेस नेताओं ने एफआईआर दर्ज करने की कोशिश की और अदालत का दरवाजा भी खटखटाया, यह असदुद्दीन ओवैसी थे जिन्होंने बचाव किया था।

भोनगिरी स्थित नगर पधारने पर पूर्व मुख्यसचिव एवं मुख्यमंत्री सलाहकार राजस्थान सरकार निरंजन आर्य, जिला अध्यक्ष किसान कांग्रेस पाली राजेन्द्र लहर के स्वागत कार्यक्रम में उपस्थित ओमप्रकाश थारोल, गोविन्द कागट, चेतन बिजवान, भुण्डाराम थारोल, रामनिवास पिचकीया, रवी खोजा, सुभाष सोलंकी, लीलाराम देवासी व अन्य।

सोमवार को केबीआर पार्क में इच्छापूर्ति गणेशजी की पूजा-अर्चना करते हुए राजेंद्र कुमार अग्रवाल, मायाबाई, एमएस रेड्डी, सुदर्शन रेड्डी, सुदर्शन दारुका, राजू, अनिता चोपड़ा, विट्ठलदास अग्रवाल, किशोर अग्रवाल, गोपाल बल्देवा, सुरेंद्र अग्रवाल, सुरेश कोठारी व अन्य।

बेगमपेट मख्ता स्थित प्राचीन राम मंदिर के जीर्णोद्धार का कार्य प्रारंभ करने पर सहयोगी अरुण डाकोतिया का सम्मान करते हुए मंदिर के प्रभाकर व जीतु तिवारी। साथ में हैं प्रदीप तुलस्यान व दिनेश पंसारी।

एक शाम वीर तेजाजी महाराज के नाम जागरण सम्पन्न

हैदराबाद, 25 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भोनगिरी वीर तेजाजी महाराज के मंदिर प्रांगण में भादव मास के पावन अवसर पर वीर तेजाजी महाराज का भव्य जागरण जाट समाज वीर तेजाजी नवयुवक मंडल समाज बन्धुओं व भक्तों के सानिध्य में आयोजित किया गया। नवयुवक मंडल के कोषाध्यक्ष धर्माराम कड़वा व सहकोषाध्यक्ष रामनिवास पिचकिया ने बताया कि मंदिर को विशेष फूलों व लाइटिंग से सजाकर वीर तेजाजी महाराज का विशेष श्रृंगारकर, पूजा-अर्चना व आरती के पश्चात् पधारे भक्तों एवं समाज बन्धुओं के लिए सायं 7 बजे से भोजन प्रसादी, रात्रि 9.15 बजे से जागरण का आयोजन किया गया। जिसमें मरुधर से पधारे भजन सम्राट शंकर टॉक ने भजनों के पुष्प अर्पित किये गये। तेजाजी महाराज की महानता और उनके द्वारा वचनों का सम्मान करने के लिए दिये गये बलिदान की याद मे तेजा दशमी के पावन अवसर पर भजन गायकार शंकर टॉक ने तेजाजी महाराज का प्रसिद्ध भजन पर समाज बन्धुओं ने वीर तेजाजी महाराज अमर रहे के नारे लगाकर नाचते-गाते हुए मंदिर प्रांगण को भक्तिमय बना दिया। कार्यक्रम में बत्तौर मुख्यअतिथि पूर्व मुख्य सचिव एवं मुख्यमंत्री सलाहकार राजस्थान सरकार निरंजन आर्य, जिला अध्यक्ष किसान कांग्रेस पाली राजेन्द्र लहर, भाजपा नेता सोहनसिंह राजपुरोहित, पत्रकार परबत सोलंकी, विभिन्न संस्थाओं के अध्यक्ष व पदाधिकारी उपस्थित रहे, जिनका पुष्प-माला, साफा व शॉल से विशेष सम्मान किया गया। अवसर पर बत्तौर मुख्यअतिथि निरंजन आर्य ने वीर तेजा दशमी की समाज बन्धुओं को शुभकामनाएँ देते हुए बताया कि 'जहां जाट है, वहां ठाट' है। इशारों ही इशारों में आगामी चुनाव के लिए समर्थन की भी मांग की। राजेन्द्र लहर ने भी किये गये सम्मान के लिए समाज बन्धुओं का आभार प्रकट किया। महाआरती के पश्चात् जागरण का समापन्न हुआ। समाज बन्धुओं ने सोमवार 25 सितम्बर प्रात: वेला में पूजा-अर्चनाकर दर्शन-वंदन, श्री तेजाजी महाराज के चरणों में श्रीफल व श्रद्धा के पुष्प अर्पितकर परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की।

गौ भक्त बलिदान दिवस में भाग लेने की अपील की गई

हैदराबाद, 25 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। गौ माता को राष्ट्र माता (राष्ट्रीय प्राणी) घोषित करने के संकल्प के साथ 7 नवम्बर 2023 को नईदिल्ली स्थित जंतर मंतर मे गौ भक्त संत बलिदान दिवस कार्यक्रम में भाग लेने विभिन्न धर्मगुरूओ एवं सनातन धर्मप्रेमियों से निवेदन किया गया।

सर्वदलीय गौरक्षा मंच द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि लकडी का पुल स्थित रविन्द्र भारती मे आयोजित कार्यक्रम में सर्वदलीय गौरक्षा मंच ठाकुर जयपाल सिंह नयाल व लव फॉर काऊ फाउंडेशन के ट्रस्टी रिद्धीश जागीरदार व आर.के. जैन ने श्रीश्रीश्री त्रिदंडी देवनाध जीयर स्वामी, तिरुमला तिरुपति देवस्थानम धर्म प्रचार समिति बोर्ड के सदस्य स्वामी कमलेश महाराज तथा कुक्कटपल्ली इस्कान मंदिर के संस्थापक महाश्रृंगदास प्रभु आदि धर्मगुरू से भेंट कर गौ माता को राष्ट्र माता (राष्ट्रीय प्राणी) घोषित करने में समर्थन देने की अपील की गई। इस संकल्प के साथ 7 नवम्बर 2023 को नईदिल्ली स्थित जंतर मंतर मे गौ भक्त संत बलिदान दिवस पर संसद के गेट 2 पर श्रद्धांजलि अर्पित करने, गौ काव्य पाठ, गौ संकीर्तन यात्रा और गाय पर चर्चा आदि का आयोजन कार्यक्रम मे पावन सानिध्य प्रदान करने का निवेदन किया गया।

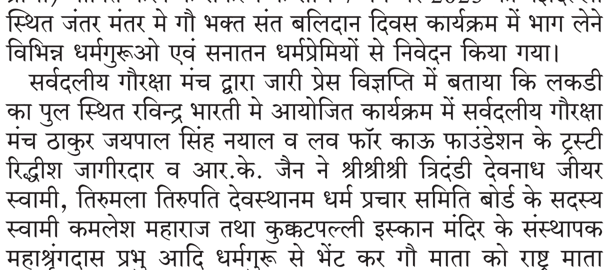

बाल युवा गणेश मंडल, गोशामहल के गणेश पंडाल में माथुर वैश्य इन्टरनेशनल हैदराबाद ग्रेटर क्लब के सभी सदस्यों द्वारा सुन्दरकाण्ड का पाठ किया गया। उपस्थित हैं सचिव नीलम विशाल गुप्ता, माथुर वैश्य इन्टरनेशनल हैदराबाद ग्रेटर की चेयरपर्सन डॉ.मालती, अध्यक्षा अरुणा गुप्ता, कार्यकारिणी सदस्य मीनू, श्वेता, सुनीता व अन्य।

बाबा गंगाराम भजन संध्या आयोजित

हैदराबाद, 25 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। विष्णु अवतारी श्री बाबा गंगाराम जी की भजन संध्या का आयोजन गच्चीबावली स्थित श्री संतोष टांटिया के निवास स्थान पर किया गया। इस अवसर पर बाबा गंगाराम का पंचदेव दरबार सजाया गया जिस में बाबा गंगाराम सहित भक्त शिरोमणि देवकीनन्दन, शक्ति स्वरुपा देवी गायत्री, माता लक्ष्मी, शिव परिवार, श्री हनुमान, यथा माता दुर्गा का अलौकिक शृंगार किया गया। हैदराबाद के प्रसिद्ध भजन गायक विक्रम चंदन तथा विष्णु दाहिमा ने इस अवसर पर अपनी मधुर वाणी में भजनों की अमृत वर्षा की।

भजन संध्या में बड़ी संख्या में परिवारिक सदस्यों तथा मित्रों के साथ बाबा गंगाराम सेवा समिति हैदराबाद के सभी सदस्य सपरिवार उपस्थित रहे और भजनों का आनंद लिया।

साउथ सेन्ट्रल रेलवे मजदूर यूनियन एससीआरएमयूकी 53 वीं वार्षिक सामान्य बैठक में रेल कलारंग सिकंदराबाद में एससीआरएमयू के मंडल सचिव (गुंतकल) विजय कुमार के नेतृत्व में एएलपी सत्यम यादव, डी. नरेश, ए. के. प्रभात, एन. के. दिवाकर, भूपेन्द्र कुमार आदि पहुंचे। इस दौरान के साथ सभी ने एससीआरएमयू के महासचिव और एआईआरएफ कोषाध्यक्ष शंकर राव ने मुलाकात कर रेलकर्मियों से जुड़े विभिन्न मामलों पर चर्चा की।

स्वतंत्र वार्ता

मंगलवार, 26 सितंबर- 2023

ये कैसी संसदीय भाषा

आजकल मंचों से दिए जा रहे नफरती बयानों व भाषणों पर सुप्रीम कोर्ट तक ने सख्त रुख अपनाते हुए इसे रोकने के निर्देश दे चुका है इसके बाद भी नेताओं ने शायद इसे कभी गंभीरता से नहीं लिया। इसी का नतीजा है कि सड़क की भाषा अब सीधे संसद तक पहुंच गई है। राजधानी दिल्ली के सबसे समृद्ध और पढ़े-लिखे दक्षिणी दिल्ली से चुने गे भाजपा के सांसद रमेश बिधूड़ी ने संसद में बसपा सांसद के बारे में जैसे अपमानजनक और अशोभनीय शब्दों का इस्तेमाल किया, वैसा अब तक न कभी देखा गया और न ही सुना गया। उनके भाषण से आहत विपक्षी दल सरकार को कटघरे में घडा कर रही है। वकालत कर चुके सांसद बिधूड़ी के भाषण का वह अंश चौतरफा प्रसारित है और उसे देख-सुन कर साफ लगता है कि उन्हें संसद के पटल और मुहल्ले के नुक्कड़ पर चल रही बहस में कोई अंतर महसूस नहीं होता। सब जानते हैं संसद की अपनी मर्यादा है और कुछ परंपराएं हैं। यहां तक कि संसद की भाषा तय है। वहां बहुत सारे शब्दों का इस्तेमाल तक वर्जित है। ऐसे शब्दों पर तो बिल्कुल पाबंदी है, जिसे असंसदीय कहा जाता है। इसलिए वहां बोलने के लिए सांसद पहले से ही तैयारी करके आते हैं। जाहिर है सांसद बिधूड़ी भी इन परंपराओं और भाषा से अनजान नहीं रहे होंगे। सरकार ने संसद का विशेष सत्र बुलाकर इस संकल्प के साथ नए संसद भवन में प्रवेश किया कि उसमें लोकतंत्र की मर्यादाएं और प्रबल होंगी, लेकिन आश्चर्यजनक रूप से उसी सत्र में बिधूड़ी का ऐसा आपत्तिजनक आचरण सामने आ गया, जो निंदनीय है। जानकारी सामने आते ही लोकसभा अध्यक्ष ने उन्हें चेतावनी देते हुए कहा कि अगर अगली बार से ऐसा आचरण सामने आया, तो कड़ी कार्रवाई की जाएगी। विपक्षी दलों ने हंगामा किया तो पार्टी अध्यक्ष ने उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी करके पंद्रह दिन के भीतर जवाब मांगा है। दूसरी ओर विपक्षी दलों का आरोप है कि जब दूसरे दलों के नेताओं से सदन में मामूली चूक होती है तो भी उन्हें निलंबित कर दिया जाता है और बिधूड़ी ने एक साथी सांसद को सदन के पटल पर ही इतनी भद्दी गाली दी, फिर भी उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जा रही। उन्हें चेतावनी देकर छोड़ दिया गया? विपक्ष उनकी सदस्यता समाप्त करने की मांग करते लोकसभा अध्यक्ष की भूमिका भी प्रश्नांकित की है। इस मामले में सबसे अधिक किरकिरी भाजपा को झेलनी पड़ रही है। यह पहला मौका नहीं है जब भाजपा के किसी नेता ने इस तरह किसी विशेष समुदाय के लोगों के लिए ऐसे आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल किया। भरी सभाओं के मंचों से कुछ सांसद और कई नेता ऐसे नफरती भाषण देते देखे जा चुके हैं। सरेआम समुदाय विशेष के प्रति लोगों को हिंसक व्यवहार करने, उनके कारोबार-व्यापार को बंद कराने को उकसाते देखे गए हैं। उन्हें लेकर सुप्रीम कोर्ट पार्टी और सरकार को सख्त निर्देश दे चुका है। इसके बावजूद नफरती बोल थमने का नाम ही नहीं ले रह है। इसलिए विपक्ष यह आरोप दोहराने से नहीं चूक रहा है कि भाजपा समुदाय विशेष के प्रति नफरत का वातावरण बना कर राजनीतिक लाभ लेने का प्रयास करती है। अब जब नफरती भाषा की आमद संसद तक पहुंच ही गई है, तो स्वाभाविक ही पार्टी से ऐसे प्रतिनिधियों, नेताओं के प्रति सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की अपेक्षा की जाती है। जब राजनेता खुद अपनी भाषा में संयम नहीं रख पा रहे, तो उन्हें यह सलीका आखिर कौन सिखाएगा?

नारी शक्ति को वंदन

डॉ. नीरज भारद्वाज

हमारे शास्त्रों में लिखा है, आकीट ब्रह्मांड जननी अर्थात इस ब्रह्मांड में जो भी है, कीट से लेकर ब्रह्मा तक, उसकी कोई न कोई जननी जरूर है। जननी ही नहीं होती तो हमारा जन्म कैसे होता। एक बात तो यहाँ से स्पष्ट हो ही जाती है की इस सृष्टि को चलाने में जितने भी जीव हैं उनमें नर-नारी या नर-मादा का योग आवश्यक है। यदि इनमें से कोई भी एक ही होता तो यह सृष्टि आगे नहीं बढ़ पाती। सृष्टि की सुंदरता इनके योग से है। नर-नारी के योग से बनी, इस सुंदर सृष्टि में सामाजिक दृष्टि से फिर एक को अधिकार ज्यादा और दूसरे को कम अधिकार देने का क्या मतलब। वास्तव में कम-ज्यादा के इस खेल को हम सभी ने पैदा किया है। नारी घर की चारदीवारी तक सीमित और नर कहीं भी घूमने फिरने के लिए स्वतंत्र। यह सभी कुछ इस समाज की देन है। वैदिक संस्कृति हो तथा हमारे धर्म ग्रंथ हो, उनमें तो नारी को पढ़ा-लिखा और स्वतंत्र सोच का दिखाया गया है। इसके कितने ही उदाहरण हमें मिल जाते हैं, श्रीमद्भागवत के दशम स्कंध, के उत्तरार्ध के त्रेपनवे अध्याय में रुक्मिणी-हरण कथा है, रुक्मिणी ने एक पत्र लिखकर भगवान श्रीकृष्ण तक भिजवाया। इस बात से स्पष्ट है कि रुक्मिणी पढ़ी-लिखी थी। इतना ही नहीं हमारे शास्त्रों में कहा गया है कि, यत्र नार्यस्तु पूज्यंते रमंते तत्र देवता अर्थात जहाँ नारी की पूजा है, वहाँ देवताओं का वास होता है। भारतीय सनातन संस्कृति में तो पहले नारी, फिर नर आता है। देवताओं की बात करें तो वहाँ भी यही बात लागू होती है- लक्ष्मी-नारायण, सीता-राम, उमा-शंकर, नीरजा-नीरज आदि इसके उदाहरण कहे जा सकते हैं। शिक्षा, साहित्य, कला, विज्ञान आदि हर क्षेत्र में नारी ने अपना लोहा मनवाया है और नारी नर के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चली आ रही है। भारतीय स्वतंत्रता संग्राम हो या अंतरिक्ष यात्रा हर जगह नारी ने अपना योगदान बराबर दिया है। वर्तमान में भारत के चंद्रयान-3 के सफल मिशन में भी महिलाओं का महत्त्वपूर्ण योगदान रहा। वैदिक युग हो या आधुनिक युग हर जगह नारी ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है, उसना योगदान अतुलनीय है। हमें नारी का सम्मान करना चाहिए। विचार करें तो इतना कुछ जानने और समझने के बाद भी हमारे समाज को नारी शिक्षा, सती प्रथा, दहेज प्रथा, भ्रूण हत्या, पर्दा प्रथा, नारी सुरक्षा, विधवा विवाह, बाल विवाह आदि कितनी ही इन कुप्रथाओं को देखना-भोगना पड़ा है। कुछ कुप्रथाओं के विरुद्ध समाज से लड़ना पड़ रहा है। कोई समाज सुधारक अपनी दिव्य वाणी और सोच लेकर आता है तथा समाज में नारी के प्रति फैली इन कुप्रथाओं को बंद कराने के प्रति आवाज उठाता है। बदलता समाज, बदलती व्यवस्था और कानून के भय के चलते कितनी ही कुप्रथाएँ बंद तो हुई हैं, कुछ किसी हद तक रुक गई हैं। लेकिन कुछ रूढीवादी सोच अभी भी जिंदा है, जो इन्हें बंद नहीं होने देना चाहती हैं।वर्तमान भारतवर्ष की बात करें तो यह आज विश्व की महाशक्ति के रूप में खड़ा है। यहाँ कितने ही धर्म, संप्रदाय, जाति आदि के लोग रह रहे हैं। इसमें नर-नारी दोनों ही हैं। लेकिन धर्म के नाम पर, व्यवस्था और परंपराओं के नाम पर नारी के प्रति असमानता का भाव दिखाई देता है। विचार करें तो भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने नारी के सम्मान को आगे बढ़ाया है। संसद के नए भवन में 18 से 22 सितंबर, 2023 तक संसद का विशेष सत्र बुलाया गया, इसमें 19 सितंबर से कार्यवाही शुरू हुई। इसमें पहले ही दिन कानून मंत्री अर्जुनराम मेघवाल जी ने महिला आरक्षण से जुड़ा विधेयक पेश किया। 20 सितंबर को लोकसभा में लंबी चर्चा के बाद यह बिल पास किया गया। इस बिल के पक्ष में 454 मत पड़े, जबकि दो सांसदों ने इसके विरोध में वोट किया।

बेखौफ बर्बरता : हवा हो रहे महिला सुरक्षा के दावे !

मनोज कुमार अग्रवाल

कानून व्यवस्था को लेकर जीरो टालरेंस के लिए चर्चित संन्यासी मुख्यमंत्री आदित्यनाथ योगी के उत्तर प्रदेश में हाल ही में लड़कियों महिलाओं के साथ घटित दो वारदातों ने देश भर का ध्यान खींचा है इन में पवित्र धर्मनगरी अयोध्या में झूला मेले में ड्यूटी देने जा रही महिला कांस्टेबल के साथ तीन बदमाशों द्वारा चलती ट्रेन में कई गयी बर्बरता और अंबेडकर नगर में एक राहगुजरती छात्रा के साथ मनचलों की दुपट्टा खींचने की वारदात के दौरान एक बाइक से टकरा कर नाबालिक छात्रा की मौत की दिल दहला देने वाली वारदातें शामिल हैं। यहां गौर तलब है कि 2017 से अप्रैल 2023 तक यूपी पुलिस दस हजार एनकाउंटर कर चुकी है जिनमें 183 अपराधी मारे जा चुके हैं इस सबके बावजूद भी अपराधियों में पुलिस का खौफ कायम नहीं हो पाना पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवालिया निशान लगाता है। आपको बता दें कि अंबेडकर नगर जिले के हसवर क्षेत्र में दो बदमाशों के दुपट्टा खींचने के कारण साइकिल से सड़क पर गिरी एक छात्रा की बगल से गुजर रही एक मोटरसाइकिल की चपेट में आने से मौत हो गयी थी। इस घटना के बाद मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने कहा कि कानून सुरक्षा के लिए है और अगर किसी ने महिलाओं को परेशान करने जैसा अपराध किया है, तो 'यमराज' अगले चौराहे पर उसका इंतजार कर रहे होंगे। लेकिन बाबा के उत्तर प्रदेश पुलिस विभाग की एक महिला पुलिसकर्मी रेल के खाली डिब्बे में आधी रात बदमाशों की बर्बरता की शिकार बन गयी और पुलिस कई दिन तक हाथ पर हाथ धरे रही भला हो प्रयागराज हाइकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश का जिन्होंने मामले का स्वतः संज्ञान लेकर सरकार और पुलिस को लताड़ा। और फिर पुलिस ने एक अपराधी को एनकाउंटर में ढेर कर दिया।

बाबा के कड़े बयान के बाद यूपी पुलिस ने अंबेडकर नगर के छेड़छाड़ करने वाले गुंडों को मुठभेड़ में लंगड़ा कर गिरफ्तार कर लिया वहीं हाइकोर्ट के दखल के बाद सरयू एक्सप्रेस में महिला कांस्टेबल पर जानलेवा हमले में शामिल मुख्य आरोपी को पुलिस और एसटीएफ ने मुठभेड़ में मार गिराया है। अयोध्या के पुरा कलंदर में मुख्य आरोपी अनीस को एक एनकाउंटर में ढेर कर दिया गया। अनीस के दो अन्य साथी अयोध्या के इनायत नगर में मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किए गए हैं। मारे गिराए गए बदमाश अनीस के दो अन्य साथी आजाद और विशंभर दयाल उर्फ लल्लू घायल हैं।यह दोनों घटनाएं जहाँ एक ओर यह बताती है कि योगी सरकार लाख दावा करें लेकिन अभी प्रदेश में बदमाशों के हौसले पस्त नही हुए है और वह पुलिस वर्दी धारी महिला कांस्टेबल के साथ भी बर्बरता भरा हमला और ईजजत लूटने की नाकाम कोशिश करते हैं वहीं सरेआम सड़क पर दिनदहाड़े छात्राओं के दुपट्टे खींच कर बदसलूकी की जाती है। हालांकि इन दोनों मामलों में पुलिस ने बड़ी सटीक कारवाई कर यह बता दिया है कि पुलिस बदमाशों को उनके अंजाम तक पहुंचाने का काम कर रही है। एनकाउंटर में ढेर मुख्य आरोपी अनीस महिला कांस्टेबल से ट्रेन में छेड़खानी कर रहा था। महिला सिपाही ने जब बदमाश को पटक दिया तो तीनों बदमाशों ने महिला पर जानलेवा हमला कर दिया था और उसके चेहरे को लहूलुहान कर दिया था. बदमाशों ने ट्रेन की खिड़की पर महिला का सिर पटक दिया था जिससे वो बुरी तरह जख्मी हो गई थी. अयोध्या स्टेशन आने से पहले ट्रेन धीमी हुई तो तीनों बदमाश फरार हो गए थे। इस एनकाउंटर को लेकर एसएसपी ने बताया कि पीड़ित महिला को तस्वीर दिखाकर आरोपी की पहचान कराई गई थी, इसके बाद पुलिस और एसटीएफ की टीम इस पर काम कर रही थी।आरोपियों की सूचना मिलने के बाद जब इनायत नगर थाना क्षेत्र में पुलिस ने छापा मारकर उन्हें पकड़ने की कोशिश की तो आरोपियों ने फायरिंग शुरू कर दी. मुठभेड़ में दो आरोपी घायल होने के बाद पकड़े गए लेकिन एक आरोपी फरार हो गया, उसके लिए पूरे इलाके की घेराबंदी कर सर्च ऑपरेशन चलाया गया। अधिकारी ने कहा कि इसी दौरान पूरा कलंदर में अनीस नाम के आरोपी के मौजूद होने की सूचना पर जब पुलिस पहुंची और उसे सरेंडर करने को कहा तो उसने गोली चला दी, पुलिस टीम ने आत्मरक्षा में गोली चलाई जो अनीस को लगी, इसके बाद उसे जिला अस्पताल ले जाया गया जहां उसकी मौत हो गई। सिपाही के साथ यह घटना बीते 30 अगस्त को मनकापुर से अयोध्या आ रही सरयू एक्सप्रेस में महिला कांस्टेबल के साथ हुई थी। रिपोर्ट के मुताबिक सरयू एक्सप्रेस में महिला कांस्टेबल ऊपर वाले बर्थ पर लेटी हुई थी जिसको लेकर दोनों हमलावरों से उसका मनकापुर में ही झगड़ा हुआ था। ट्रेन जब मनकापुर से अयोध्या के लिए निकली, 10 मिनट के बाद ट्रेन ने स्पीड पकड़ी तभी दोनों हमलावरों ने महिला कांस्टेबल पर हमला कर दिया। पुलिस इस मामले में करीब पौने दो सौ संदिग्धों से पूछताछ की थी. पुलिस ने सर्विलांस के साथ-साथ मुखबिरों को भी सक्रिय किया था। मनकापुर से अयोध्या के बीच करीब 200 गांवो में पुलिस की टीमें मुखबिरों के जरिए हमलावरों को तलाश रही थी। महिला कांस्टेबल पर हुए इस हमले के पांच घंटे बाद जीआरपी को महिला सिपाही ट्रेन की बोगी में अचेत हालत में सीट के नीचे लहुलुहान मिली तो एक जीआरपी सिपाही ने महिला सिपाही का उस हालत में विडियो बनाया यह विडिओ क्लिप घटना की जांच के लिए व उच्चाधिकारियों के संज्ञान में लाने के लिए बनायी गयी लेकिन यह किसी तरह वायरल होकर प्रयागराज हाइकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश तक पहुंच गई माननीय जज साहब ने महिला सिपाही का विडियो देखा तो भीतर तक हिल गए घटना को कई बीत चुके थे पुलिस अपनी ही महिला सिपाही के हमलावरों को पकड़ने में हाथ पर हाथ धरे थी। न्यायाधीश महोदय को लगा कि कानून आखिर किस लिए है? उन्हें लगा कि विचलित करने वाली विडियो देखने के बाद वह रात को सो भी नहीं पाएंगे उन्होंने तत्काल घर पर ही आधीरात को अदालत की बैंच बैठा दी और सरकार व पुलिस से इस मामले की अब तक की जांच की आख्या मांग कर घटना से सम्बद्ध अपराधियों को खोज कर गिरफ्तार करने का आदेश दिया। हाइकोर्ट के दखल ने पुलिस में चाबी भर दी और अपराधी अंजाम तक पहुंचे।

जरूर इस बात की है कि यूपी की पुलिस कानून व्यवस्था के मामले में और अधिक सजगता से काम ले तथा छेड़छाड़ को रोकने के लिए जो पुलिस टीम बनाई गई हैं वह सिर्फ कागजी खाना पूरी करने के स्थान पर स्कूल कॉलेज के रास्तों पर सख्ती के साथ लड़कियों के साथ होने वाली छेड़छाड़ को रोके। वही चलती ट्रेनों में लूटपाट करने वाले अपराधियों व जहरखुरानी गिरोह को पकड़ने के लिए भी एक बड़ा अभियान चलाया जाए क्योंकि सरयू एक्सप्रेस में महिला कांस्टेबल के साथ वारदात को अंजाम देने वाले तीनों दरिंदे पेशेवर ट्रेन लुटेरे हैं ट्रेन में सामान चोरी करना व यात्रियों को लूटना ही उनका पेशा है और वह पिछले 10 साल से भी अधिक समय से इसी काम को कर रहे थे यदि पुलिस और जीआरपी पहले ही अपराधियों की गतिविधियों पर ध्यान देती तो शायद इन बदमाशों की हिम्मत एक महिला सिपाही पर हमले और उस की इज्जत पर हाथ डालने की नहीं होती। अपराधियों पर नकेल डालने के लिए यूपी पुलिस को अपराधियों की कर्म कुंडली तैयार करनी चाहिए ताकि बेटी बचाओ बेटी पढाओ का नारा साकार हो सके।

पर्यावरण के स्वास्थ्य की सुरक्षा करना सबकी जिम्मेदारी

योगेश कुमार गोयल

पर्यावरणीय स्वास्थ्य का मानव स्वास्थ्य से गहरा संबंध है। हमारा पर्यावरण जितना स्वस्थ होगा, हमारा स्वास्थ्य भी उतना ही अच्छा होगा। इसका सीधा सा अर्थ है कि हम अपने स्वास्थ्य के लिए काफी हद तक पर्यावरण के प्रति उत्तरदायी हैं और इसलिए पर्यावरणीय स्वास्थ्य की सुरक्षा सुनिश्चित करना हमारी प्रमुख जिम्मेदारी है। उत्तम स्वास्थ्य के साथ प्रकृति और पर्यावरण हमें भोजन, कपड़े इत्यादि जीवित रहने के लिए भी हर चीज प्रदान करते हैं, इसलिए न केवल स्वस्थ रहने के लिए बल्कि धरती पर जीवन का अस्तित्व बचाए रखने के लिए प्रकृति और पर्यावरण का ध्यान रखा जाना बेहद जरूरी है लेकिन गहन चिंता का विषय यही है कि अब प्रकृति के साथ मानव जाति द्वारा किए जा रहे खिलवाड़ के कारण ही वैश्विक पर्यावरण को गंभीर नुकसान हो रहा है, जिसका खामियाजा अब दुनिया के लगभग तमाम देश भुगत भी रहे हैं। विकास के नाम पर प्रकृति के साथ किए जा रहे भयानक खिलवाड़ के ही कारण धरती लगातार गर्म हो रही है। चक्रवाती तूफानों का बढ़ता सिलसिला, बाढ़, सूखा, जंगलों में लगने वाली भीषण आग तथा अन्य प्राकृतिक आपदाओं में तेजी, ये सब पर्यावरण का स्वास्थ्य बिगड़ने के कारण जलवायु में हो रहे बदलावों का ही परिणाम हैं। वैश्विक तापमान में निरंतर हो रही बढ़ोतरी तथा मौसम का बिगड़ता मिजाज समस्त मानव जाति के लिए गंभीर चिंता बनता जा रहा है। भारत के ही संदर्भ में देखें तो अब सर्दियां कम हो रही हैं और गर्म दिन बढ़ रहे हैं, बारिश के मौसम में भी कहीं सूखे जैसी स्थिति बनी रहती है तो कहीं चारों तरफ तबाही ही तबाही नजर आती है। इस वर्ष भी हिमाचल, उत्तराखण्ड, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश से लेकर देश के अनेक हिस्सों में जल तबाही का भयानक नजारा देखा जाता रहा है।

पर्यावरण को हो रहे गंभीर नुकसान की ओर लोगों का ध्यान आकर्षित करने, पर्यावरण की स्थिति के बारे में सार्वजनिक जागरूकता बढ़ाने तथा लोगों को इसे और बदतर होने से रोकने के लिए आवश्यक कदम उठाने के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 26 सितम्बर को एक विशेष थीम के साथ 'विश्व पर्यावरण स्वास्थ्य दिवस' मनाया जाता है। इस वर्ष यह दिवस 'वैश्विक पर्यावरणीय सार्वजनिक स्वास्थ्यः हर दिन हर किसी के स्वास्थ्य की रक्षा के लिए खड़ा होना' थीम के साथ मनाया जा रहा है जबकि 2022 की थीम थी 'सतत विकास लक्ष्यों के कार्यान्वयन के लिए पर्यावरणीय स्वास्थ्य प्रणालियों को मजबूत करना', जिसका अर्थ था पर्यावरणीय स्वास्थ्य तंत्र को इस प्रकार मजबूत बनाया जाए ताकि लंबे समय तक पर्यावरण और मानव की लंबी उम्र तथा अच्छी सेहत के लक्ष्य को पूरा किया जा सके।

इस दिन पर्यावरण के कारण मनुष्यों के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले हानिकारक प्रभावों के बारे में जागरूकता फैलाई जाती है। प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन और ग्लोबल वार्मिंग से उत्पन्न खतरों के बारे में जागरूकता बढ़ाना अब पहले के मुकाबले ज्यादा महत्वपूर्ण हो गया है। दरअसल पर्यावरणीय परिस्थितियों को बिगड़ने से रोकने के लिए कुछ भी नहीं करके हम न केवल पर्यावरण को बल्कि स्वयं को भी खतरे में डाल रहे हैं क्योंकि हमारा स्वास्थ्य हमारे पर्यावरण से जुड़ा है और पर्यावरण को हो रहे निरंतर नुकसान से मानव जीवन को भी नुकसान झेलना पड़ता है।

बढ़ते प्रदूषण और प्रकृति से खिलवाड़ के कारण ग्रीनहाउस प्रभाव, जलवायु परिवर्तन, शहरीकरण इत्यादि के कारण हमारे भोजन, पानी और वायु की गुणवत्ता पर सीधा प्रभाव पड़ता है, जिसके कारण लोगों को सांस लेने में तकलीफ, त्वचा संबंधी रोग सहित कई तरह की गंभीर बीमारियां भी हो रही हैं। पर्यावरण का स्वास्थ्य खराब होने से हमारा स्वास्थ्य भी खराब हो रहा है, जिसका सीधा असर हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता पर पड़ता है। ऐसी ही समस्याओं के मद्देनजर लोगों में पर्यावरणीय स्वास्थ्य को लेकर जागरूकता बढ़ाने के लिए 'इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ एनवायरनमेंटल हैल्थ' (आईएफईएच) द्वारा 26 सितम्बर 2011 को विश्व पर्यावरण स्वास्थ्य दिवस की शुरूआत की गई थी।

इसकी शुरुआत 2011 में डेनपास, बाली (इंडोनेशिया) में हुए पर्यावरण स्वास्थ्य शिखर सम्मलेन और आईएफईएच की बैठक के दौरान हुई थी और इस दिन को दुनियाभर में चिन्हित करने का मुख्य उद्देश्य लोगों की भलाई और स्वास्थ्य की तरफ उनका ध्यान आकर्षित करना था। आईएफईएच वैज्ञानिक और तकनीकी अनुसंधान के आदान-प्रदान पर केन्द्रित है और इसका बड़ा हिस्सा वैज्ञानिक एवं तकनीकी के लिए कार्य करता है। पूर्ण रूप से पर्यावरण और स्वास्थ्य कार्यों को लेकर समर्पित आईएफईएच पर्यावरण स्वास्थ्य विज्ञान और प्रशासन से संबंधित विषयों पर चर्चा करता है और पर्यावरणीय स्वास्थ्य पर सूचना का आदान-प्रदान करता है। पर्यावरण सुरक्षा कार्यबल के समर्थन के साथ आईएफईएच स्वास्थ्य और हरित पुनर्प्राप्ति में सहयोग करता है। यह उन राष्ट्रीय संस्थानों के लिए एक महासंघ है, जो पर्यावरण स्वास्थ्य से संबंधित मुद्दों पर कार्य करते हैं। 2018 में इस फेडरेशन ने 40 देशों को पूर्ण सदस्यों के तौर पर जगह दी थी। आईएफईएच के अध्यक्ष सुजान पैक्सो के अनुसार दुनिया को यह समझने की आवश्यकता है कि पर्यावरण, स्वास्थ्य और अर्थव्यवस्था के बीच एक गहन संबंध है।

बहरहाल, यह समझना बहुत जरूरी है कि आखिर पर्यावरण स्वास्थ्य है क्या? किसी क्षेत्र विशेष के रासायनिक, भौतिक और सांस्कृतिक वातावरण को उसके पर्यावरणीय स्वास्थ्य के रूप में जाना जाता है और किसी क्षेत्र का पर्यावरणीय स्वास्थ्य वहां की वायु की खराब गुणवत्ता, पर्यावरण में विविधता का नुकसान, रासायनिक असमानताएं तथा ऐसे सभी कारक, जो किसी क्षेत्र के पर्यावरणीय स्वास्थ्य को बिगाड़ते हैं, से प्रभावित होता है।

किसी क्षेत्र के पर्यावरणीय स्वास्थ्य को मापने में पर्यावरणीय स्वास्थ्य संकेतक, प्रदूषण का स्तर, पारिस्थितिकी में विविधता, स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता, स्वच्छता की शर्तें, कृषि उत्पादकता इत्यादि प्रमुख भूमिका निभाते हैं। पर्यावरणीय स्वास्थ्य की देखभाल के महत्व को दर्शाता विश्व पर्यावरण स्वास्थ्य दिवस वास्तव में न केवल पारिस्थितिक स्वास्थ्य की सुरक्षा की वकालत करता है बल्कि मानव स्वास्थ्य पर पर्यावरणीय स्वास्थ्य के पड़ने वाले प्रभाव और संबंध को समझने की जरूरत पर भी जोर देता है।

मेढ़कलाल की फुदकियाँ

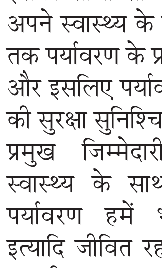

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

पिछले कई वर्षों से पाँच का पहाड़ा पढ़कर पाँच, दस, पंद्रह वर्ष के अंत में हमारे यहाँ दर्शन दे जाते हैं। यह हमारा सौभाग्य है कि आप इकलौते ऐसे मेंढ़क हैं जो बिना नागा गर्मी के मौसम में फुदकने का करतब बड़ी लगन से दिखाते हैं। कुछ दिन पहले जनता का सैलाब देखकर आपका छपछपाना बड़ा मज़ा दे गया। हम आपको पाँच साल तक गरियाते रहे, लेकिन आप थे कि बेशर्मों की तरह बत्तीसी खिखियाते हुए एयर इंडिया के महाराज की तरह सिर झुकाए हमारा आदर कर रहे थे। आपसे जो भी शिकायतें थीं वे सारी की सारी ऐसे फुर्र हुई जैसे देर से आई सजनी का चुम्मा पाकर सजना का गुस्सा। आप जब भी आते हैं कोई न कोई पैकेज का पैकेट ऐसे लुटाते हैं जैसे कुत्तों के बीच बिस्कुट। बस फर्क इतना है कि नकली कुत्तों को असली बिस्कुट मिलते हैं और असली कुत्तों को नकली। असली कुत्तों को नकली बनाने और खुद असली कुत्ते बनने के लिए जनता हमेशा अपने-अपने मेंढ़कलाल ढूँढ़ ही लेती है। पिछले कुछ दिनों से देशभर के मोहल्लों में आपके कानफाड़ू भोंपुओं की कृपा से हमारे कान केवल आपको ही सुन पा रहे है। यही वह समय होता है जब जनता अपना मुँह और मेंढ़कलाल जैसे नेता अपने कान से दिव्यांग हो जाते हैं। यह दिव्यांगपन आगे चलकर हम जैसों पर शासन करने की चमत्कारिक शक्ति प्रदान करता है। आपके चुनावी वादों का कागजी रिम इतना भारी भरकम था जिसके डुबोने से समुद्र का पानी खाली हो जाता है। आपके नाम वाले बटन पर हमारी तर्जनी अंगुली की नीली स्याही उफान मारने में कोई कोताही न बरते इसके लिए हमारे बदन को मधुशाला का समुंदर बना डाला, जिसमें डूब तो सकते हैं, किंतु जी नहीं सकते। हमने देखा कि जिस मेंढ़कलाल के पास खुद की खुजली खुजलाने भर की फर्सत नहीं थी, वे पिछले कई दिनों से हमें नहलाने, पोंछने, खिलाने, पिलाने और यहाँ तक कि हमारे सामने कत्थक करने के लिए भी उतारू हो गए। इतने उतारूपन को देखते हुए एक बार के लिए लगा कि क्यों न हम आपके मुँह पर थूक दें, लेकिन हमें हमारा वोटर धर्म याद आ गया। हम चाहकर भी यह नहीं कर सकते थे। बकरा केवल कसाई बदल सकता है, मौत नहीं। जब हमने आपके मेनिफेस्टो पर नजर डाली तो लगा कि आपने तो पृथ्वी ग्रह पर सारे ग्रह उतार डाले हों। कभी लगा ही नहीं कि आप धरती पर चुनाव लड़ रहे हैं। आप तो सारे ग्रहों को एक साथ जीतने के लिए जेब में सूरज जैसे बड़े-बड़े वायदे रूपी नक्षत्र लिए घूम रहे थे। सबसे पहले आपका वह वादा पढ़ा जिसमें आपने बताया कि पहाड़ी पर समुंदर, नल से पानी के बजाय मधुशालाा बहाने और दिन को रात, रात को दिन करने की आपकी दृढ़ इच्छाशक्ति अवश्य हमें भेड़ बनाकर छोड़ेगा।

गंभीर समस्या बनता जा रहा है अंतरिक्ष कचरा

सुनील कुमार महला

विज्ञान और प्रौद्योगिकी के इस आधुनिक युग में अंतरिक्ष कचरा एक बड़ी समस्या है। विज्ञान और प्रौद्योगिकी के विकास के साथ ही अंतरिक्ष मलबे में लगातार वृद्धि देखी जा रही है क्यों कि अंतरिक्ष उद्योग आज अत्यंत तेजी से बढ़ रहा है। आज विश्व का हरेक देश अंतरिक्ष के बारे में ज्यादा से ज्यादा जानने का इच्छुक है और अंतरिक्ष की इसी होड़ ने अंतरिक्ष कचरे को भी जन्म दिया है। अंतरिक्ष कचरा आज एक बड़ी व गंभीर समस्या इसलिए है क्यों कि तैरता हुआ अंतरिक्ष मलबा परिचालन उपग्रहों हेतु संभावित खतरा है क्योंकि इन मलबों से टकराने से उपग्रह नष्ट हो सकते हैं। कहना ग़लत नहीं होगा कि अंतरिक्ष में एकत्रित हो रहा कचरे का ढेर भविष्य में धरती पर रह रहे लोगों के साथ-साथ यहां सक्रिय तमाम उपग्रहों, अंतरिक्ष यात्रियों और अंतरिक्ष स्टेशन के लिए भी बेहद घातक साबित हो सकता है। इतना ही नहीं, इससे हमारी संचार व्यवस्था के भी प्रभावित होने का खतरा पैदा हो सकता है। अंतरिक्ष में तैरते कचरे से टकराने पर अंतरिक्ष यान और एक्टिव सैटेलाइट्स नष्ट हो सकते हैं। इसके साथ ही, धरती पर इंटरनेट, जीपीएस, टेलीविजन प्रसारण जैसी अनेक आवश्यक सेवाएं भी बाधित हो सकती हैं। वास्तव में, अंतरिक्ष कचरे के बहुत से खतरे हैं और इस पर अंकुश लगाने की पहल की जानी आवश्यक है, क्यों कि धरती के पर्यावरण की भांति ही आज अंतरिक्ष का पर्यावरण भी गड़बड़ाता चला जा रहा है। मतलब यह है कि अंतरिक्ष पर्यावरण पर अंतरिक्ष मलबे का प्रभाव लगातार बढ़ रहा है। जानकारी देना चाहूंगा कि केसलर सिंड्रोम अंतरिक्ष में वस्तुओं और मलबे की अत्यधिक मात्रा को संदर्भित करता है। यहां पाठकों को यह भी जानकारी देना चाहूंगा कि कुछ समय पहले 111 पेलोड और 105 अंतरिक्ष मलबे को पृथ्वी की परिक्रमा करने वाली भारतीय वस्तुओं के रूप में पहचाना गया है। वास्तव में अंतरिक्ष मलबा अंतरिक्ष में ही परिक्रमा करता है और अंतरिक्ष में परिक्रमा कर रहा यह मलबा बाहरी अंतरिक्ष को तो प्रभावित कर ही सकता है, साथ ही साथ इससे भविष्य के अंतरिक्ष मिशनों के प्रभावित होने की संभावनाएं हैं। अब हमें यहां यह समझने की जरूरत है कि आखिर अन्तरिक्ष मलबा है क्या ? तो इस संबंध में जानकारी देना चाहूंगा कि अंतरिक्ष मलबा पृथ्वी की कक्षा में मानव निर्मित या मानव द्वारा बनाई गई विभिन्न वस्तुओं को संदर्भित करता है जो अब किसी उपयोगी उद्देश्य की पूर्ति नहीं करते हैं। अंतरिक्ष मलबे में प्रयोग किये गए रॉकेट, निष्क्रिय उपग्रह, अंतरिक्ष निकायों के टुकड़े और एंटी-सैटेलाइट सिस्टम (ए-सैट) से उत्पन्न मलबा शामिल होता है। एक प्रतिष्ठित हिंदी दैनिक में छपी एक खबर के अनुसार ही अंतरिक्ष में इस समय रूस के 7032, अमेरिका के 5216, चीन के 3854, फ्रांस के 520, जापान के 117 और भारत के 114 सैटेलाइट्स और रॉकेट्स हैं। ये एक से 10 सेमी के बराबर करीब 5 लाख से भी ज्यादा स्पेस जंक हैं। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के अनुसार करीब 8,400 टन कचरा अंतरिक्ष में है, जिसमें अधिकतर 18 हजार से लेकर 28 हजार माइल्स प्रति घंटे की रफ्तार से पृथ्वी की कक्षा में घूम रहे हैं। अगर एक भी ऑब्जेक्ट कहीं गिरा तो वहां भारी तबाही मचा सकता है। नासा के अनुसार अंतरिक्ष में इस समय 20 हजार से भी ज्यादा छोटे-बड़े उपकरण कचरा बन चुके हैं और पृथ्वी की निचली कक्षा में चक्कर लगा रहे हैं। नासा के अनुसार भारत के 206 टुकड़े हैं। इनमें 89 टुकड़े पेलोड और 117 टुकड़े रॉकेट के हैं। जबकि भारत से लगभग 20 गुना ज्यादा मलबा चीन का है, उसके लगभग 3,987 टुकड़े अंतरिक्ष में घूम रहे हैं। ये आब्जेक्ट 0.11 सेमी से कई मीटर तक बड़े हो सकते हैं। यहां पाठकों को यह जानकारी देना चाहूंगा कि जर्मन डेटाबेस कंपनी स्टेटिस्टा ने उन देशों की एक लिस्ट जारी की है, जो अंतरिक्ष में सबसे ज्यादा कचरा पैदा करने के लिए जिम्मेदार हैं।इस लिस्ट के अनुसार अंतरिक्ष में सबसे ज्यादा कचरा फ़ैलाने में रूस नंबर वन पर है। रूस की 7 हजार से अधिक रॉकेट बॉडी कचरे के तौर पर स्पेस में घूम रही हैं। लिस्ट में दूसरे नंबर पर अमेरिका है। 5,216 स्पेस कचरे के टुकड़ों के साथ अमेरिका अंतरिक्ष में मलबे को बढ़ा रहा है। अमेरिका के बाद लिस्ट में चीन का नंबर है। लिस्ट में तीसरे नंबर पर चीन का नाम है। चीन ने 3,845 मलबे के टुकड़ों को अंतरिक्ष में छोड़ा हुआ है, जो भविष्य में स्पेस मिशनों के लिए चुनौती बन सकते हैं। जापान और फ्रांस क्रमशः चौथे और पांचवें नंबर पर हैं। इनके 520 और 117 मलबे के टुकड़े अंतरिक्ष में तैर रहे है। भारत का नाम इस लिस्ट में छठें नंबर पर है। ऊपर भी जानकारी दे चुका हूं कि अंतरिक्ष में भारत के 114 टुकड़ों मलबे के रूप में तैर रहें है।

अनंत चतुर्दशी

गुरुवार को गणेश उत्सव का अंतिम दिन, पूजा के बाद घर में ही करें प्रतिमा का विसर्जन

अभी गणेश उत्सव चल रहा है और इस उत्सव का अंतिम दिन गुरुवार, 28 सितंबर को है। गुरुवार को भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्दशी है, इसे अनंत चतुर्दशी कहा जाता है। अनंद चतुर्दशी पर गणेश प्रतिमा का विसर्जन किया जाता है। गणेश जी की मिट्टी की प्रतिमा का विसर्जन घर में ही किया जा सकता है। घर में ही गणेश प्रतिमा का विसर्जन किसी साफ बर्तन में करें और फिर ये पानी अपने घर के गमलों में डाल सकते हैं। नदी-तालाब में प्रतिमाओं का विसर्जन करते समय अधिकतर लोग हार-फूल भी पानी में बहा देते हैं। प्रतिमाओं और हार-फूल की वजह से नदी-तालाब का पानी गंदा होता है। शास्त्रों में नदी-तालाब को गंदा करने की मनाही है। इसलिए घर में ही गणेश प्रतिमा का विसर्जन करना श्रेष्ठ है।

ऐसे कर सकते हैं गणेश जी की सरल पूजा अनंत चतुर्दथी की सुबह जल्दी उठें। स्नान आदि करने के बाद मिट्टी से बनी गणेश प्रतिमा की पूजा शुरू करें। गणेश जी को जल-दूध और पंचामृत छिड़कें। इसके बाद जनेऊ पहनाएं। अबीर, गुलाल, चंदन, सिंदूर, इत्र आदि चढ़ाएं। चावल चढ़ाएं।

गणेश मंत्र बोलते हुए दूर्वा की 21 गांठें भगवान को चढ़ाएं। लड्डुओं का भोग लगाएं। कर्पूर जलाएं और आरती करें। पूजा के अंत में भगवान से जानी-अनजानी गलतियों के लिए क्षमा याचना करें। प्रसाद बांटें और खुद भी लें।

घर में ऐसे कर सकते हैं प्रतिमा का विसर्जन

गणेश जी की पूजा के बाद घर में साफ बर्तन में शुद्ध पानी भरें और उस पानी में गणेश प्रतिमा विसर्जित करें। कुछ ही देर में मिट्टी की प्रतिमा गल जाएगी। जब प्रतिमा पूरी तरह से गल जाए तो ये मिट्टी और पानी घर के गमले में डाल दें।

डोल ग्यारस पर करें इन चमत्कारी मंत्रों का जाप

नातन धर्म में एकादशी तिथि का विशेष महत्व है। प्रत्येक वर्ष कुल 24 एकादशी तिथियां आती हैं। हिंदू पंचांग के मुताबिक, भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को परिवर्तिनी एकादशी कहा जाता है। इसे डोल ग्यारस एवं जलझूलनी एकादशी भी कहा जाता है। परिवर्तिनी एकादशी व्रत इस वर्ष भाद्रपद के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि 25 सितंबर सोमवार को प्रातः 07:55 से प्रारंभ हो चुकी है और 26 सितंबर, मंगलवार को प्रातः 5 बजे समापन होगा। ऐसे में 25 सितंबर को गृहस्थ वाले व्रत रखेंगे तथा 26 सितंबर को वैष्णव एकादशी व्रत रखेंगे।

इस तिथि पर प्रभु श्री कृष्ण के बाल स्वरूप बाल-गोपाल को एक डोल में विराजित कर शोभा यात्रा निकाली जाती है। इसलिए इसे डोल ग्यारस कहा जाता है। कृष्ण जन्म के अठारहवें दिन माता यशोदा ने उनका जलवा पूजन किया था। इसी दिन को डोल ग्यारस के तौर पर मनाया जाता है। जलवा पूजन के पश्चात ही संस्कारों की शुरुआत होती है। इस दिन प्रभु श्रीकृष्ण को डोल में बिठाकर कई प्रकार की झांकी के साथ बड़े ही हर्षोल्लास के साथ जुलूस निकाले जाते हैं। इस दिन भगवान राधा-कृष्ण के नयनाभिराम विद्युत सज्जित डोल निकाले जाते हैं। डोल ग्यारस पर मान्यता है कि इस दिन प्रभु श्री विष्णु करवट बदलते हैं। इसलिए इसे परिवर्तिनी एकादशी भी कहा जाता है। इस तिथि पर प्रभु श्री विष्णु एवं उनके आठवें अवतार प्रभु श्रीकृष्ण के पूजन का विधान है। वही इस दिन कुछ विशेष मंत्रों के जाप से भगवान श्री कृष्ण जल्दी प्रसन्न होते है।

मंत्रः-

1. प्रभु श्री विष्णु के पंचाक्षर मंत्र 'ॐ नमो भगवते वासुदेवाय' का तुलसी की माला से कम से 108 बार या अधिक से अधिक जाप करें।

2. 'ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं श्रीकृष्णाय गोविंदाय गोपीजन वल्लभाय श्रीं श्रीं श्री'।

3.'कृं कृष्णाय नमः' मंत्रों का 108 बार जाप करना चाहिए।

29 सितम्बर से शुरू होगा पितृ पक्ष

29 सितम्बर 2023 से श्राद्ध पक्ष की शुरूआत हो रही है, जो 16 दिनों का होगा। श्राद्ध पक्ष में जो भी व्यक्ति अपने पूर्वजों को याद करता है और पूर्वजों के नाम श्राद्ध करता है तो उसके बड़े से बड़े दुख और क्लेश दूर होने लगते हैं। पूर्णिमा के दिन से शुरू होने वाला यह पक्ष अमावस्या पर खत्म होता है। हिंदू धर्म में पितृपक्ष का बहुत महत्व है। पितृपक्ष में पूरी श्रद्धा के साथ पितरों को याद किया जाता है और उनके प्रति आभार व्यक्त किया जाता है। मान्यता है कि विधि पूर्वक पितरों का श्राद्ध करने से उनकी आत्मा को शांति मिलती है। पितृपक्ष में पूर्वजों की आत्मा की शांति के लिए पिंडदान, श्राद्ध और तर्पण किए जाते हैं। इससे प्रसन्न होकर पूर्वज अपने वंशजों को सुख-समृद्धि का आशीर्वाद देते हैं। माना जाता है कि पितृपक्ष में पूर्वज कौवे रूप में धरती पर आते हैं। इस साल पितृ पक्ष 29 सिंतबर को शुरू होकर 14 अक्टूबर को समाप्त होगा। इन दिनों कुछ खास काम करने की मनाही होती है। कहा जाता है कि इन कार्यों को करने से पितृ नाराज हो जाते हैं।

आज हम अपने पाठकों को उन कार्यों को बताने के जा रहे हैं जो हमें इस दौरान नहीं करने चाहिए—

1. पितृपक्ष में किसी भी तरह का मांगलिक कार्य नहीं करनी चाहिए। शादी, मुंडन, सगाई और गृह प्रवेश जैसे मांगलिक कार्य पितृपक्ष में वर्जित माने जाते हैं। पितृपक्ष के दौरान शोकाकुल का माहौल होता है इसलिए इन दिनों कोई भी शुभ कार्य करना अशुभ माना जाता है।

2. पितृपक्ष के दौरान न सिर्फ मांसाहारी बल्कि कुछ शाकाहारी चीजों को खाना के लिए मना किया जाता है। इन दिनों लौकी, खीरा, चना, जीरा और सरसों का साग खाने की मनाही होती है।

3. माना जाता है कि पितृपक्ष के दौरान पूर्वज कौवे के रूप में धरती पर आते हैं। इसलिए उन्हें सताना नहीं चाहिए। ऐसा करने से पूर्वज नाराज हो जाते हैं बल्कि पितृपक्ष में पशु-पक्षियों की सेवा करनी चाहिए।

4. पितृपक्ष में श्राद्धकर्म करने वाले व्यक्ति को पूरे 15 दिनों तक बाल और नाखून नहीं कटवाने चाहिए। साथ ही इन लोगों को ब्रह्मचर्य का पालन भी करना चाहिए।

5. पितृपक्ष के दौरान पूरे 15 दिनों तक घर में सात्विक माहौल होना चाहिए। इस दौरान घर में मांसाहारी भोजन नहीं बनाना चाहिए। हो सके तो इन दिनों लहसुन और प्याज का सेवन भी नहीं करना चाहिए।

पितृ पक्ष में जरूर करें ये काम

जिन परिजनों की मृत्यु हो जाती है, उनकी आत्मा की शांति के लिए सच्ची श्रद्धा के साथ तर्पण किया जाता है। इसे श्राद्ध भी कहा जाता है। पितृ पक्ष के दिनों में घर की अच्छी तरह से साफ-सफाई करनी चाहिए। पितृ पक्ष में खाने का एक अंश गाय, कुत्ते और कौए के लिए जरूर निकालना चाहिए। माना जाता है कि इसके माध्यम से हमारे पूर्वज धरती पर आकर भोजन ग्रहण करते हैं। पितृ पक्ष में श्राद्ध करने वाले व्यक्ति का मनपसंद खाना जरूर बनाना चाहिए।

डोल ग्यारस पर बन रहे हैं ये 4 शुभ संयोग जानिए इस व्रत का महत्व

सनातन धर्म में एकादशी तिथि का विशेष महत्व है। प्रत्येक वर्ष कुल 24 एकादशी तिथियां आती हैं। हिंदू पंचांग के मुताबिक, भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को परिवर्तिनी एकादशी कहा जाता है। इसे डोल ग्यारस एवं जलझूलनी एकादशी भी कहा जाता है। इस बार परिवर्तिनी एकादशी का व्रत 25 और 26 सितंबर को रखा जाएगा। डोल ग्यारस पर शहर में अलग-अलग जगहों पर चल समारोह निकलेंगे।

व्रत तिथिः-

परिवर्तिनी एकादशी व्रत इस वर्ष भाद्रपद के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि 25 सितंबर सोमवार को प्रातः 07:55 से प्रारंभ हो चुकी है और 26 सितंबर, मंगलवार को प्रातः 5 बजे समापन होगा। ऐसे में 25 सितंबर को गृहस्थ वाले व्रत रखेंगे तथा 26 सितंबर को वैष्णव एकादशी व्रत रखेंगे।

ये शुभ योगः-

परिवर्तिनी एकादशी के दिन सुकर्मा योग, सर्वार्थ सिद्धि योग, द्विपुष्कर व रवि योग का शुभ संयोग बन रहा है। सुकर्मा योग 25 सितंबर को दोपहर 03:23 से अगले दिन तक रहेगा। सर्वार्थ सिद्धि योग 25 सितंबर को प्रातः 11:55 से प्रारंभ होगी तथा अगले दिन प्रातः 06:11 तक रहेगा। रवि योग प्रातः 06:11 से प्रातः 11:55 तक रहेगा। द्विपुष्कर योग 26 सितंबर को प्रातः 09:42 से देर रात 01:44 तक रहेगा।

डोल ग्यारस व्रत का महत्वः-

मान्यता है कि इस एकादशी का व्रत करने से वाजपेय यज्ञ के समान पुण्य-फल प्राप्त होता है। इस दिन व्रत करने से रोग-दोष आदि से मुक्ति प्राप्त होती है। व्यक्ति के जीवन में सुख-समृद्धि व मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि होती है। इस दिन दान-पुण्य करने से सौभाग्य में वृद्धि होती है। यह व्रत करने से जीवन से सभी कष्टों एवं संकटों का नाश होता है।

त्रिशुंड गणपति मंदिर पुणे : 3 सूंडों और उत्कीर्ण कहानियों वाली गणेश मूर्ति

क्या आप जानते हैं कि सोमवार पेठ की व्यस्त सड़कों पर एक प्राचीन, लगभग छिपा हुआ मंदिर है जिसमें भगवान गणेश की एक अनोखी मूर्ति है? खैर, हम सदियों पुराने, भव्य त्रिशुंड गणपति मंदिर के बारे में बात कर रहे हैं और अब समय आ गया है कि आप इस सुंदरता को देखें।

त्रिशुंड गणपतिकमला नेहरू अस्पताल चौक के पास सोमवार पेठ की गलियों में स्थित, एक सुंदर पत्थर का मंदिर है जो त्रिशुंड गणपति मंदिर के नाम से प्रसिद्ध है। इसे पहचानना इतना आसान नहीं है, 250 साल पुराना खूबसूरत मंदिर अभी भी अपनी पूरी महिमा के साथ खड़ा है और स्थानीय लोगों के बीच इसके बहुत बड़े अनुयायी हैं। ऐसा कहा जाता है कि मंदिर का निर्माण 1770 में धामपुर के भीमजीगिरी गोसावी द्वारा नागज़ारी धारा के तट पर सीधे प्रवेश द्वार के साथ किया गया था।

त्रिशुंड गणपतिमंदिर को त्रिशुंड गणपति कहा जाता है क्योंकि इसमें मोर पर बैठे तीन सूंड और छह हाथों वाले भगवान गणेश की मूर्ति है। देवता का ऐसा चित्रण देश में कहीं और नहीं मिलता है। मंदिर का निर्माण एक ऊँचे मंच पर किया गया है और इसके चारों ओर

एक छोटा सा प्रांगण है जिसे अक्सर विशेष अवसरों या त्योहारों पर मिट्टी के दीयों, रोशनी और फूलों से सजाया जाता है। मंदिर के बाहर भी भगवान शिव की तस्वीरें और मूर्तियां हैं। कुछ लोग तो यह भी कहते हैं कि मूल योजना मंदिर को भगवान शिव को समर्पित करने की थी। मंदिर के प्रवेश द्वार पर, आप समृद्धि की अधिष्ठात्री देवी लक्ष्मी की मूर्तियां भी देख सकते हैं, जिनके दोनों ओर दो हाथी हैं।

त्रिशुंड गणपतिमंदिर का एक और दिलचस्प हिस्सा यह है कि मंदिर के गर्भगृह की दीवार पर तीन शिलालेख हैं। जबकि उनमें से दो देवनागरी लिपि और संस्कृत भाषा में हैं, उनमें से एक दिलचस्प रूप से फ़ारसी लिपि में है। पहला शिलालेख रामेश्वर की नींव और 1754 में मंदिर के निरीक्षण की कहानी के बारे में बताता है। जबकि दूसरे शिलालेख पर आप क्रमशः भगवद गीता के श्लोक और गुरुदेव दत्त मंदिर के निर्माण की कहानी पा सकते हैं। इतना ही नहीं, मंदिर में ब्रिटिश काल के कुछ शिलालेख भी हैं। एक मूर्ति में, मंदिर के सामने, आप एक गैंडे को ब्रिटिश सैनिकों द्वारा लोहे की जंजीरों से कसकर बांधे हुए देख सकते हैं। यह चित्रण इस तथ्य के इर्द-गिर्द घूमता है कि 1757 में प्लासी की लड़ाई के बाद,त्रिशुंड गणपतिमंदिर का डिज़ाइन और वास्तुकला तीन स्थापत्य शैलियों – राजस्थानी, मालवा और दक्षिण भारतीय शैलियों का मिश्रण है और सदियों बाद भी मंदिर की सुंदरता अभी भी बरकरार है। जो लोग इतिहास प्रेमी, सांस्कृतिक रुझान वाले या यहां तक कि धार्मिक हैं, उन्हें इस मंदिर का दौरा अवश्य करना चाहिए। इसके अलावा, यदि आप कुछ एकांत की तलाश में हैं, तो हम वादा करते हैं कि आपको इस मंदिर में पिन ड्रॉप साइलेंस मिलेगा।

सनी देओल के साथ तुलना पर बोले राजवीर : पापा के जैसा हूं लोग मुझसे उनकी तरह एक्शन फिल्मों की उम्मीद करते हैं

सनी देओल के छोटे बेटे राजवीर देओल जल्द ही अपना बॉलीवुड डेब्यू करने वाले हैं। उनकी फिल्म दोनों 5 अक्टूबर को रिलीज के लिए तैयार है। ऐसे में एक्टर इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म का प्रमोशन कर रहे हैं। अब हाल ही में मीडिया से बातचीत के दौरान राजवीर ने बताया कि उनके पिता एक्शन फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। ऐसे में लोग उनसे भी यही उम्मीद कर रहे थे कि एक्टर किसी एक्शन फिल्म में काम करेंगे। हालांकि, राजवीर अपना डेब्यू एक रोमांटिक फिल्म से करने जा रहे हैं।

राजवीर ने कहा- 'लोग कहते हैं कि मैं अपने पिता जैसा हूं। मुझमें उनकी झलक दिखाई देती है। हालांकि, मैं चाहता हूं कि मैं अपना रास्ता खुद बनाऊं। हर कोई मुझसे यह उम्मीद करता है कि मैं एक एक्शन फिल्म भी करूं। इसलिए मैं बस यह जानने के लिए एक्साइटेड हूं कि जनता मुझे कैसा समझती है।'

राजवीर ने आगे कहा- मैं उन्हें दोष नहीं देता क्योंकि वो मेरे पिता के फैन हैं। उन्होंने मेरे पिता को एक्शन फिल्मों में सक्सेसफुल होते हुए देखा है। उन्होंने कई बेहतरीन फिल्में दी हैं। ऐसे में फैंस बस यही चाहते हैं कि नई पीढ़ी के पास मेरे पिता जैसा ही एक एक्टर हो, ताकि वो उसकी फिल्मों को एंजॉय कर सकें।

तुलना करने के लिए फैंस को दोष नहीं दे सकताः राजवीर

पिता से खुद की तुलना पर बात करते हुए राजवीर ने कहा- मेरे लिए उनके जैसा बनना, बहुत ज्यादा मुश्किल है और शायद ऐसा मुमकिन भी नहीं है। हम दोनों अलग-अलग समय में पैदा हुए हैं। हमारी जिंदगी बहुत अलग रही है। लेकिन मैं तुलना करने के लिए फैंस को दोष नहीं दे सकता हूं। आप उन्हें ऐसा करने से रोक भी नहीं सकते हैं। इसका सामना करने का सबसे अच्छा तरीका यह है कि हम इसे नजरअंदाज करें और लगातार अपने ऊपर काम करते रहें।

एक्शन फिल्मों के लिए जाने जाते हैं सनी

सनी को एक्शन फिल्मों के लिए जाना जाता है। उनकी हालिया रिलीज फिल्म गदर 2 भी एक एक्शन रोमांटिक फिल्म थी, जिसने बॉक्स ऑफिस पर कई रिकॉर्ड्र्स अपने नाम किए। इसके अलावा सनी को घातक, घायल, बॉर्डर और अर्जुन जैसी एक्शन फिल्मों के लिए जाना जाता है।

फैमिली प्रोडक्शन हाउस के तले नहीं लॉन्च हो रहे राजवीर

सनी ने 2019 में बड़े बेटे करण को फिल्म पल पल दिल के पास से लॉन्च किया था। हालांकि, उनकी यह फिल्म फ्लॉप रही थी। वहीं अब सनी के छोटे बेटे राजवीर अपने डेब्यू के तैयार हैं। हालांकि, राजवीर की डेब्यू फिल्म को राजश्री बैनर के तले तैयार किया गया है। राजवीर ने एक इंटरव्यू में कहा था कि वह खुश है कि उन्हें फैमिली प्रोडक्शन हाउस से लॉन्च नहीं किया गया।

मां बनने वाली हैं ऋतिक रोशन की गर्लफ्रेंड सबा आजाद? पोस्ट देखकर कंफ्यूज हुए फैंस, बोले- पहले शादी कर लो

बॉलीवुड एक्ट्रेस सबा आजाद इन दिनों ऋतिक रोशन के साथ अपने अफेयर को लेकर चर्चा में हैं। दोनों को अक्सर साथ में स्पॉट किया जाता है। सबा और ऋतिक की जोड़ी पसंदीदा सेलिब्रिटी कपल्स में से एक हैं और सोशल मीडिया पर रोमांटिक तस्वीरें शेयर कर कपल गोल्स भी देते हैं। इसी बीच सबा का एक पोस्ट काफी तेजी से वायरल हो रहा है। एक्ट्रेस के इस पोस्ट के बाद उनके प्रेग्नेंट होने के कयास लगाए जाने लगे हैं।

दरअसल सबा आजाद ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक पोस्ट शेयर किया है। जिस पर लिखा है कि आपका गाइनैक कौन है। इस फोटो को शेयर करते हुए सबा ने लिखा कि 'मेरे दिमाग में अभी सिर्फ ये ही सवाल घूम रहा है।' सबा इस पोस्ट को देखने के बाद लोगों ने एक्ट्रेस से तरह-तरह के सवाल करने शुरू कर दिए है।

एक यूजर ने कमेंट किया कि 'क्या जूनियर ऋतिक आने वाले हैं।' एक अन्य यूजर ने लिखा कि 'शादी कर लो पहले फिर गाइनैक के पास जाना।' एक यूजर ने लिखा कि 'क्या सबा मां बनने वाली हैं।' इतना ही नहीं कईयों ने तो सुजैन खान और ऋतिक रोशन को भी टैग करके यही सवाल पूछा कि 'जूनियर ऋतिक आ रहा है क्या'। हालांकि इस पोस्ट पर अभी तक ना तो सबा और ना ही ऋतिक ने कोई बयान दिया है।

कौन हैं सबा आजाद

सबा आजाद का जन्म दिल्ली में 1 नवंबर 1990 में हुआ था। उन्होंने दिल्ली में अपनी स्कूलिंग पूरी कर थिएटर ज्वाइन किया और साल 2008 में फिल्म 'दिल कबड्डी' से उन्होंने बॉलीवुड में डेब्यू किया था। सबा आजाद बॉलीवुड के अलावा कई शॉर्ट फिल्मों में भी काम कर चुकी हैं।

सबा आजाद को एक्टिंग के साथ-साथ सिंगिंग में भी काफी दिलचस्पी है और वह एक्टर नसीरुद्दीन शाह के बेटे इमाद शाह के साथ 'मैडब्वॉय/मिंक' का बैंड भी चलाती हैं। उनकी नेटवर्थ की बात करें तो सबा आजाद की सालाना कमाई 5 से 7 करोड़ की है।

फरहान अख्तर बोले- प्रियंका, कटरीना, आलिया के साथ बनाएंगे फिल्म

2021 में कर चुके हैं फिल्म की अनाउंसमेंट, हॉलीवुड एक्टर्स की स्ट्राइक से हो रही देरी

हाल ही में फरहान अख्तर ने अपनी फिल्म जी ले जरा की शूटिंग में हो रही देरी पर बात की। फरहान अख्तर ने वैरायटी से बात करते हुए फिल्म की कास्टिंग से कटरीना, प्रियंका और आलिया के पीछे हटने की रिपोर्ट्स को गलत बताया है।

उन्होंने कहा है कि प्रियंका, कटरीना और आलिया तीनों ही इस प्रोजेक्ट का हिस्सा हैं और तीनों एक्ट्रेसेस के बिजी शेड्यूल से फिल्म की शूटिंग के लिए एक जैसा शेड्यूल फिक्स करना थोड़ा मुश्किल है। इस वजह से प्रोजेक्ट में देरी हो रही है।

हॉलीवुड राइटर्स, एक्टर्स की स्ट्राइक से फिल्म में हो रही है देरीः फरहान

फरहान अख्तर ने कहा- हमें डेट फाइनल करने में परेशानी हो रही है। हॉलीवुड में राइटर्स और एक्टर्स की स्ट्राइक की वजह से प्रियंका का शेड्यूल और भी टाइट हो गया है। उन्होंने पहले ही कई फिल्मों में काम करने का कमिटमेंट दे रखा था। अब हम कुछ कह नहीं सकते कि क्या होने जा रहा है और क्या नहीं।

अब मैं इस बात पर विश्वास करने लगा हूं कि इस फिल्म की किस्मत कुछ और ही है और फिल्म जब फाइनल होनी होगी तब हो जाएगी।

2021 में हो चुकी है फिल्म की अनाउंसमेंट

फिल्म को जोया अख्तर और रीमा कागती ने मिलकर लिखा है। फिल्म की अनाउंसमेंट 2021 में ही कर दी गई थी। लेकिन, फिल्म पर अब तक काम शुरू नहीं हो सका है। साल 2021 में फरहान अख्तर ने उनकी फिल्म दिल चाहता है की रिलीज के 20 साल पूरे होने के मौके पर जी ले जरा की अनाउंसमेंट की थी।

उन्होंने ट्वीट करते हुए लिखा था- क्या किसी ने रोड ट्रिप कहा ? मैं डायरेक्टर के तौर पर अपनी अगली फिल्म अनाउंस करते हुए बहुत खुश हूं। फिल्म की शूटिंग 2022 में शुरू हो जाएगी। फरहान ने फिल्म का अनाउंसमेंट वीडियो भी शेयर किया था।

बीते दिनों रीमा कागती ने बात करते हुए फिल्म की कास्ट में बदलाव की रिपोर्ट्स को गलत बताया था। उन्होंने कहा था- जी ले जरा अपनी ओरिजिनल कास्टिंग के साथ ही रिलीज होगी। इसके अलावा प्रियंका, आलिया और कटरीना भी कई बार फिल्म का हिस्सा होने का हिंट दे चुकी हैं।जी ले जरा के साथ फरहान अख्तर 2011 के बाद डायरेक्टर के तौर पर वापसी करते लेकिन अब उन्होंने रणवीर सिंह के साथ डॉन-3 की अनाउंसमेंट कर दी है।

'खतरों के खिलाड़ी 13' से हुआ इस कंटेस्टेंट का पत्ता साफ, जीतने के इतने करीब पहुंचकर हारा यह खिलाड़ी

सौंदस मौफकीर

खतरों के खिलाड़ी के 13 अपने फिनाले की तरफ बढ़ रहा है। इसे शो को अपने विनर मिलने में सिर्फ कुछ ही हफ्ते बचे हैं। शीजान खान के बाद अब फिनाले से नजदीक पहुंचने के बाद अब इस मजबूत कंटेस्टेंट का सफर खतरों के खिलाड़ी 13 में खत्म हो चुका है। टॉप 7 की लिस्ट से ये कंटेस्टेंट बाहर हुईं।

खतरों के खिलाड़ी 13 में जिन कंटेस्टेंट्स ने टॉप 8 में अपनी जगह बनाई थी, उनमें शिव ठाकरे, अर्जित तनेजा, सौंदुस मौफकीर, ऐश्वर्या शर्मा, डीनो, रश्मित कौर और नायरा बनर्जी के साथ अर्चना गौतम का नाम शामिल है। इन आठ कंटेस्टेंट में से अब रोहित शेट्टी के शो में ग्लैमर का तड़का लगाने वालीं और स्टंट से सबको हैरान करने वालीं सौंदुस मौफकीर इस हफ्ते शो से एलिमिनेट हो गयी हैं। कलर्स ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक पोस्ट शेयर करते हुए बताया कि सौंदुस इस शो से बाहर हो चुकी हैं और बचे हुए सात कंटेस्टेंट के बीच खतरों के खिलाड़ी सीजन 13 के फिनाले के लिए जंग होने वाली हैं।

खतरों के खिलाड़ी 13 जुलाई में 14 खिलाड़ियों के साथ शुरू हुआ था। एक-एक कर कंटेस्टेंट्स बेहद तेजी से आउट हुए। अब शो में ऐश्वर्या शर्मा भट्ट, अर्जित तनेजा, अर्चना गौतम, डिनो जेम्स, नारया बनर्जी, रश्मीत कौर, शिव ठाकरे बचे हुए हैं। वहीं, अंजुम फकीह, रुही चतुर्वेदी, अंजलि आनंद, रोहित रॉय, डेजी शाह, शीजान खान और सौंदस मौफकीर बाहर हो चुके हैं।

परिणीति चोपड़ा के बाद अब कंगना रनौत करने जा रही हैं शादी! बॉलीवुड एक्टर केआरके ने किया दावा

बॉलीवुड एक्ट्रेस कंगना रनौत इन दिनों अपनी फिल्म चंद्रमुखी-2 को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं। ये साल 2005 में आई तमिल मूवी

'चंद्रमुखी ' का सीक्वल है। हाल ही में फिल्म का ट्रेलर रिलीज किया गया है। यह फिल्म 28 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। अपनी दमदार एक्टिंग के अलावा एक्ट्रेस अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर भी काफी चर्चा में रहती हैं। कभी बयानों के कारण तो कभी अपनी लव लाइफ को लेकर। अब हाल ही में बॉलीवुड एक्टर और फिल्म क्रिटिक कमाल राशिद खान ने दावा किया है कि परिणीति चोपड़ा के बाद बॉलीवुड एक्ट्रेस कंगना रनौत भी शादी करने जा रही हैं। एक्टर ने दावा किया है कि क्वीन अप्रैल 2024 में सात फेरे लेंगी।

कंगना रनौत बनने जा रही हैं दुल्हनियां

कमाल राशिद खान ने हाल ही में ट्वीट करते हुए लिखा कि ब्रेकिंग न्यूज़ः- अभिनेत्री कंगना रनौत दिसंबर 2023 में एक बिजनेसमैन से सगाई करने जा रही हैं। अप्रैल 2024 में उनकी शादी होगी! उन्हें अग्रिम बधाई !अब केआरके का यह ट्वीट सोशल मीडिया पर काफी तेजी से वायरल हो रहा है। बता दें कि बॉलीवुड एक्टर कमाल राशिद खान सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहते हैं और बॉलीवुड से लेकर राजनीति तक में दिलचस्पी रखते हैं। वह फिल्मों के रिव्यू और अपने बेबाक अंदाज के लिए जाने जाते हैं। हालांकि कई बार उन्हें अपने पोस्ट के कारण परेशानियों को सामना भी करना पड़ता है।

शादी को लेकर क्या बोलीं थीं कंगना

वहीं कंगना रनौत ने ई-टाइम्स को दिए एक इंटरव्यू में बताया था कि 'हर चीज का एक समय होता है और अगर वो समय मेरे जीवन में आना है तो वह आएगा। मैं शादी करना चाहती हूं और मेरा अपना परिवार होगा। लेकिन ये सही समय पर होगा।' वहीं कंगना के वर्कफ्रंट की बात करें तो चंद्रमुखी-2 के अलावा उनके पास पाइपलाइन में सर्वेश मेवाड़ा की 'तेजस' है, जो 20 अक्टूबर को रिलीज होने की उम्मीद है। इस फिल्म में वह इंडियन पायलट के किरदार में दिखेंगी। इसके अलावा वह इमरजेंसी को लेकर भी चर्चा में हैं। इस फिल्म का निर्देशन खुद कंगना रनौत ने किया है। इस फिल्म में एक्ट्रेस को पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के रोल में देखा जाएगा।

'द डार्क नाइट राइजेज' से प्रेरणा लेकर एटली ने किया जवान का निर्माण? निर्देशक ने किया सच का खुलासा

बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'जवान' सिनेमाघरों में धमाल मचा रही है। किंग खान की इस फिल्म को दर्शकों से बेहद प्यार मिल रहा है। एटली कुमार के निर्देशन में बनी इस फिल्म ने रिलीज होती ही टिकट खिड़की पर कई बड़ी फिल्मों के कमाई के रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। हाल ही में, निर्देशक एटली पर आरोप लग रहे हैं कि 'जवान' के लिए उन्होंने द डार्क नाइट राइजेज से प्रेरणा ली थी। निर्देशक ने अब सच से पर्दा उठाया है।

फिल्म निर्माता एटली को जवान के लिए अन्य फिल्मों से प्लॉट पॉइंट और दृश्यों की नकल करने के लिए उनकी लंबे समय तक आलोचना की गई है, लेकिन उनका कहना है कि वह अदालतों में भी गए हैं और मामलों को निष्पक्ष रूप से जीता है। एटली ने बताया कि एक निर्देशक के रूप में उनका इरादा कभी भी वो करने का नहीं रहा है, जो चीज पहले से ही दोहराई जा चुकी है। वह हमेशा कुछ न कुछ अलग करने का विचार रखते हैं। एटली को थेरी, मेर्सल और बिगिल जैसी तमिल ब्लॉकबस्टर फिल्मों के लिए जाना जाता है, जिसका कुछ अंश उनकी नई ब्लॉकबस्टर फिल्म जवान में भी नजर आता है। शाहरुख खान की यह फिल्म एटली की हिंदी निर्देशन में पहली फिल्म है, जिसे साउथ से लेकर बॉलीवुड के दर्शक खूब प्यार दे रहे हैं। पिछले दिनों एटली ने यह भी खुलासा किया था कि जवान के बाद उन्हें हॉलीवुड से ऑफर आने लगे थे। एटली ने कहा, 'अगर मैं कोई फिल्म बना रहा हूं तो सिर्फ हीरो से ही नहीं, मुझे निर्माता से भी प्यार करना होगा। ईमानदारी प्यार के साथ आती है। मैं अपना समय लोगों के साथ बिताता हूं और देखता हूं कि क्या हम वास्तव में मेल खाते हैं और क्या मैं उनसे प्यार कर सकता हूं और उनसे कुछ सीख सकता हूं।' बता दें कि एटली की फिल्म 'जवान' 1000 करोड़ के क्लब में एंट्री कर चुकी है।शाहरुख खान, नयनतारा और विजय सेतुपति-स्टारर 'जवान' सात सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी।

'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' फेम जेनिफर मिस्त्री, मेकर्स के खिलाफ शुरू की मुहीम

'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' फेम जेनिफर मिस्त्री बंसीवाल को अभी तक न्याय नहीं मिल पाया है. इस सिलसिले में उन्होंने सोशल मीडिया पर एक अभियान की शुरुआत की है. जेनिफर पिछले 15 सालों से शो में मिसेज रोशन सोढी का किरदार निभा रही थीं. कई कलाकारों के शो छोड़ने के बाद, इस साल जून में उन्होंने भी शो के मेकर्स पर यौन शोषण और पैसा रोकने के गंभीर आरोप लगाए. इसके लिए उन्होंने एफआईआर भी दर्ज करवाई है. मामला अभी तक चल रहा है. जेनिफर मिस्त्री बंसीवाल ने 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' के प्रोड्यूसर असित मोदी, ऑपेरशन हेड सोहेल रमानी और कार्यकारी निर्माता जतिन बजाज के खिलाफ यौन शोषण का आरोप लगाया था. वह अब एक सोशल मीडिया पर उनके खिलाफ कैंपेन शुरू किया है. उन्होंने वीडियो जारी कर पूरा घटना का पहला पार्ट जारी किया है. उन्होंने मेकर्स की जबरदस्ती का पूरा घटनाक्रम बयां किया है.

जेनिफर मिस्त्री बंसीवाल ने इंस्टाग्राम पर वीडियो शेयर करते हुए लिखा, "कहानी अब तक- भाग —- पहलाः आज से प्रोड्यूसर असित मोदी, ऑपरेशन हेड सोहेल रमानी और एग्जक्युटिव प्रोड्यूसर जतिन बजाज के खिलाफ चल रहे यौन उत्पीड़न के मामले के बारे में वीडियो की एक सीरीज शुरू कर रही हूं. यह सब कैसे शुरू हुआ? क्या हुआ?"

जेनिफर मिस्त्री ने आगे लिखा, "मैंने पुलिस अधिकारियों और कई अन्य अधिकारियों से कैसे संपर्क किया? वे कैसे मदद नहीं कर रहे हैं, मैं अपनी बेटी को ससुराल वालों के पास छोड़कर न्याय के लिए एक दफ्तर से दूसरे दफ्तर कैसे दौड़ रही हूं, कैसे मैंने ढेर सारी कागजी कार्रवाई की है, कैसे हर बार जब मैं लिखती हूं तो उसी मेंटल और इमोशनल टॉर्चर से गुजरती हूं. कहानी अंतहीन है और भावनाएं भी" जेनिफर मिस्त्री बंसीवाल ने आगे लिखा, "ऐसा लगता है जैसे मैं दोषी हूं और उनके ऑफिस में घंटों इंतजार कर रही हूं ताकि ऑफिसर मेरी बात सुनें जितना संघर्ष मैंने किया है उतना किसी और को नहीं करना चाहिए इस बीच मेरे दोस्तों, सहकर्मियों, समाज ने बात करना बंद कर दिया मुझे लेकिन मैं न्याय पाने के लिए किसी भी स्तर तक जाऊंगी."

जेनिफर मिस्त्री ने लगाया असित मोदी पर लगाया ऑफिसर को प्रभावित करने का आरोप

जेनिफर मिस्त्री ने आगे कहा," इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि अधिकारियों और गवाहों को कितनी रिश्वत दी जाती है या प्रभावित किया जाता है क्योंकि मैं सच बोल रही हूं न्याय पाना अब मेरे जीवन का उद्देश्य है कर्म ही सच्चा है कोई नहीं, तो भगवान हैं न्याय करने के लिए"

जेनिफर मिस्त्री ने दी थी सुसाइड करने की धमकी

जेनिफर मिस्त्री ने वीडियो में बताया कि वह जब एक बार ऑफिस से घर जा रही थीं, तब उन्हें जाने नहीं दिया जा रहा था. वह रोईं और गिड़गिड़ाई भीं. उन्होंने मेकर्स को रोकने पर सुसाइड करने की धमकी भी दी. उन्होंने ये भी आरोप लगााया कि जब वह प्रेग्नेंट थी, तो उन्हें बताए बिना ही निकाल दिया गया था. साथ ही यह भी कहा कि उन्हें बेटे के साथ होली खेलने के लिए घर जाने भी नहीं दिया. इसके आगे की बात वह अगले वीडियो में बताएंगी.

राखी सावंत के जीवन पर बनने जा रही है फिल्म आलिया भट्ट निभाएंगी ड्रामा क्वीन का किरदार !

बॉलीवुड एक्ट्रेस राखी सावंत अक्सर ही सुर्खियों में बनी रहती हैं। राखी अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर इन दिनों लगातार चर्चा में बनी हुई हैं। बीते कई महीनों से उनका अपने पति आदिल खान दुर्रानी के साथ विवाद चल रहा है। दोनों एक दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगाते नजर आ रहे हैं। जहां राखी, आदिल पर मारपीट और जान से मारने की धमकी से लेकर कई गंभीर आरोप लगा चुकी हैं। तो वहीं आदिल खान ने भी राखी सावंत को लेकर कई बड़े खुलासे किए हैं।

इस मामले में शर्लिन चोपड़ा और तनुश्री दत्ता भी दिखाई दीं। वहीं अब राखी का एक नया वीडियो सामने आया है। जिसमें वह अपनी बायोपिक के बारे में बात करती हुई नजर आ रही हैं।

राखी की बायोपिक में नजर आएंगी आलिया भट्ट!

दरअसल हाल ही में राखी सावंत को एयरपोर्ट पर स्पॉट किया गया। जहां वह मीडिया से बात करती नजर आईं। इस दौरान एक्ट्रेस ने कहा कि "मेरी बायोपिक लॉन्च होने जा रही है। एक्ट्रेस से जब पूछा गया कि कौन उनका किरदार निभा रहा है। इस पर राखी ने जवाब देते हुए कहा कि मैं चाहती थी कि मैं खुद एक्ट करूं, लेकिन मेरी बायोपिक में आलिया या विद्या बालन बहुत अच्छा एक्ट करेंगी। राखी ने आगे कहा कि "ये दोनों ही बेस्ट एक्ट्रेसेस हैं। मेरी एक्टिंग ये दोनों बहुत बढ़िया कर सकती हैं। मेरी बायोपिक में मेरे

बचपन से लेकर अब तक की जर्नी को दिखाया जाएगा।"

सोशल मीडिया पर लोगों ने सुनाई खरी-खोटी

यह वीडियो सामने आते ही लोगों ने राखी सावंत का मजाक उड़ाना शुरू कर दिया है। एक यूजर ने लिखा 'आलिया तेरी औकात के बाहर है, उसका नाम भी मत ले।' एक अन्य यूजर ने लिखा कि 'इसको हॉस्पिटल ले जाओ कोई'। एक यूजर ने लिखा कि 'राखी बायोपिक तो हम जरूर देखेंगे।' एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा कि 'फिर एक नया ड्रामा शुरू हो गया।' बता दें कि राखी सावंत अक्सर ही अपनी लाइफ के बारे में खुलकर बात करती नजर आती हैं। राखी की जिंदगी से कई सारे विवाद जुड़े हैं। राखी सावंत का नाम मीका सिंह से भी जुड़ा था। उन्होंने स्वयंवर भी किया था। इसके बाद राखी सावंत ने रितेश संग शादी की, जिसे बाद में गैरकानूनी बताया। इसक बाद राखी ने आदिल खान संग इस्लामिक रीति-रिवाज से शादी की, जिस पर विवाद चल रहा है।

टेंशन में हैं आप? अपनाएं ये कारगर उपाय, स्ट्रेस को कहें बाय-बाय

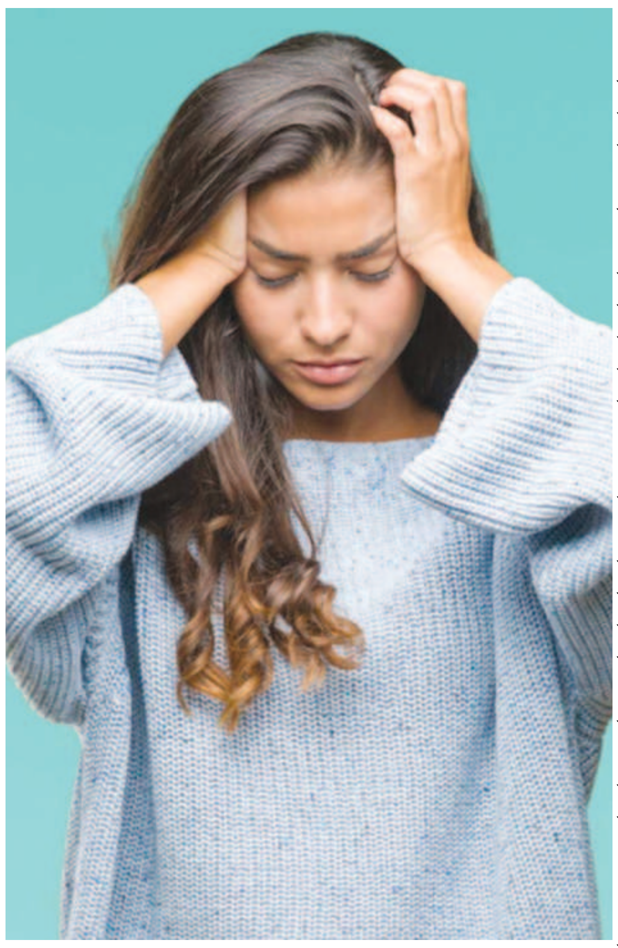

भागती हुई जिंदगी में आजकल हर कोई किस ना किसी कारण से तनाव में रहता है. और ये तवान, ये चिंता ही आगे चलकर धीरे-धीरे गंभीर बीमारी का रूप में का रूप ले लेती है. ऐसे में आज हम आपको बताएंगे कि जीवन में अगर किसी भी प्रकार से कोई तनाव है. तो इन पांच नियमों को नियमित रूप से धारण करने पर आपके पास हर तरह की टेंशन का उपाय होगा और खुशहाल जीवन जी सकेंगे.

परिसर में जो काउंसलिंग सेंटर में बना हुआ है. उसमें रोजाना ऐसे लोग पहुंच रहे हैं, जो दैनिक जीवन में होने वाले कार्यों को लेकर तनाव में रहते हैं. जब उन सभी से मॉर्निंग वॉक करने के लिए कहा गया तो उनके जीवन में काफी बदलाव देखने को मिला. ऐसे मगर कोई भी व्यक्ति परेशान हो तो वह इस कारगर उपाय को अपना सकता है.

यह है सबसे बेहतर उपाय

जीवन में अगर कोई भी ऐसा क्षण हो जब आप अधिक तनाव में है. जब सोचने-समझने की भी शक्ति काम नहीं कर पा रही हो तो ऐसे समय में 5 से 10 मिनट आप गहरी सांस लेते हुए ध्यान केंद्रित करेंगे. ऐसा करने से आपके मन में चल रहे सभी सवालों का जवाब मिल जाएगा. और आपके मन में चल रहे सभी गलत भाव, गलत कदम उठाने के सभी नाकारात्मक विचार सकारात्मक सोच में बदल जाएगी.

योग दिनचर्या में करें शामिल

योग को अपने दैनिक दिनचर्या में शामिल करें. प्रोफेसर संजय के अनुसार जीवन में हम लोग योग क्रिया को भी प्रतिदिन अपनाएं तो उससे भी हमारे जीवन में बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है. तनाव को दूर करने में योग भी अहम भूमिका निभाता है. यही नहीं, वह कहते हैं कि योग से जो मनुष्य के अंदर उर्जा का संचार होता है, जो विपरीत परिस्थितियों में भी उसे आगे बढ़ाने की प्रेरणा देता है.

इन हालातों में काउंसलर की मदद

अगर आप किसी समस्या को लेकर बहुत ही ज्यादा तनाव में हैं और उसका हल नहीं मिल पा रहा है. तो उसके लिए संबंधित काउंसलर से संपर्क करें. जो कि आपकी समस्या का समाधान कर सकते हैं. हालांकि, उसके लिए आपको अपनी सभी बातें बतानी होगी. इसी के साथ ही अपने जीवन की हर बात को अपने दोस्त या परिवार के सदस्यों से शेयर अवश्य करें. जब हम किसी बात को किसी शेयर करते हैं तो उसका हमेशा समाधान ही निकलता है.

ये हैं तनाव के लक्षण

अगर आपके जीवन दिनचर्या में भी आपकी परफॉर्मेंस पहले से कम होती जा रही है. आपके सीनियर इस बात को कह रहे हैं. साथ ही आप में चिड़चिड़ापन है, गुस्सा अधिक आने लगा है तो यह सभी तनाव के शुरुआती लक्षण हैं. ऐसी समस्या होने पर आप इन उपायों को जरूर अपनाएं.

लिवर को खरोंचकर खोखला करने लगती है यह बीमारी, शराब नहीं है इसकी वजह

लिवर हमारे शरीर के अंदरुनी अंगों का सबसे बड़ा ठोस हिस्सा है. लिवर हमारे शरीर की फैक्टरी है. लिवर हमारे शरीर को सुचारु रूप से चलाने के लिए 500 से अधिक कामों का ठिकाना मुहैया कराता है. लिवर ही भोजन में जाने वाले सभी तरह के टॉक्सिन को निकालकर बाहर फेकता है. इस तरह लिवर हमारे शरीर का बेहद महत्वपूर्ण अंग है.

हालांकि लिवर ऐसा अंग है जो अपनी खराबी की मरम्मत खुद ही कर लेता है लेकिन जब इस पर ज्यादा दबाव पड़ता है तो इसमें भी कई बीमारियां होने लगती है. नॉन-अल्कोहलिक फैटी लिवर डिजीज बेहद खतरनाक बीमारी है जिसके कारण हेपटाइटिस और लिवर सिरोसिस जैसी गंभीर बीमारियों का जोखिम कई गुना बढ़ जाता है.

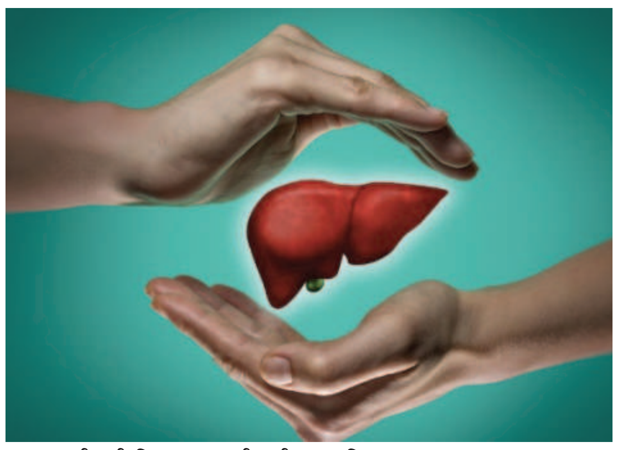

यह बीमारी बिना शराब पीए ही हो जाती है. यह बीमारी चुपके से शरीर में घुसती है. शुरुआत में अगर इसपर ध्यान नहीं दिया जाए तो धीरे-धीरे यह लिवर को खरोंच कर खोखला करने लगती है. इसलिए शुरुआती लक्षण दिखने पर तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए.

नॉन-अल्कोहलिक फैटी लिवर के शुरुआती लक्षण

1. थकान-मायोक्लिनिक के मुताबिक अगर नॉन-अल्कोहलिक फैटी लिवर डिजीज हो तो पूरे शरीर में हमेशा थकान और कमजोरी रहती है.

2. पेट में भारीपन-टीओआई की खबर के मुताबिक जब नॉन-अल्कोहलिक फैटी लिवर डिजीज होता है तो पेट में बहुत भारीपन महसूस होता है. इसमें स्टूल पास होने में बहुत दिक्कत होती है. यानी डाइजेशन सही से नहीं होता है और बहुत बेचैनी भी रहती है. कुछ अन्य लक्षणों के साथ यदि पेट में भारीपन महसूस हो तो यह NAFLD के लक्षण हो सकते हैं.

3. पेट के उपरी हिस्से में दर्द-NAFLD होने पर पेट के उपरी हिस्से में दर्द होने लगता है जो आसानी से नहीं जाता. इसमें मामूली दवा भी बेअसर होने लगती है. इसलिए इस स्थिति में तुरंत डॉक्टर से दिखाना चाहिए.

4. पेट में ब्लॉटिंग – वर्ल्ड जर्नल ऑफ गैस्ट्रोइंटेरोलॉजी के मुताबिक सिरोसिस के जितने मामले आते हैं, उनमें 80 प्रतिशत को ब्लॉटिंग की शिकायत रहती है. जब एब्डोमिनल केविटी में फ्लूड जमा होने लगता है तब ब्लॉटिंग होती है. अगर इसका इलाज समय पर न किया जाए तो इससे इंफेक्शन होने का खतरा बढ़ जाता है.

5. अपच-एक अध्ययन के मुताबिक नॉन अल्कोहलिक फैटी लिवर डिजीज में पेट में गैस बनना, पाचन सही से नहीं होना, हर्टबर्न और डकार जैसी समस्याएं आम हो जाती है. जब भोजन नहीं पचता है तो इसमें गैस्ट्रिक जूस मिल जाता है और पेट के उपर की ओर आने लगता है. ऐसे में लगता है कि भोजन वापस में मुंह में आ रहा है.

6. हथेलियों का लाल हो जाना-नॉन-अल्कोहलिक फैटी लिवर डिजीज होने पर हमेशा हथेलियां लाल होने लगती है.

इन विटामिन्स की कमी बढ़ा सकती है हृदय रोगों का खतरा, आपके आहार में हैं ये चीजें?

हृदय रोग दुनियाभर में मृत्यु के प्रमुख कारणों में से एक हैं, जिसका जोखिम भी पिछले कुछ वर्षों में तेजी से बढ़ता हुआ देखा गया है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, सभी उम्र के लोगों को हृदय की सेहत को लेकर अलर्ट रहने की आवश्यकता है। हालिया रिपोर्ट्स के मुताबिक कम उम्र के लोगों में भी हृदय रोग और हार्ट अटैक के मामले देखे जा रहे हैं, जो निश्चित ही बड़े जोखिम की तरफ संकेत है। लाइफस्टाइल और आहार में गड़बड़ी के कारण हृदय की सेहत पर सबसे ज्यादा असर हो रहा है, कम उम्र से ही सभी लोगों को इसपर ध्यान देते रहने की आवश्यकता है।

अध्ययनों में पाया गया है कि आहार में गड़बड़ी के कारण हृदय रोग का जोखिम सबसे अधिक हो सकता है, शरीर में कुछ विटामिन्स और पोषक तत्वों की कमी के कारण भी इस रोग का खतरा बढ़ सकता है। हृदय रोगों के बढ़ते वैश्विक जोखिमों को लेकर लोगों को अलर्ट करने और बचाव के तरीकों के बारे में जागरूक करने के लिए हर साल 29 सितंबर को वर्ल्ड हार्ट डे मनाया जाता है। आइए जानते हैं कि किन विटामिन्स की कमी हृदय के लिए नुकसानदायक हो सकती है, जिसे आहार के माध्यम से प्राप्त करना बहुत आवश्यक है?

हृदय को स्वस्थ रखने के लिए क्या करें?

हृदय रोग की रोकथाम के लिए सबसे जरूरी है कि आहार की पौष्टिकता का ध्यान रखा जाए। आहार में फलों और सब्जियों, साबुत अनाज, नट्स, मछली, पोल्ट्री जैसी चीजों को सेहत के लिए काफी लाभकारी पाया गया है। हृदय को स्वस्थ रखने के लिए क्या खाना चाहिए, उससे ज्यादा जरूरी है कि किन चीजों का सेवन नहीं या कम किया जाना चाहिए। रेड और प्रोसेस्ड मीट, कार्बोहाइड्रेट, एडेड शुगर, सोडियम वाले खाद्य पदार्थ आपकी सेहत के लिए नुकसानदायक हो सकते हैं।

विटामिन-डी की कमी हो सकती है समस्याकारक

अध्ययनों से पता चलता है कि जिन लोगों में विटामिन-डी की कमी होती है उनमें दिल के दौरे, कंजेस्टिव हार्ट फेलियर, परिफेरल आर्टरी डिजीज और स्ट्रोक जैसी समस्याओं के विकसित होने का जोखिम अधिक हो सकती है। ये स्थिति उच्च रक्तचाप और मधुमेह के खतरे को भी बढ़ाने वाली हो सकती है जिससे हृदय की सेहत पर नकारात्मक असर हो सकता है। आहार में विटामिन-डी की पर्याप्त मात्रा सुनिश्चित किया जाना जरूरी है।

विटामिन बी-12 पर भी ध्यान देना जरूरी

विटामिन डी की ही तरह शोधकर्ताओं ने पाया कि हृदय को स्वस्थ रखने के लिए विटामिन बी12 भी जरूरी है। इस विटामिन की कमी कोरोनरी डिजीज, मायोकार्डियल इंफ्रक्शन, स्ट्रोक और अन्य संचार संबंधी स्वास्थ्य समस्याओं के खतरे को बढ़ाने वाली हो सकती है। विटामिन बी-12 की कमी शरीर में कई और भी प्रकार के जोखिमों का कारक हो सकती है, आहार में इस विटामिन वाली चीजों को जरूर शामिल किया जाना चाहिए।

फोलेट की कमी

शोध से पता चला है कि शरीर में फोलेट की कमी से हृदय रोग (सीवीडी) का खतरा बढ़ सकती है। सीवीडी, हृदय या रक्त वाहिकाओं की बीमारियों को संदर्भित करती है। फोलेट की कमी की स्थिति में शरीर में आयरन की मात्रा कम होने लगती है जिसके कारण भी आपको कई प्रकार की स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं।

नहीं करते हैं धूम्रपान फिर भी हो सकता है फेफड़ों का कैंसर, ये है इसकी मुख्य वजह, कैसे करें बचाव?

फेफड़ों का कैंसर, दुनियाभर में मृत्यु का प्रमुख जोखिम कारक हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की रिपोर्ट के मुताबिक साल 2020 में वैश्विक स्तर पर इस रोग के कारण 1.80 मिलियन (18 लाख) से अधिक लोगों की मौत हुई। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं सभी लोगों को फेफड़ों को स्वस्थ रखने और इसके कैंसर के खतरे से बचाव के लिए निरंतर प्रयास करते रहना चाहिए। अगर आप धूम्रपान करते हैं तो फेफड़ों के कैंसर के शिकार होने का जोखिम काफी अधिक हो सकता है, इसके अलावा जिन लोगों के परिवार में पहले किसी को फेफड़े का कैंसर रह चुका है, उनमें भी इसका जोखिम रहता है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, लंग्स कैंसर के ज्यादातर मामलों के लिए धूम्रपान को प्रमुख जोखिम कारक माना जाता रहा है, पर हालिया अध्ययन में वैज्ञानिकों ने बताया कि इस कैंसर के मामले उन लोगों में भी रिपोर्ट किए जा रहे हैं जिन्होंने कभी भी धूम्रपान नहीं किया। आइए जानते हैं कि किन कारणों से ये दिक्कत बढ़ रही है और इससे बचाव के लिए क्या किया जाना चाहिए?

नॉन स्मोकर्स में फेफड़ों का कैंसर

सेंटर्स फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन (सीडीसी) के विशेषज्ञ कहते हैं, धूम्रपान या फिर सेकेंड हैंड स्मोकिंग (धुएं के संपर्क में आना) दोनों ही, लंग्स कैंसर का जोखम बढ़ाने वाले माने जाते हैं। हालांकि संयुक्त राज्य अमेरिका में लगभग 10-20 फीसदी फेफड़ों के कैंसर के मामले ऐसे लोगों में देखे जा रहे हैं जिन्होंने कभी धूम्रपान नहीं किया। ऐसे लोगों में एडेनोकार्सिनोमा कैंसर अधिक रिपोर्ट किया जाता रहा है।

इस प्रकार का कैंसर कोशिकाओं में शुरू होता है और फेफड़ों की छोटी वायु थैलियों में बढ़ने लगते हैं। इसके अलावा कुछ मामले फेफड़ों के अंदर की पतली, सपाट कोशिकाओं में विकसित होते हैं।

कभी धूम्रपान न करने वाले में क्यों बढ़ रहा है जोखिम

स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि भले ही आप धूम्रपान नहीं करते हैं, फिर भी कुछ पर्यावरणीय स्थितियां आपमें इस रोग के खतरे को बढ़ाने वाली हो सकती हैं। सेकेंड हैंड स्मोकिंग इसका प्रमुख कारण मानी जाती रही है, मसलन अगर आप ऐसे लोगों के संपर्क में रहते हैं जो धूम्रपान अधिक करते हैं तो आपमें भी इसका खतरा काफी बढ़ जाता है। रेडॉन, वायु प्रदूषण और फैमिली हिस्ट्री के कारण भी आप इसके शिकार हो सकते हैं। इन जोखिमों को लेकर भी सभी लोगों को अलर्ट रहना चाहिए।

कैसे होते हैं लक्षण?

अब बड़ा सवाल ये है कि उन लोगों में फेफड़ों के कैंसर के क्या लक्षण होते हैं जिन्होंने कभी धूम्रपान नहीं किया? क्या उनमें कुछ अलग समस्याएं हो सकती हैं। इस बारे में स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, स्मोकर्स और नॉन स्मोकर्स दोनों में फेफड़ों के कैंसर के लक्षण एक जैसे ही होते हैं। इसमें हर समय थकान महसूस करना सामान्य है, इसके अलावा बार-बार खांसी आने, खांसी के साथ खून आने या सीने में दर्द, घरघराहट या सांस लेने में तकलीफ भी हो सकती है।

नॉन स्मोकर्स इस खतरे से कैसे बचें?

डॉक्टर कहते हैं, आप सेकेंड हैंड धुएं, गाड़ियों से निकलने वाले धुएं और अन्य वायु प्रदूषण-रसायनों से दूर रहकर फेफड़ों के कैंसर के खतरे को कम करने में मदद कर सकते हैं। आपको अपने घर में रेडॉन का परीक्षण करवाना चाहिए और यदि रेडॉन का स्तर अधिक है तो उसे कम करने के लिए कदम उठाना चाहिए।

कुछ जोखिम कारक, जैसे फेफड़ों के कैंसर के पारिवारिक इतिहास के जोखिम को बदला नहीं जा सकता। यदि आपके परिवार में किसी को फेफड़े का कैंसर रहा है, तो अपने जोखिमों और बचाव के तरीकों के बारे में जानने के लिए डॉक्टर की सलाह जरूर लेते रहें।

एक दिन में कितने केले खा सकते हैं डायबिटीज के मरीज? कहीं आप तो नहीं कर रहे गलती, एक्सपर्ट से जानें सही मात्रा

डायबिटीज के मरीजों को मीठी चीजें कम से कम खाने की सलाह दी जाती है, ताकि उनका ब्लड शुगर लेवल कंट्रोल में रहे. परफेक्ट डाइट प्लान के जरिए डायबिटीज को कंट्रोल करने में मदद मिल सकती है. डायबिटीज के मरीजों को फल भी खाने चाहिए. आमतौर पर लोग सोचते हैं कि फल मीठे होते हैं और फल खाने से शुगर लेवल तेजी से बढ़ सकता है, लेकिन ऐसा नहीं है. कई फल मीठे होते हैं, लेकिन शुगर के मरीजों के लिए फायदेमंद होते हैं. अब सवाल उठता है कि क्या केला डायबिटीज के मरीजों के लिए फायदेमंद होता है. क्या शुगर के मरीजों को केला खाना चाहिए. अगर हां, तो एक दिन में कितने केले खाना सुरक्षित माना जा सकता है.

डायबिटीज के मरीज भी कम मात्रा में केला खा सकते हैं. केला स्वाद में मीठा होता है और उसमें कार्ब्स की काफी मात्रा होती है. हालांकि केला का ग्लाइसेमिक इंडेक्स कम होता है, जिसकी वजह से डायबिटीज के मरीज भी केला खा सकते हैं. केला में फाइबर समेत कई जरूरी पोषक तत्वों की मात्रा काफी होती है, जिससे शुगर के मरीजों को बड़े फायदे मिल सकते हैं. शुगर के मरीज एक मीडियम साइज का केला प्रतिदिन खा सकते हैं. हालांकि जिन लोगों को ब्लड शुगर फ्लक्चुएशन की परेशानी है, वे ऐसा करने से पहले डाइटिशियन या डॉक्टर से इस बारे में कंसल्ट करने के बाद ही केला का सेवन करें.

कच्चा केला ज्यादा फायदेमंद

डाइटिशियन की मानें तो कच्चे केले का सेवन करना पके केले की तुलना में ज्यादा फायदेमंद हो सकता है. डायबिटीज के मरीज अगर कच्चा केला खाएंगे, तो उनके ब्लड शुगर में तेजी से बढ़ोतरी नहीं होगी और शरीर को जरूरी पोषक तत्व मिल जाएंगे. हरे केले में रेसिस्टेंट स्टार्च होता है जो ब्लड शुगर को नहीं बढ़ाता है और लॉन्ग-टर्म ब्लड शुगर मैनेजमेंट को सुधार सकता है. पके हुए केले में शुगर की मात्रा ज्यादा होती है, जिससे ब्लड शुगर बढ़ सकती है. इसलिए पके केले का सेवन कम ही करना चाहिए. आप डायबिटिक हैं और आपके डॉक्टर केला खाने के लिए हां कहते हैं, तो केला अत्यधिक मात्रा में न खाएं.

इन बातों का भी रखें ध्यान

एक्सपर्ट की मानें तो डायबिटीज के मरीज केला समेत सभी फल मॉडरेशन में खा सकते हैं. हालांकि अपनी डाइट में बदलाव करने से पहले डॉक्टर से बात अवश्य करें. केले को किसी हेल्दी फैट या प्रोटीन सोर्स के साथ खाने से सेहत को ज्यादा फायदा होगा. आप केले को बादाम, पीनट बटर, पिस्ता, सूरजमुखी के बीज या वॉलनट्स के साथ खाएं, तो सेहत दुरुस्त हो सकती है. इसके अलावा पोर्शन साइज का ध्यान रखें. कोई भी चीज हद से ज्यादा खाने पर शरीर के लिए नुकसानदायक हो सकती है. इसलिए शुगर के मरीज खाने-पीने में विशेष सावधानी बरतें.

लंबे समय से सिर दर्द से परेशान हैं

प्रश्न : मेरी उम्र 18 वर्ष है। धूप में जाने से चेहरा वह हाथ पैर लाल हो जाते हैं और दाने निकल आते हैं - क्या करूं?

- पी मनोहरा, खम्मम

उत्तर : कई व्यक्तियों को धूप सहन नहीं होती और धूप में जाने से त्वचा का रंग लाल होने लगता है। धूप में मौजूद अल्ट्रावायलेट किरणों के कारण ऐसा होता है। कई बार अनूर्जता के चलते दाने निकल आते हैं, पूरी त्वचा पर। ऐसे में सबसे पहले आप धूप में ना जाएं। यदि जाना अत्यावश्यक हो तब छाते और धूप के चश्मे का प्रयोग करें। एलोवेरा जेल चेहरे पर लगाएं । दाडिमावलेह, फ्रीजी सिरप, ऊंझा गुलकंद (प्रवाल युक्त) का प्रयोग पित्त के प्रकोप को शांत रखता है। अतः इनका प्रयोग करें। शरीर में पानी की मात्रा बनाए रखें। नींबू की शिकंजी, ठंडाई, छांच या कैरी का पना लिया करें। धुपेलियों पर नीम तुलसी पाउडर का छिड़काव करें। ऊंझा चंदनकल्प सिरप पैत्तिक विकारों को शांत करता है।

प्रश्न : मैं लंबे समय से सिर दर्द से परेशान हूं। कृपा कर आयुर्वेदिक चिकित्सा बताएं।

- अमित नायडू, महबूबनगर

उत्तर : वात, पित्त, कफ व रक्तदोष की दुष्टि होने पर शिरशूल यानी सिर दर्द होता है। यह क्षय और कृमि रोग में एक लक्षण के रूप में होता है।

1 ग्राम गोदंती भस्म को 4 से 6 ग्राम शहद में मिलाकर दिन में तीन बार चाटने से बहुत आराम मिलता है। ऊंझा शिरशूलादि वज्र रस टिकिया, ऊंझा सूतशेखर रस को पथ्यादि काढ़ा के साथ सुबह-शाम लेने से भयंकर से भयंकर सिर दर्द दूर हो जाता है। दही, पनीर, चॉकलेट, ठंडे पेय पदार्थ, आइसक्रीम, कुल्फी, फ्रिज के ठंडे पानी आदि का हमेशा परहेज करें । यह ध्यान रखें कि कौन से खाद्य पदार्थ व कैसी स्थितियां सिर दर्द को बढ़ा रही है। भविष्य में ऐसे व्यंजनों व स्थितियों से दूर रहा करें।

प्रश्न : मुझे पिछले दो महीने से हल्का सा बुखार रहता है। एलोपैथिक दवाओं से बुखार नहीं जा रहा है। शरीर दिन प्रतिदिन कमजोर होता जा रहा है। कृपा कर आयुर्वेदिक उपचार बताएं।

- श्रीमती सुमन शर्मा, वरंगल

उत्तर : लंबे समय तक हल्का ज्वर बना रहना आंत्रिक ज्वर, राजयक्ष्मा, नाड़ी ज्वर, धातुगत ज्वर आदि के लक्षण है। इसलिए पहले निश्चयात्मक निदान आवश्यक है । रोग का निदान हो जाने पर चिकित्सा आसान हो जाती है। वैसे पुराने ज्वरों में ऊंझा ब्राम्ही स्वर्ण वटी, वसंत मालती रस एवं औरा गिलोय घनवटी को सुबह शाम गुनगुने पानी से देवें। हल्के भोजन के बाद ऊंझा अमृतारिष्ट 15 से 20 मिलीलीटर की मात्रा में आधे कप गुनगुने पानी में मिलाकर पिलाएं। ऊंझा संशमनी वटी, तुलसी घनवटी एवं स्वर्ण मालिनी वसंत रस भी दिया जा सकता है। यह चिकित्सा क्रम कम से कम एक मंडल (40 दिन) देवें। पुराने से पुराने ज्वर भी अवश्य शांत होगा।

डॉ.च.पुरुषोत्तम बिदादा

email : purushottambidada@gmail.com

आप अपनी स्वास्थ्य समस्याओं का यदि आयुर्वेदिक इलाज चाहते हैं तो अपनी समस्या संक्षेप में हमें लिखकर भेजें। अपने पत्र पर नीचे दिया गया कूपन अवश्य कचपकाएं।

आयुर्वेदिक स्वास्थ्य प्रश्नोत्तरी
स्वतंत्र वार्ता
396, लोअर टैंक बंड,
हैदराबाद-80

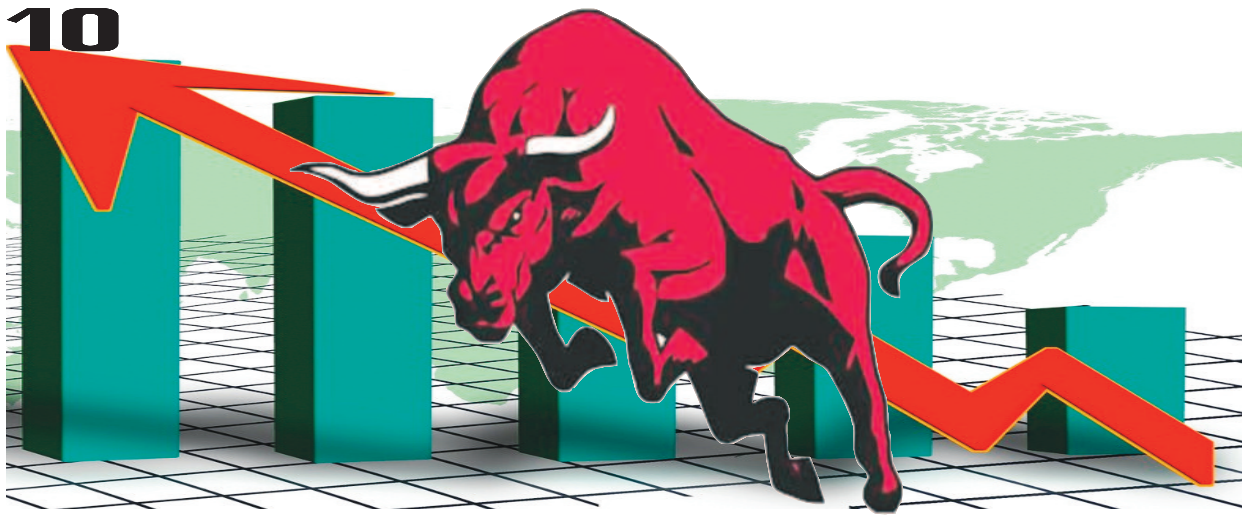

51,000 लोगों को मिलेगी सरकारी नौकरी

जानें कब पीएम मोदी बांटेंगे अपॉइंटमेंट लेटर

नई दिल्ली, 25 सितंबर (एजेंसियां)। मंगलवार 26 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रोजगार मेला कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे और करीब 51,000 नवनियुक्त रिक्रूटर्स को अपॉइंटमेंट लेटर देंगे। नई दिल्ली के रायसीना रोड स्थित नेशनल मीडिया सेंटर में ये कार्यक्रम आयोजित होगा और प्रधानमंत्री मोदी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए ये नियुक्ति पत्र देंगे।

कितने बजे होगा कार्यक्रम

सुबह 10 बजकर 15 मिनट पर दिल्ली के नेशनल मीडिया सेंटर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विभिन्न सरकारी मंत्रालयों और संस्थानों में नवनियुक्त रिक्रूटर्स को उनके नियुक्ति पत्र बांटेंगे। वर्चुअल माध्यम से होने वाले इस कार्यक्रम में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए इन अपॉइंटमेंट लेटर का बंटवारा किया जाएगा।

पिछले कुछ समय से आयोजित हो रहे हैं रोजगार मेला

इससे पिछली बार 28 अगस्त 2023 को रोजगार मेला आयोजित किया गया था और इसमें भी 51,000 युवाओं को देश में सरकारी नौकरी के अपॉइंटमेंट लेटर दिए गए थे। इस दिन मुख्य रूप से गृह मंत्रालय में विभिन्न केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के नवनियुक्तों को ज्वॉइंनिंग लेटर दिया गया था। इसके तहत सीआरपीएफ, बीएसएफ, एसएसबी, असम राइफल्स, सीआईएसएफ, आईटीबीपी, एनसीबी और दिल्ली पुलिस में युवाओं को भर्ती दी गई थी।

करीब 6 लाख लोगों को दिए जा चुके नियुक्ति पत्र

28 अगस्त तक देश में आठ रोजगार मेला आयोजित किए जा चुके थे और तब तक कुल 5.5 लाख से ज्यादा लोगों को नियुक्ति पत्र दिए गए। इसके बाद 28 अगस्त को आयजित रोजगार मेला में 51,000 लोगों को ज्वॉइनिंग लेटर दिए गए जिसका अर्थ है कि कुल 6 लाख लोगों को सरकारी नौकरी के नियुक्ति पत्र जारी कर दिए गए थे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संबोधन हो सकता है

देश में कुछ समय से जारी रोजगार मेला के तहत अधिकांश बार युवाओं या नवनियुक्त कर्मचारियों को वर्चुअल माध्यम से ज्वॉइनिंग लेटर या अपॉइंटमेंट लेटर जारी किए गए हैं। इन अवसरों पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संबोधन भी होता है और वो देश में रोजगार की स्थिति के विषय में भी चर्चा करते हैं।

हरदीप पुरी ने लॉन्च की हाइड्रोजन ईंधन सेल से चलने वाली बस, कहा- घरेलू मांग चार गुना बढ़ेगी

नई दिल्ली, 25 सितंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने सोमवार को राष्ट्रीय राजधानी में पहली ग्रीन हाइड्रोजन ईंधन सेल बस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।इस मौके पर उन्होंने कहा कि हाइड्रोजन को भविष्य का ईंधन माना जाता है। इसमें भारत को अपने डीकार्बोनाइजेशन लक्ष्यों को पूरा करने में मदद करने की अपार क्षमता है। वर्ष 2050 तक हाइड्रोजन की वैश्विक मांग चार से सात गुना बढ़कर 50-80 करोड़ टन होने की उम्मीद है।उन्होंने कहा कि घरेलू मांग मौजूदा 60 लाख टन से बढ़कर 2050 तक चार गुना बढ़कर 250-280 लाख टन होने की उम्मीद है। मंत्रालय के तहत सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियां 2030 तक सालाना लगभग 10 लाख टन हरित हाइड्रोजन का उत्पादन करने में सक्षम होंगी।केंद्रीय मंत्री ने कहा कि शीघ्र ही एनसीआर क्षेत्र में अतिरिक्त 15 ईंधन सेल बसें संचालित करने की योजना बनाई जा रही है।उन्होंने कहा, हरित हाइड्रोजन से चलने वाली यह बस देश में शहरी परिवहन का चेहरा बदलने जा रही है। मैं राष्ट्रीय महत्व की इस परियोजना की बारीकी से निगरानी करूंगा। पुरी ने कहा कि मंत्रालय ने हरित हाइड्रोजन के क्षेत्र में अग्रणी पहल की है और हम रिफाइनरियों में हरित हाइड्रोजन का उत्पादन और उपयोग करने के अपने प्रयासों में तेजी ला रहे हैं। पुरी ने बताया कि इसके अलावा, प्राकृतिक गैस पाइपलाइनों में हाइड्रोजन मिश्रण, इलेक्ट्रोलाइज़र आधारित प्रौद्योगिकियों के स्थानीयकरण, हरित हाइड्रोजन उत्पादन के लिए जैव-मार्गों को बढ़ावा देने से संबंधित परियोजनाओं को आक्रामक रूप से आगे बढ़ाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि ईंधन सेल बस को बिजली देने के लिए बिजली उत्पन्न करने के लिए हाइड्रोजन और हवा का उपयोग करता है। बस से निकलने वाला एकमात्र अपशिष्ट पानी है। इसलिए यह डीजल से चलने वाली पारंपरिक बसों की तुलना में परिवहन का संभवतः सबसे पर्यावरण अनुकूल तरीका है। मंत्री ने आगे बताया कि आंतरिक दहन इंजन की तुलना में ईंधन सेल अत्यधिक कुशल हैं। पारंपरिक इंजनों की तापीय दक्षता 25 प्रतिशत है जबकि ईंधन सेल की विद्युत दक्षता 55-60 प्रतिशत है। पुरी ने कहा कि इन बसों में ढाई-तीन किमी/लीटर डीजल बसों की तुलना में 12 किमी/किलोग्राम हाइड्रोजन की उच्च ईंधन अर्थव्यवस्था होगी। इसके अतिरिक्त, हाइड्रोजन ईंधन से चलने वाले वाहन को कुछ ही मिनटों में फिर से भरा जा सकता है। लगभग उतनी ही तेजी से जितनी तेजी से आंतरिक दहन इंजन में पेट्रोल या डीजल भरा जा सकता है।

चीनी की कीमतों में उछाल से बढ़ी शुगर्स कंपनियों के शेयरों की मिठास, 8 फीसदी तक चढ़े स्टॉक्स

नई दिल्ली, 25 सितंबर (एजेंसियां)। त्योहारी सीजन में चीनी की कीमतों में उछाल देखा जा रहा है तो इस वजह से हफ्ते के पहले कारोबारी सत्र में चीनी कंपनियों के स्टॉक्स की मिठास और बढ़ गई है. चीनी कंपनियों के स्टॉक्स 7 फीसदी की तेजी के साथ ट्रेड कर रहे. डालमिया भारत शुगर्स से लेकर बलराम चीनी और श्री रेणुका शुगर्स के स्टॉक में जोरदारी तेजी देखने को मिल रही है।

7 फीसदी तक उछले चीनी शेयर्स

25 सितंबर 2023 को डालमिया भारत शुगर्स का शेयर 7.62 फीसदी के उछाल के साथ 460.50 रुपये, बलरामपुर चीनी 6.65 फीसदी के उछाल के साथ 441.80 रुपये, धामपुर शुगर मिल्स 6.19 फीसदी के उछाल के साथ 320 रुपये, आंध्र शुगर्स 6.10 फीसदी के साथ 125.30 रुपये, बजाज हिंदुस्तान 5.50 फीसदी के उछाल के साथ 27.22 फीसदी, उत्तम शुगर्स 7.15 फीसदी की तेजी के साथ 443 रुपये और श्री रेणुका शुगर्स 3.33 फीसदी के उछाल के साथ 56.10 रुपये पर कारोबार कर रहा है।

चीनी के प्रोडक्शन में कमी की आशंका

चीनी के प्रोडक्शन में गिरावट की आशंका जाहिर की जा रही है इसलिए कीमतों में उछाल है. भारत में खराब मौसम के चलते चीनी के उत्पादन में गिरावट देखने को मिल सकती है. साथ ही ब्राजील जो कि दुनिया का दूसरा बड़ा चीनी का उत्पादक देश है वहां भी चीनी के प्रोडक्शन में कमी की आशंका जताई जा रही है. ऐसे में प्रोडक्शन में कमी के चलते अंतरराष्ट्रीय बाजार में चीनी की कीमतों में तेजी उछाल की संभावना जताई जा रही है. यही कारण है कि चीनी कंपनियों के शेयरों की मिठास बढ़ी हुई है।

चीनी पर सरकार सख्त

पिछले हफ्ते भारत सरकार ने चीनी की कीमतों और जमाखोरी पर शिंकजा कसने के लिए चीनी के ट्रेडर्स, होलसेलर्स और प्रोसेसर्स के लिए हर सोमवार को चीनी के स्टॉक घोषित करना जरुरी कर दिया है. त्योहारों सीजन और पांच राज्यों में विधानसभा चुनावों के देखते हुए सरकार चीनी को लेकर सख्त होती जा रही है. सरकार का कहना है कि वो उपभोक्ताओं को उचित दाम पर चीनी उपलब्ध कराने के लिए समर्पित है. लेकिन सरकार के तमाम प्रयासों के बावजूद चीनी की कीमतों में उछाल जारी है।

20 फीसदी तक महंगा हुआ चीनी

सरकारी आंकड़ों के मुताबिक एक जनवरी 2023 को चीनी का औसत मुल्य 41.45 रुपये किलो था जो 24 सितंबर 2023 को 43.35 रुपये किलो में मिल रहा है. यानि नौ महीने में चीनी की कीमतों में 5.31 फीसदी का उछाल आ चुका है. वहीं अधिकत्तम मुल्य एक जनवरी 2023 को 50 रुपये प्रति किलो था जो 24 सितंबर को 60 रुपये प्रति किलो में मिल रहा है. यानि चीनी के अधिकतम मुल्य में 20 फीसदी का उछाल देखने को मिला है. स्पष्ट है चीनी की बढ़ती कीमतें त्योहारों पर महंगाई बढ़ा सकती है पर चीनी स्टॉक्स में निवेश करने वाले निवेशकों को ये ताजी रास आ रहा है।

अक्तूबर में भी स्थिर रह सकता है रेपो रेट ! एसबीआई की रिसर्च रिपोर्ट में दावा

नई दिल्ली, 25 सितंबर (एजेंसियां)। भारत के केंद्रीय बैंक रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की मौद्रिक नीति समिति की बैठक अक्तूबर के पहले सप्ताह में होगी। एसबीआई की एक रिसर्च रिपोर्ट में दावा किया गया है कि अक्तूबर में होने वाली बैठक में भी रिजर्व बैंक रेपो रेट को स्थिर रख सकता है। रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति की बैठक 4-6 अक्तूबर को होनी प्रस्तावित है। रिजर्व बैंक आमतौर पर एक वित्तीय वर्ष में छह द्विमासिक बैठकें करता है। इन बैठकों में ही रिजर्व बैंक ब्याज दर, धन के प्रवाह, महंगाई और विभिन्न आर्थिक संकेतकों पर फैसले करता है।

क्या है एसबीआई रिसर्च रिपोर्ट में

एसबीआई की रिसर्च रिपोर्ट में कहा गया है कि घरेलू स्तर पर हम उम्मीद कर रहे हैं कि रेपो रेट 6.50 प्रतिशत पर स्थिर रह सकती है और यहां इसके लंबे समय तक स्थिर रहने की उम्मीद है क्योंकि महंगाई पहले के मुकाबले कम हो रही है। यह रिसर्च रिपोर्ट एसबीआई के मुख्य आर्थिक सलाहकार सौम्य कांति घोष ने तैयार की है। इस रिपोर्ट में सौम्य कांति घोष ने कहा है कि हमारा मानना है कि रिजर्व बैंक अभी यथास्थिति को बरकरार रखेगा क्योंकि वित्तीय वर्ष 2023-24 में महंगाई दर 5 प्रतिशत से कम रह सकती है। रिपोर्ट में विकास दर के भी मजबूत रहने की उम्मीद जताई गई है। साथ ही तेल की कीमतों के भी स्थिर होने की उम्मीद की गई है।

पिछली बैठकों में भी नहीं हुए थे रेपो रेट में बदलाव

बता दें कि रिजर्व बैंक की अप्रैल, जून और अगस्त में हुई बैठकों में भी रेपो दर में कोई बदलाव नहीं किए गए और यह 6.5 प्रतिशत पर बनी रही। रेपो रेट, वो ब्याज दर है, जिस पर रिजर्व बैंक अन्य बैंकों को लोन देता है। रेपो रेट बढ़ने का मतलब है कि बैंकों की ब्याज दर बढ़ेगी और फिर बैंक भी अपने ग्राहकों की ब्याज दर बढ़ाएंगे। इस तरह रेपो दर में बदलाव का सीधा असर आम जनता पर पड़ता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि बढ़ती महंगाई पूरी दुनिया के लिए चिंता का विषय है लेकिन भारत ने इस मामले में अच्छा प्रदर्शन किया है और महंगाई को काबू में रखा है। अब महंगाई दर में कमी आ रही है और आने वाले दिनों में इसके और कम होने की उम्मीद है।

यूनिटेक मामलाः यूनिटेक पर ईडी की तलवार, 125 करोड़ रुपये की संपत्ति अस्थायी रूप से कुर्क

नई दिल्ली, 25 सितंबर (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने यूनिटेक इन्फोपार्क लिमिटेड की 125.06 करोड़ रुपये की जमीन अस्थायी रूप से कुर्क कर ली है। ईडी ने चेन्नई के नल्लामबक्कम में यूनिवर्ल्ड सिटी टाउनशिप का हिस्सा 4.79 एकड़ जमीन का 39.83 प्रतिशत हिस्सा अस्थायी रूप से जब्त कर लिया है।यूनिटेक समूह और इसके प्रवर्तकों के खिलाफ घर खरीदारों की शिकायतों के आधार पर दिल्ली पुलिस और केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा दर्ज कई प्राथमिकियों से धन शोधन का यह मामला सामने आया था। ईडी ने इस विषय में एक निचली अदालत में आरोपपत्र दाखिल किया था। ईडी ने आरोप लगाया है कि आवासीय परियोजना के लिए घर खरीदारों से एकत्र किए गए धन को उस उद्देश्य के लिए उपयोग नहीं किया गया और इस तरह उनके साथ धोखाधड़ी की गई तथा आरोपियों ने धनशोधन का अपराध किया है। प्रीति चंद्रा के खिलाफ यह आरोप है कि उन्हें अपराध की आय के रूप में अपनी कंपनी प्राकौसली इन्वेस्टमेंट प्राइवेट लिमिटेड में 107 करोड़ रुपये प्राप्त हुए, लेकिन धन के उपयोग का खुलासा नहीं किया गया।

चंद्रा की बेनामी कंपनी के पास 39.83 प्रतिशत शेयर

ईडी ने सोमवार को कहा कि कुर्क की गई जमीन की कीमत 125.06 करोड़ रुपये है। उक्त जमीन का स्वामित्व यूनिटेक इन्फोपार्क लिमिटेड के पास है। इसमें 39.83 प्रतिशत शेयर नारनिल इन्फोसॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड (यूनिटेक समूह के प्रवर्तक चंद्रा की बेनामी कंपनी) के पास हैं।

'पायलटों और अकासा एयर के बीच रोजगार समझौते में हस्तक्षेप नहीं करेंगे', डीजीसीए ने कही ये बात

नई दिल्ली, 25 सितंबर (एजेंसियां)। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने दिल्ली उच्च न्यायालय को बताया है कि नियामक पायलटों और 'अकासा एयर' के बीच रोजगार समझौते में हस्तक्षेप नहीं कर सकता। आकासा एयर ने नोटिस अवधि पूरी किए बिना इस्तीफा देने वाले पायलटों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। डीजीसीए ने कहा कि यह संबंधित पक्षों के हित में होगा कि याचिकाकर्ता कंपनी 'अकासा एयर' उड़ान संचालन को बनाए रखने के लिए आवश्यक संख्या में पायलट नहीं होने पर सीमित संचालन बनाए रखने संबंधी डीजीसीए के आदेश का अनुपालन करे। डीजीसीए ने नई विमानन कंपनी 'अकासा एयर' की एक याचिका के जवाब में अपनी लिखित दलीलें दायर कीं। अकासा एयर की याचिका में कहा गया है कि अनिवार्य नोटिस अवधि पूरी किए बिना अचानक 43 पायलटों के इस्तीफा देने से कंपनी संकट की स्थिति में है। न्यायमूर्ति मनमीत प्रीतम सिंह अरोड़ा ने 19 सितंबर को कंपनी की याचिका पर अपना आदेश सुरक्षित रख लिया था और पक्षों से अपनी लिखित दलीलें दाखिल करने को कहा था। कंपनी और उसके सीईओ विनय दुबे ने 14 सितंबर को उच्च न्यायालय में याचिका दायर की थी, जिसमें डीजीसीए को गैर-जिम्मेदाराना कार्यों के लिए इन पायलटों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई करने का निर्देश देने का अनुरोध किया गया था।

पूरे दिन उठापटक के बाद मामूली तेजी के साथ बंद हुआ बाजार, बैंकिंग मिडकैप स्टॉक्स में लौटी रौनक, बजाज फाइनेंस में जोरदार उछाल

नई दिल्ली, 25 सितंबर (एजेंसियां)। हफ्ते का पहला कारोबारी सत्र में भारतीय शेयर बाजार के मिलाजुला रहा है. पूरे दिन बाजार में उठापटक देखने को मिला है. कारोबार खत्म होने पर भारतीय शेयर बाजार मामूली तेजी के साथ बंद हुआ है. पर आज के कारोबार में बैंकिंग और मिड कैप स्टॉक्स में जोरदार खरीदारी देखने को मिली है. फाइनेंशियल सेक्टर के स्टॉक्स भी शानदारी तेजी के साथ बंद हुए. आज का कारोबार खत्म होने पर बीएसई सेंसेक्स 14.54 अंकों की तेजी के साथ 66023 तो नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी मामूली तेजी के साथ 19,674 अंकों पर क्लोज हुआ है. आज बजाज फाइनेंस 4य64 फीसदी और बजाज फिनसर्व 2.23 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुआ है. आज के ट्रेड में बैंकिंग स्टॉक्स में खरीदारी के चलते निफ्टी बैंक 154 अंकों के उछाल के साथ 44,766 अंकों पर क्लोज हुआ है तो निफ्टी फाइनेंशियल सर्विस इंडेक्स 110 अंकों के उछाल के साथ 19,842 अंकों पर क्लोज हुआ है. कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और हेल्थकेयर सेक्टर के स्टॉक्स भी तेजी के साथ बंद हुए. गिरने वाले सेक्टर पर नजर डालें तो आईटी, ऑटो, ऑयल एंड गैस, फार्मा सेक्टर के स्टॉक्स गिरकर क्लोज हुए. आज के ट्रेड में मिडकैप इंडेक्स में शानदार तेजी देखने को मिली है. निफ्टी मिडकैप इंडेक्स 266 अंक या 0.66 फीसदी के उछाल के साथ 40,405 अंकों पर बंद हुआ है. जबकि स्मॉल कैप इंडेक्स लाल निशान में क्लोज हुआ है. आज के ट्रेड में सेंसेक्स के 30 शेयरों में 15 स्टॉक्स तेजी के साथ और 15 गिरकर बंद हुए. जबकि निफ्टी के 30 शेयरों में 24 तेजी के साथ और 26 लाल निशान में बंद हुए. आज के ट्रेड में निवेशकों की संपत्ति में उछाल देखने को मिला है. बीएसई पर लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप 317.99 लाख करोड़ रुपये पर क्लोज हुआ है। जबकि पिछले ट्रेडिंग सेशन में मार्केट कैप 316.05 लाख करोड़ रुपये रहा था।

आज चारों खाने चित हुआ सोना, चांदी भी हुई सस्ती

खरीदारी से पहले देखें क्या हैं 10 ग्राम गोल्ड के भाव

नई दिल्ली, 25 सितंबर (एजेंसियां)। एक समय सोने के भाव 59 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर को पार कर गए थे। अब दोबारा सोने की कीमत 58 हजार रुपये के करीब पहुंच रही है। हालांकि बीते महीनों में सोने के भाव में उछाल देखा गया है। अगर आप सोना खरीदने की सोच रहे हैं तो एक बार इसके लेटेस्ट रेट जरूर चेक कर लें। यहां हम आपको सोने और चांदी की कीमतों के बारे में पूरी जानकारी देने जा रहे हैं। जिससे आपको किसी तरह की कोई समस्या न हो।एमसीएक्स एक्सचेंज पर सोमवार की सुबह 5 अक्टूबर 2023 को डिलीवरी वाला सोना गिरावट के साथ 58884 रुपये प्रति 10 ग्राम पर खुला है। यह बीते शुक्रवार की शाम को 58946 रुपये के भाव पर बंद हुआ था। वहीं 5 दिसंबर 2023 को डिलीवरी वाला सोना आज गिरावट के साथ 59350 रुपये प्रति 10 ग्राम पर खुला है। यह शुक्रवार की शाम को 59395 रुपये के भाव पर बंद हुआ था।

क्या है चांदी का भाव

चांदी की कीमतों में सोमवार को गिरावट देखी जा रही है। एमसीएक्स पर सोमवार की सुबह 5 सितंबर 2023 को डिलीवरी वाली चांदी का भाव गिरावट के साथ 73251 रुपये प्रति किलोग्राम के भाव पर खुला है। यह शुक्रवार की शाम को 73337 रुपये के भाव पर बंद हुआ था। वहीं 5 दिसंबर 2023 को डिलीवरी वाली चांदी का भाव 74674 रुपये प्रति किलोग्राम पर खुला है।

गोल्ड के वैश्विक भाव

सोने की वैश्विक कीमतों में भी सोमवार को गिरावट देखी जा रही है। कॉमेक्स पर सोने का वैश्विक वायदा भाव 0.16 फीसदी या 3.20 डॉलर की गिरावट के साथ 1,942.40 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड करता दिखा। वहीं, सोने का वैश्विक हाजिर भाव 1923.44 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड करता दिखा। कॉमेक्स पर चांदी का वैश्विक वायदा भाव में सोमवार को गिरावट है। कॉमेक्स पर सोमवार की सुबह चांदी 0.35 फीसदी या 0.08 डॉलर की गिरावट के साथ 23.76 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड करती दिखी। वहीं, चांदी की वैश्विक हाजिर कीमत भी गिरकर 23.50 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड करती दिखी।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2080
शक संवत् -1945, सूर्य - दक्षिणायने ,ऋतु- शरद
महावीर निर्वाण संवत् -2549,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000
भोग्य कलि वर्ष-426876
सूर्योदय- 06-09
सूर्य अस्त- 18-05
कलियुग संवत् -5124 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949124
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885124
दिशाशूल -- उत्तर - गुड खाकर घर से निकले
तिथि- द्वादशी - 01 -45 तक उपरान्त त्रयोदशी
मास - भाद्रपद शुक्ल पक्ष , मंगलवार 26 September
नक्षत्र - श्रवण - 09-41 -तक उपरान्त धनिष्ठा
योग - सुकर्मा - 11 - 45 - तक उप धृति
करण- बव - 15 -25 - तक उप- बालव
विशेष:- पद्मा जलझूलनी ११ व्रत वै.
व्रत -त्योहार - श्री वामन ज.वामन द्वादशी

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	कन्या में	सिंह....	05-33 बजे
चंद्र-	मकर में	कन्या..	07-40 बजे
मंगल	कन्या में	तुला....	09-48 बजे
बुध-	सिंह में	वृश्चिक.	12-02 बजे
गुरु-	मेष में	धनु......	14-09 बजे
शुक्र-	कर्क में	मकर..	15-59 बजे
शनि-	कुंभ में	कुंभ....	17-37 बजे
राहु-	मेष में	मीन....	19-13 बजे
केतु-	तुला में	मेष--	20-58 बजे
		वृष--	23-07 बजे
		मिथुन..	01-11 बजे
		कर्क....	03-23 बजे

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 15:08 से 16:38 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	06:09 - 07:37	अशुभ	काल.	18:05 - 19:38	अशुभ
उत्पात	07:37 - 09:07	अशुभ	लाभ	19:38 - 21:08	शुभ
चंचल	09:07 - 10:37	शुभ	उत्पात	21:08 - 22:38	अशुभ
लाभ	10:37 - 12:07	शुभ	शुभ	22:38 - 00:07	शुभ
अमृत	12:07 - 13:38	शुभ	अमृत.	00:07 - 01:37	शुभ
काल.	13:38 - 15:08	अशुभ	चंचल.	01:37 - 03:07	शुभ
शुभ.	15:08 - 16:38	शुभ	रोग.	03:07 - 04:37	अशुभ
रोग	16:38 - 18:05	अशुभ	काल	04:37 - 06:09	अशुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
विजय उत्सव आपको अत्यधिक आनंद देगा। आप अपनी खुशी का आनंद लेने के लिए इस खुशी को दोस्तों के साथ साझा कर सकते हैं। घरेलू सुख-सुविधाओं पर अधिक खर्च न करें। एक सुखद और शानदार शाम के लिए आपके घर मेहमानों की भीड़ उमड़ रही है। रोमांटिक यादें आपके दिन को व्यस्त रखेंगी।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
आपका शंकालु स्वभाव आपको पराजय का मुंह दिखा सकता है। केवल उन लोगों की उपेक्षा करें जो आपसे अस्थायी ऋण के लिए संपर्क करते हैं। मेहमान आपके घर आएंगे, जिससे आपका दिन ख़ुशनुमा और शानदार रहेगा। घर के कामों से बचना और पैसों को लेकर तकरार आपके वैवाहिक जीवन को नुकसान पहुंचा सकता है।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
तनाव को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। यह तेजी से तंबाकू और शराब जैसी गंभीर महामारी बनती जा रही है। वित्तीय समस्याएं रचनात्मक सोचने की आपकी क्षमता को बर्बाद कर देती हैं। यदि आप कार्यालय में अतिरिक्त समय बिताएंगे तो आपका घरेलू जीवन प्रभावित होगा।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
अपने ऊँचे आत्मविश्वास का आज सदुपयोग करने का प्रयास करें। भागदौड़ भरे दिन के बावजूद भी आप अपनी ऊर्जा वापस पाने में सक्षम होंगे। आज किया गया निवेश आपकी समृद्धि और आर्थिक सुरक्षा को बढ़ाएगा। घरेलू मामले आपके दिमाग पर छाए रहेंगे और प्रभावी ढंग से काम करने की आपकी क्षमता को बर्बाद कर देंगे।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
हवा महल बनाने में अपना समय बर्बाद मत करो। बल्कि कुछ सार्थक करने के लिए अपनी ऊर्जा का संरक्षण करें। ऐसी वस्तुएँ ख़रीदने के लिए उत्तम दिन है, जिनकी क़ीमत में वृद्धि होगी। जरूरत पड़ने पर दोस्त आपकी मदद के लिए आएंगे। अचानक हुई रोमांटिक मुलाक़ात आपको भ्रमित कर सकती है।

कन्या टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,
आपको ऐसे काम करने चाहिए जो आपकी सेहत और लुक्स को बेहतर बनाने में आपकी मदद करें। आज आप आसानी से पूंजी जुटा सकते हैं- बकाया कर्ज इकट्ठा कर सकते हैं- या नई परियोजनाओं पर काम करने के लिए धन मांग सकते हैं। कुछ लोग क्षमता से अधिक वादे करने की प्रवृत्ति रखते हैं- ऐसे लोगों को भूल जाइए जो सिर्फ बातें करते हैं।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
आपका व्यक्तित्व आज किसी इत्र की तरह काम करेगा। आर्थिक कठिनाइयाँ आलोचना और तर्क-वितर्क का कारण बन सकती हैं- ऐसे लोगों को ना कहने के लिए तैयार रहें जो आपसे बहुत अधिक उम्मीद रखते हैं। नया लुक- नया पहनावा- आज आपके नए दोस्त बन सकते हैं।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
यदि आप पर्याप्त आराम नहीं कर रहे हैं तो आप अत्यधिक थकान महसूस करेंगे और आपको अतिरिक्त आराम की आवश्यकता होगी। बड़े समूह में शामिल होना काफ़ी मज़ेदार रहेगा- लेकिन आपके ख़र्चों में बढ़ोतरी होगी। दोस्तों के साथ शाम काफ़ी मनोरंजक और आनंद से भरी रहेगी।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
आपका तल्ख़ बर्ताव पत्नी के साथ रिश्ते बिगाड़ सकता है। कुछ भी मूर्खतापूर्ण करने से पहले अपने व्यवहार के नतीजों के बारे में सोचें। हो सके तो अपना मूड बदलने के लिए दूर चले जाएं। आप शानदार नए विचारों के साथ आएंगे जो वित्तीय लाभ लाएंगे। आज हर कोई आपका दोस्त बनना चाहता है।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
सीढ़ियां चढ़ते समय अस्थमा के मरीजों को सावधानी बरतनी चाहिए। जल्दबाजी में सीढ़ियां चढ़ने की कोशिश न करें क्योंकि इससे आपको सांस लेने में तकलीफ हो सकती है। शांत तरीके से गहरी सांस लेने और छोड़ने की कोशिश करें। अपने लिए धन संचय करने का आपका विचार आज पूरा हो सकता है।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
चोट से बचने के लिए बैठते समय विशेष ध्यान रखें। इसके अलावा अच्छी मुद्रा न केवल किसी के व्यक्तित्व को निखारती है बल्कि स्वास्थ्य और आत्मविश्वास में सुधार करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। आप अपने परिवार को अपनी आर्थिक स्थिति से अवगत करा सकते हैं। हालांकि आपकी बात सुनकर वे परेशान हो सकते हैं,

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
अवांछित विचार आपके दिमाग पर हावी हो सकते हैं। खुद को शारीरिक व्यायाम में व्यस्त रखने की कोशिश करें क्योंकि खाली दिमाग शैतान का वर्कशॉप होता है। पैसों की कमी आज परिवार में कलह का कारण बन सकती है। ऐसे में परिवार के अन्य सदस्यों से बात करने से पहले अच्छे से सोच लें और उनसे सलाह लें।

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

तिलक से पहले भाऊसाहेब ने शुरू किया था गणेश उत्सव

टाइगर देखने जुट गई भीड़, आज भी 131 साल पुरानी प्रतिमा की पूजा

पुणे, 25 सितंबर (एक्सक्लूसिव डेस्क))। एक हाथ में त्रिशूल, एक हाथ में भाला और एक हाथ में हाथी का दांत, पैरों के नीचे दबा राक्षस और उसके सीने पर प्रहार करते गणपति बप्पा। सामान्य से अलग भगवान गणेश का ये आक्रामक स्वरूप पुणे के बुधवार पेठ में है। 131 साल से इसी प्रतिमा की पूजा होती है। गणपति बप्पा के पैरों के नीचे दबा राक्षस ब्रिटिश साम्राज्य का प्रतीक था। माना जाता है कि महाराष्ट्र में सार्वजनिक गणेश उत्सव मनाने की शुरुआत बाल गंगाधर तिलक ने 1893 में की थी। हालांकि, इससे एक साल पहले 1892 में पुणे के डॉक्टर और आजादी की लड़ाई में शामिल श्रीमंत भाऊसाहेब रंगारी बुधवार पेठ में गणेश उत्सव शुरू कर चुके थे। उनकी कागज की लुगदी और लकड़ी की भूसी से बनाई गणेश प्रतिमा आज भी पंडाल में रखी जाती है। श्रीमंत भाऊसाहेब रंगारी ने एक तबेले से गणेश उत्सव की शुरुआत की थी। पहले दिन सिर्फ 20 लोग आए थे। लोगों को जुटाने के लिए एक ट्रिक निकाली गई। पंडाल में दो टाइगर कब्स यानी शावक बांधे गए। बच्चे इन्हें देखने की जिद करते, तो इसी बहाने बड़े भी गणेश उत्सव में आने लगे। भाऊसाहेब रंगारी का बनाया देश का पहला गणेश मंडल 131 साल बाद किस हाल में है और कैसे एक तबेले से शुरू हुआ ये उत्सव पूरे देश में फैल गया, इसकी पडताल करती रिपोर्ट। 19 सितंबर से शुरू हुए गणेश उत्सव का आज यानी 25 सितंबर को सातवां दिन है। पुणे के सबसे भीड़भाड़ वाले एरिया में शामिल बुधवार पेठ का भाऊ रंगारी मार्ग आम लोगों के लिए बंद है। इसी सड़क पर भव्य पंडाल बना है, जिसमें 10 दिन तक गणेश उत्सव चलेगा। पुणे का प्रसिद्ध 'भाऊसाहेब रंगारी ट्रस्ट' ये आयोजन करता है। 22 सितंबर को महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस यहां दर्शन के लिए आए थे। ट्रस्ट के अध्यक्ष पुनीत बालन गणेश मंडल का इतिहास बताते हैं। वे कहते हैं, 18वीं सदी के आखिर में श्रीमंत भाऊसाहेब रंगारी उर्फ लक्ष्मण जावले चैरिटी क्लिनिक चलाते थे। ये क्लिनिक शनिवार वाड़ा में था। भाऊसाहेब के पास देशभर से मरीज आते थे। उनके घर के पास शॉल का बड़ा बाजार था। यहां शॉल की बुनाई और रंगाई का काम होता था। इसलिए भाऊसाहेब के नाम के आगे 'रंगारी' जुड़ गया।

1857 की क्रांति के बाद भारतीयों पर अंग्रेजों का जुल्म बढ़ गया था। पुनीत बताते हैं, '1892 की शुरुआत में भाऊसाहब के दोस्त सरदार कृष्णाजी काशीनाथ उर्फ नानासाहब ग्वालियर गए थे। वहां उनके घर में गणेश उत्सव मनता था। नानासाहब पुणे लौटे और भाऊसाहेब से मिले। उन्होंने गणेश उत्सव को आजादी की लड़ाई से जोड़ने का आइडिया दिया। उस वक्त ब्रिटिश सरकार धार्मिक आयोजनों की छूट देती थी। भाऊसाहेब को ये आइडिया पसंद आया। उन्होंने बुधवार पेठ में अपने घर एक मीटिंग बुलाई। इसमें अन्नासाहेब पटवर्धन, बालासाहेब नातू, गणपतराव घोटवडेकर, लखुशेठ दंताले, बलवंत सातव, खंडोबा तरवडे, मामा हसबनीस, दगडूशेठ हलवाई और नानासाहेब पटवर्धन शामिल हुए थे।

पुनीत बताते हैं, 'मीटिंग में भाऊसाहेब रंगारी ने सार्वजनिक गणेश उत्सव मनाने की योजना बताई। 1893 में भाऊसाहेब की देखरेख में पुणे में तीन जगह गणेश प्रतिमाओं की स्थापना की गई। श्रीमंत भाऊसाहेब रंगारी गणपति, गणपतराव घोटवडेकर के गणपति, और नानासाहेब भृवले के गणपति।' पुनीत आगे बताते हैं, 'लोकमान्य बालगंगाधर तिलक को सार्वजनिक गणेश उत्सव मनाने का आइडिया बहुत पसंद आया। तिलक ने अगले साल यानी 20 अक्टूबर, 1893 से पुणे के केसरीवाड़ा से 10 दिन चलने वाले गणेश उत्सव की शुरुआत की थी।'

'इससे पहले उन्होंने 26 सितंबर, 1893 को अपने अखबार केसरी में भाऊसाहेब के गणेश उत्सव के बारे में लिखा था। उन्होंने भाऊसाहेब की तारीफ करते हुए कहा- हमें उस महान सदन का आभारी होना चाहिए, जिसने इस साल ये काम किया है।' भाऊसाहेब के ट्रस्ट से जुड़े सूरज रेणुसे बताते हैं कि गणेश उत्सव शुरू करना भाऊसाहेब के लिए बहुत मुश्किल था। पहली बार बप्पा को मंदिर से निकालकर सार्वजनिक रूप से स्थापित करना था। दूसरा गणपति का स्वरूप सौम्य है। भाऊसाहेब रंगारी के बनाए गणपति का रूप बहुत आक्रामक था। वे राक्षस के जरिए

लोगों तक ब्रिटिश साम्राज्य के खात्मे का संदेश देना चाहते थे। भाऊसाहेब के मन में ये बात थी कि पता नहीं लोग बप्पा के इस रूप को स्वीकार करेंगे भी या नहीं। शुरुआत में ब्रिटिश सरकार ही नहीं, समाज के कई लोग गणेशजी की प्रतिमा का विरोध करने लगे। पहले गणेश उत्सव में सिर्फ 20 लोग शामिल हुए थे। हालांकि, धीरे-धीरे लोग साथ आए।' सूरज बताते हैं, '1905 में भाऊसाहेब रंगारी के निधन के बाद ट्रस्ट की जिम्मेदारी उनके दत्तक पुत्र काशीनाथ ठकुजी जाधव ने संभाली। काशीनाथ के निधन के बाद उनके दामाद दादा निकमय को ये जिम्मा मिला। अभी श्रीमंत भाऊसाहेब रंगारी ट्रस्ट में 9 ट्रस्टी हैं। पुनीत बालन बोर्ड के अध्यक्ष हैं।' सूरज बताते हैं, 'हमने भाऊसाहेब की परंपरा को अब तक जिंदा रखा है। गणपति की मूल प्रतिमा 131 साल पुराने रथ में रखकर भवन से बाहर लाई जाती है। उसे 10 दिन तक दर्शन के लिए पंडाल में रखा जाता है। विसर्जन के लिए प्रतिमा के पास ही एक छोटी प्रतिमा रखते हैं। सूरज ने 131 साल पहले बना रथ भी दिखाया। शीशम और सागौन की लकड़ी से बना ये रथ साल में सिर्फ दो बार बाहर निकलता है। बाकी वक्त 'रंगारी भवन' के पिछले हिस्से में रखा रहता है। रथ को सफेद रंग के खिलारी प्रजाति के दो बैल खींचते हैं। बैलों को मेडिकल टेस्ट के बाद चुना जाता है। इनकी देखरेख में ही 50 से 60 लोग लगते हैं।

सूरज बताते हैं, 'शुरुआत में पुणे में सिर्फ 3 गणेश मंडल थे। एक साल बाद 13 हुए और इसके अगले साल 100 से ज्यादा हो गए। पुणे से शुरू हुआ सार्वजनिक गणेश उत्सव 1947 से पहले कराची समेत पाकिस्तान वाले पूरे हिस्से में मनाया जाता था।'

'गणेश उत्सव में डेकोरेशन और लाइटिंग की शुरुआत भाऊसाहेब के बेटे काशीनाथ ठकुजी जाधव ने की थी। पहले लालटेन और दीयों से सजावट की जाती थी, अब इलेक्ट्रिक लाइट्स ने उनकी जगह ले ली है। अब तो पुणे में होने वाले गणेश उत्सव की सजावट का खर्च राज्य सरकार, म्युनिसिपल कॉरपोरेशन और नेता उठाते हैं।' भाऊसाहेब ने मरने से पहले अपनी वसीयत बनवाई थी। इसमें उन्होंने बताया था कि गणेश उत्सव कैसे मनाना है। उन्होंने अपनी पूरी प्रॉपर्टी ट्रस्ट के नाम पर कर दी थी। वसीयत के मुताबिक, कोई भी व्यक्ति ट्रस्ट की प्रॉपर्टी नहीं बेच सकता। ट्रस्ट की कमाई का इस्तेमाल सिर्फ गणेश उत्सव में किया जाएगा। बचे पैसे गरीब बच्चों की पढ़ाई में लगाए जाएं। इसलिए ट्रस्ट आज भी 10 बच्चों की पढ़ाई का खर्च उठाता है।

सूरज रेणुसे बताते हैं, 'रंगारी के गणपति का विसर्जन पुणे के सभी बड़े गणेश मंडलों के विसर्जन के बाद होता है। इसके पीछे भी एक कहानी है। 1894 में मुंबई में हिंदू-मुस्लिम दंगा हुआ था। अंग्रेजों ने इसका फायदा उठाया और गणेश उत्सव बंद करने का ऐलान कर दिया। बाद में शर्तों के साथ गणेश उत्सव और विसर्जन की परमिशन दी। विसर्जन के दौरान कोई गड़बड़ न हो, इसलिए भाऊसाहेब ने पूरे रूट पर हथियारों के साथ अपने लोग खड़े कर दिए थे। पहले दूसरे गणेश मंडलों का विसर्जन करवाया और फिर रंगारी गणपति का विसर्जन किया। तब से ये परंपरा चली आ रही है।' सूरज रेणुसे ने भाऊसाहेब का घर भी दिखाया। अभी इसमें एक म्यूजियम है। सूरज बताते हैं, 'ये घर क्रांतिकारियों का ठिकाना था। यहीं अंग्रेजों से मुकाबले की रणनीति बनती थी। घर के अंदर एक सुरंग थी, जो कई किमी दूर निकलती थी। घर के गेट भी खास तरीके से बने थे। अगर कोई बाहर से जबरन घुसने की कोशिश करता, तो अंदर के सभी दरवाजे अपने आप बंद हो जाते थे।' आजादी के बाद भाऊसाहेब के घर का रिनोवेशन करवाया गया था। तब घर में बने मंदिर की दीवारों से 9 राइफल, 15 पिस्तौल, गोलियां और तलवारें निकली थीं। ये हथियार अंग्रेजों से लूटे गए थे। सभी हथियार 'रंगारी भवन' के एक हिस्से में रखे गए हैं, ताकि लोग उन्हें देख सकें।

महाराष्ट्र में गणेश पूजा की शुरुआत सातवाहन, राष्ट्रकूट, चालुक्य राजवंश ने की थी। हालांकि, तब गणेश उत्सव निजी तौर पर होते थे। छत्रपति शिवाजी भी गणेशजी की उपासना करते थे। उनकी मां जीजाबाई ने पुणे के ग्राम देवता कस्बा गणपति की स्थापना की थी। शिवाजी महाराज के बाद पेशवा ने गणेश उत्सव को बढ़ावा दिया। पेशवाओं के महल शनिवार वाड़ा में पुणे के लोग और पेशवाओं के सेवक हर साल गणेश उत्सव मनाते थे। शनिवार वाड़ा में भजन-कीर्तन होते थे। ये परंपरा आज भी गणेश मंडलों में जारी है। ब्रिटिश काल में लोग कोई उत्सव साथ मिलकर या एक जगह इकट्ठा होकर नहीं मना सकते थे। इसलिए पूजा घरों में होती थी। भाऊसाहेब रंगारी का शुरू किया गणेश उत्सव लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक ने आगे बढ़ाया। उन्होंने पुणे में पहली बार सार्वजनिक गणेश उत्सव मनाया। इसके बाद महाराष्ट्र के नागपुर, वर्धा, अमरावती में गणेश उत्सव के जरिए आजादी का आंदोलन शुरू हुआ। गणेश उत्सव में लोकमान्य तिलक, नेताजी सुभाष चंद्र बोस, पंडित मदन मोहन मालवीय, सरोजनी नायडू और वीर सावरकर भाषण देने आते थे। अंग्रेज भी गणेश उत्सव में हो रहीं एक्टिविटी पर नजर रख रहे थे। रोलेट कमेटी की रिपोर्ट में इस पर चिंता जताई गई थी।

इसमें कहा गया कि गणेश उत्सव के दौरान नौजवानों की टोलियां सड़कों पर घूम-घूमकर अंग्रेजी शासन के विरोध में गीत गाती हैं। स्कूली बच्चे पर्चे बांटते हैं, जिसमें अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ हथियार उठाने और मराठों से शिवाजी की तरह विद्रोह करने की अपील होती है।

राहुल बोले- हिंदुस्तान की सरकार को कैबिनेट सेक्रेटरी चलाते हैं

बिलासपुर में कहा- मोदी-अडानी का रिश्ता पूछा तो लोकसभा की सदस्यता रद्द कर दी

बिलासपुर, 25 सितंबर (एजेंसियां)। राहुल ने कहा कि मोदी जी, अडानी-अंबानी के जहाज में जाते हैं, आखिर ये रिश्ता क्या है? मैंने जब इस रिश्ते के बारे में पूछा तो जवाब मिला। मेरी लोकसभा की सदस्यता रद्द कर दी गई। बिलासपुर के तखतपुर में हो रहे आवास सम्मेलन के मंच से राहुल गांधी ने केंद्र पर जमकर निशाना साधा।

कहा कि, संसद में मैंने पूछा कि डिफेंस में, एयरपोर्ट में, किसानों के काले कानून में अडानी को फायदा दिलाने की कोशिश की गई। आखिर ऐसा क्यों हुआ? किस रिश्ते के तहत ये फायदे पहुंचाए गए? राहुल ने कहा, हिंदुस्तान की सरकार को एमएलए और एमपी नहीं चलाते, बल्कि कैबिनेट सेक्रेटरी और सेक्रेटरी चलाते हैं। 90 सेक्रेटरी हैं, वो योजना डिजाइन करते हैं। रुपया कहां जाएगा, ये डिसाइड करते हैं।

इससे पहले सांसद राहुल गांधी और सीएम भूपेश बघेल ने

'आवास न्याय सम्मेलन' में क्षेत्रवासियों को 669 करोड़ 69 लाख रुपए के 414 विकास कार्य अर्पित किए। जिसमें 195 करोड़ 50 लाख रुपए की लागत के 247 कार्यों का शिलान्यास और 474 करोड़ 18 लाख रुपए की लागत के 167 कार्यों का लोकार्पण शामिल है।

राहुल गांधी का भाषण

बिलासपुर पहुंचकर मुझे बहुत खुशी हो रही है। मुझे यह रिमोट कंट्रोल दिया गया है और कहा गया है कि इसका बटन दबाते ही करोड़ों रुपए छत्तीसगढ़ के गरीबों के बैंक एकाउंट में चले जाएंगे। मैंने बटन दबाया और एक-दो सेकेंड में पैसा ऑनलाइन ट्रांसफर हो गया।

हमने चुनाव में आपसे जो वादे किए थे, उन सभी वादों को पूरा किया। बिजली बिल हाफ, धान का उचित दाम, सभी वादों को निभाया।

किसान न्याय योजना में हमने 21 हजार करोड़ रुपए इनपुट सब्सिडी के माध्यम से दिये। जिन किसानों के पास जमीन नहीं थी, उन्हें भी हम नहीं भूले, उन्हें 7 हजार रुपए दिये।

आदिवासियों को लघु वनोपजों के लिए समर्थन मूल्य दिया। वनाधिकार दिये गये। स्वास्थ्य में पांच लाख रुपए के इलाज की सुविधा दी गई। 70 लाख परिवारों को लाभ मिला। 42 हजार वैकेंसी भरी। एक लाख 30 हजार युवाओं को बेरोजगारी भत्ता दिया गया।

जातिगत जनगणना हिंदुस्तान का एक्सरे है। इससे पता लग जाएगा कि देश में ओबीसी कितने हैं। आदिवासी कितने हैं। सामान्य वर्ग से कितने हैं। एक बार आंकड़ा आ जाएगा, तो देश सबको लेकर आगे चल पाएगा।

महिलाओं को भागीदारी देनी है, सबको भागीदारी देनी है तो जातिगत जनगणना करानी होगी।

आप सभी यहां दूर-दूर से आए हैं। आपने कीमती समय दिया, इसके लिए बहुत बहुत धन्यवाद। छत्तीसगढ़ में हमने जो वादा किया है वो पहली कैबिनेट में पूरा किया।

हमारी सरकार गरीबों की, आदिवासियों, पिछड़े वर्ग की सरकार है। उनके लिए कार्य करती है।

नरेंद्र मोदी जी जहां भी जाते हैं, ओबीसी वर्ग की बात करते हैं, कांग्रेस पार्टी ने कॉस्ट सेंसेस किया था, उसमें हिंदुस्तान में हर जाति के कितने लोग हैं, ये डेटा सरकार के पास पड़ा हुआ है। नरेंद्र मोदी जी वो डेटा पब्लिक को दिखाना नहीं चाहते हैं। जैसे ही मैं लोकसभा में कास्ट सेंसेस की बात करता था, तो कैमरा उधर हो जाता था। मैंने आंकड़े निकाले, हिंदुस्तान की सरकार को एमएलए एमपी नहीं चलाते हैं, सेक्रेटरी और कैबिनेट सेक्रेटरी चलाते हैं।

58 व्यापारियों ने संघ से दिया इस्तीफा

कहा- महिला से व्यापारी ने किया दुष्कर्म, मामले में संघ खामोश, सचिव बोले- हमसे नहीं मांगा सहयोग

दंतेवाड़ा, 25 सितंबर (एजेंसियां)। दंतेवाड़ा जिले में शादीशुदा महिला के साथ हुए दुष्कर्म के मामले ने तूल पकड़ना शुरू कर दिया है। अब इस मामले को लेकर गीदम व्यापारी संघ के 58 सदस्यों ने संघ के सचिव को सामूहिक इस्तीफा दिया है। इनका कहना है कि पीड़ित महिला को न्याय दिलाने व्यापारी संघ खामोश बैठा है।

जबकि संघ के सचिव अमित गुप्ता ने कहा कि इस संबंध में हमसे (व्यापारी संघ से) किसी ने सहयोग नहीं मांगा है। इस्तीफा में 58 व्यापारियों का नाम लिखा हुआ है। लेकिन, कुछ के दस्तखत नहीं हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी व्यापारी के साथ भेदभाव नहीं किया जा रहा है।

दरअसल, व्यापारी संघ को जो इस्तीफा दिया गया है उसमें पान ठेला से लेकर किराना दुकान और सराफा व्यापारी से लेकर मेडिकल स्टोर तक के व्यापारियों के दस्तखत हैं। इस्तीफा देने वालों में से शहर के सराफा व्यापारी

चांडकमल सोनी ने कहा कि, व्यापारी संघ का गठन व्यापारियों की समस्याओं को सुनने, उनकी आवाज उठाने के लिए किया गया है।

लेकिन, एक हार्डवेयर व्यापारी शहर की शादीशुदा महिला के साथ दुष्कर्म करता है, मामले की एफआईआर भी होती है, फिर भी व्यापारी संघ महिला को न्याय दिलाने खामोश बैठा है। इस कृत्य के खिलाफ आवाज उठाने व्यापारी संघ की तरफ से दिलचस्पी नहीं दिखाई जा रही है। साथ ही व्हाट्सएप में व्यापारी संघ का ग्रुप बनाया गया है। इसमें अध्यक्ष, सचिव से लेकर सारे सदस्य हैं। हर व्यापारी अपनी बात खुलकर रख सकता है। लेकिन, जब से यह मामला उजागर हुआ है, ग्रुप को भी ओनली एडमिन कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि, अभी 58 व्यापारियों ने सामूहिक इस्तीफा दिया है और ग्रुप छोड़ने का निर्णय लिया है। आगे भी इस्तीफा का दौर जारी रहेगा।

ज्वेलरी शॉप में डकैती की साजिश रचते 6 गिरफ्तार

सक्ती, 25 सितंबर (एजेंसियां)। सक्ती जिले के ज्वेलरी दुकान में डकैती की साजिश रचते 6 अंतरराज्यीय आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। उनके पास से शॉप का नक्शा मिला है। जिसे रेकी कर तैयार किया गया था। पुलिस आरोपियों का आपराधिक रिकॉर्ड खंगाल रही है। घटना सक्ती थाना क्षेत्र की है।

जानकारी के मुताबिक 23 सितंबर को पेट्रोलिंग के दौरान नंदली भांठा मैदान के पास कुछ बाहरी संदिग्ध लोग बैठे मिले। पूछताछ में पता चला कि आरोपी ट्रेन से रायपुर बिलासपुर होते हुए सक्ती पहुंचे थे। हटरी स्थित नत्थूलाल ज्वेलर्स में डाका डालने की साजिश थी। आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि राशिद खान ने किराए पर मकान लेने के बहाने ज्वेलरी शॉप की रेकी की। उसी आधार पर नक्शा तैयार किया गया। उनके बैग से धारदार चाकू, पेचकस, आरी कटर समेत कई हथियार मिले हैं। सक्ती पुलिस की पेट्रोलिंग और सतर्कता के कारण डकैती की बड़ी घटना होने से टल गई। आरोपियों को घटना के पहले ही साजिश रचते धर दबोच लिया गया। पुलिस ने सभी आरोपियों को न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है।

एनएमडीसी के खिलाफ 10 गांव के लोग लामबंद

दंतेवाड़ा, 25 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले में 10 गांव के लोगों ने एनएमडीसी के खिलाफ एक बार फिर मोर्चा खोल दिया है। ग्रामीणों के विरोध प्रदर्शन को देखते हुए प्लांट में काम भी बंद रखा गया है। सैकड़ों ग्रामीण सोमवार सुबह 4 बजे से ही एनएमडीसी चेकपोस्ट के पास धरने पर बैठे हुए हैं। ये लोग एनएमडीसी डिपॉजिट नंबर 4 में प्लांट खुलने का विरोध कर रहे हैं। प्लांट के चेकपोस्ट पर भांसी, गमावाड़ा, नेरली, धुरली, झिरका, बासनपुर, दुगेली समेत 10 गांवों के लोगों की भीड़ जमा है। प्रदर्शन के चलते भारी पुलिस बल भी तैनात कर दिया गया है। प्रदर्शनकारी ग्रामीणों का कहना है कि जंगल और पहाड़ में हमारी आस्था है। प्लांट की वजह से पर्यावरण को भारी नुकसान पहुंचेगा।

शिबू सोरेन-लोकपाल से जुड़े मामले की सुनवाई पूरी

रांची, 25 सितंबर (एजेंसियां)। भारत के लोकपाल की ओर झामुमो सुप्रीमो और राज्यसभा सांसद शिबू सोरेन पर आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने के मामले की जांच की जा रही है। इस जांच के खिलाफ झामुमो सुप्रीमो और राज्यसभा सांसद शिबू सोरेन ने दिल्ली हाईकोर्ट का रूख किया था। आज दिल्ली हाईकोर्ट में इस मामले को लेकर चल रही सुनवाई पूरी हो गई है। दिल्ली हाईकोर्ट ने इस मामले में सभी पक्षों की दलीलों को सुना और फैसले को सुरक्षित रख लिया है। अब इस मामले में अदालत के फैसले का इंतजार है।

क्या है दिल्ली हाईकोर्ट की सुनवाई

दरअसल कथित तौर पर झारखंड मुक्ति मोर्चा के सुप्रीमो और राज्यसभा सांसद शिबू सोरेन ने अपने पावर का इस्तेमाल कर आय से अधिक संपत्ति अर्जित की है। ऐसी एक शिकायत भारत के लोकपाल से की गई है। शिकायत मिलने के बाद लोकपाल ने जांच शुरू की। इसी जांच के खिलाफ शिबू सोरेन ने दिल्ली हाईकोर्ट का रूख किया है। इस मामले को लेकर दिल्ली हाईकोर्ट में कई बार सुनवाई हुई। पूर्व की सुनवाई में अदालत ने शिबू सोरेन के खिलाफ लोकपाल की ओर से की जा रही जांच पर रोक लगा दी। इस जांच पर रोक कोर्ट का फैसला आने तक लगा रहेगा। सोमवार को दिल्ली हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस सुब्रमण्यम प्रसाद की अदालत में इस मामले में सुनवाई हुई। सभी पक्षों को सुनने के बाद जस्टिस सुब्रमण्यम प्रसाद की अदालत ने फैसला सुरक्षित रख लिया है। इस मामले में शिबू सोरेन की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल और अधिवक्ता प्रज्ञा सिंह बघेल ने बहस की। लोकपाल की ओर से सॉलिसिटर जेनरल ऑफ इंडिया तुषार मेहता ने पक्ष रखा।

झामुमो सुप्रीमो और राज्यसभा सांसद शिबू सोरेन और उनके रिश्तेदारों के नाम पर आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने की शिकायत लोकपाल में हुई है। यह शिकायत 5 अगस्त 2020 को दायर की गयी थी। लोकपाल को किए गए शिकायत में बताया गया है कि शिबू सोरेन और उनके परिजनों ने झारखंड के सरकारी खजाने का दुरुपयोग किया है। भ्रष्टाचार करते हुए जो राशि अर्जित की है, उससे अनेक संपत्तियां बनायी हैं। इन संपत्तियों में कई बेनामी आवासीय और कमर्शियल परिसंपत्तियां भी हैं।

आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने के मामले की शिकायत पर सुनवाई करते हुए लोकपाल की फुल बेंच ने 15 सितंबर 2020 को सीबीआई को जांच करने को कहा।

सीबीआई को लोकपाल और लोकायुक्त अधिनियम, 2013 की धारा 20 (1) (ए) के तहत मामले में पीई (प्रीलिमिनरी इन्क्वायरी) दर्ज कर छह महीने में रिपोर्ट सौंपने को कहा। सीबीआई ने जांच के बाद मार्च 2021 और उसके बाद 1 जुलाई 2021 को सोरेन परिवार की संपत्ति का पूरा ब्यौरा, उनके आयकर रिटर्न पर लोकपाल को रिपोर्ट सौंपी थी। इसके आधार पर लोकपाल ने शिबू सोरेन और परिवार के सदस्यों को नोटिस भेजकर उनका पक्ष मांगा था। इसके बाद सोरेन परिवार के सदस्यों से मिले जवाब के आलोक में सीबीआई ने अंतिम पीई रिपोर्ट 29 जून 2022 को लोकपाल के यहां दाखिल की।

सीबीआई की ओर से लोकपाल को दी गई फाइनल पीई रिपोर्ट में बताया गया है कि शिबू सोरेन और परिवार के सदस्यों ने आय के जितने भी ज्ञात और घोषित स्त्रोत हैं उससे अधिक की कई बेनामी संपत्तियां बनाई हैं। इसके बाद लोकपाल ने आदेश देते हुए कहा था कि सीबीआई की विस्तृत रिपोर्ट के अवलोकन के आधार पर यह पाया गया है कि इस मामले में धारा 20(3) के अंतर्गत प्रोसिडिंग शुरू की जानी चाहिए। इस सिलसिले में शिबू सोरेन को लोकपाल की ओर से नोटिस जारी किया गया था।

साइबर अपराध में झारखंड सबसे अव्वल

साइबर अपराध के 10 जिलों में झारखंड के चार जिले, राज्य में बढ़ रहा है साइबर अपराध का दायरा

रांची, 25 सितंबर (एजेंसियां)। देश में साइबर क्राइम का खतरा बढ़ती तकनीक के साथ बढ़ रहा है। झारखंड के जामताड़ा ने साइबर क्राइम में एक अलग पहचान देशभर में बनाई थी लेकिन अब अब राजस्थान का भरतपुर और यूपी का मथुरा नए साइबर क्राइम हब के रूप में उभर रहे हैं।

जामताड़ा में भले साइबर क्राइम कम हो रहा लेकिन राज्य टॉप टेन में राज्य के पांच ऐसी जगह हैं, जो साइबर क्राइम के हब है। देशभर में दस ऐसे जिले जहां साइबर क्राइम के सबसे ज्यादा मामले हों उनमें चार जिले झारखंड के हैं। टॉप टेन में जामताड़ा, देवघर, गिरिडीह और बोकारो शामिल हैं।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) कानपुर के एक स्टार्टअप ने अपने शोध में यह जानकारी सामने आयी है। फ्यूचर क्राइम रिसर्च फाउंडेशन (एफसीआरएफ) ने अपने शोध में बताया है कि देश के 10 जिले ऐसे हैं जहां से 80 प्रतिशत साइबर अपराधों को अंजाम दिया जाता है। इनमें सबसे ज्यादा क्राइम राजस्थान के भरतपुर से 18 फीसदी मथुरा से 12 फीसदी साइबर अपराध हो रहे हैं हरियाणा के नूंह से 11 फीसदी जबकि झारखंड के देवघर से 10 प्रतिशत साइबर अपराध हैं। इस रिपोर्ट में हैरान करने वाली बात यह है कि झारखंड के चार जिले इस लिस्ट में शामिल हैं।

इनमें बोकारो से 2.4 प्रतिशत, जामताड़ा में 9.6 प्रतिशत ,देवघर में 10 प्रतिशत और गिरिडीह से 2.3 प्रतिशत साइबर अपराध के मामले हैं। इस लिस्ट में नीचे करमाटाड़ को भी शामिल किया गया है जहां देशभर में साइबर क्राइम के अफराध के से 2.4 प्रतिशत मामले सामने आये हैं। एफसीआरएफ के सह संस्थापक हर्षवर्धन सिंह ने बताया हमारा विश्लेषण भारत के 10 जिलों पर केंद्रित था।

कनाडाई मंत्री बोले- भारत पर आरोप लगाना चुनौतीपूर्ण मुद्दा

डिफेंस मिनिस्टर ने कहा- भारत से रिश्ते अहम लेकिन सच सामने लाना हमारी जिम्मेदारी

ओटावा, 25 सितंबर (एजेंसियां)। आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या को लेकर भारत-कनाडा के बीच तनाव बढ़ता जा रहा है। इस बीच कनाडाई रक्षा मंत्री का कहना है कि भारत के साथ कनाडा की साझेदारी जरूरी है। ग्लोबल न्यूज के मुताबिक, डिफेंस मिनिस्टर बिल ब्लेयर ने कहा- हम मानते हैं कि भारत पर आरोप लगाना चुनौतीपूर्ण मुद्दा है पर भारत के साथ रिश्ते अहम हैं, लेकिन मामले की पूरी जांच करके सच सामने लाना हमारी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा- अगर आरोप सही साबित होते हैं, तो यह कनाडा की संप्रभुता का उल्लंघन होगा। हमारी धरती पर एक कनाडाई नागरिक की इस तरह हत्या होना चिंताजनक है।

18 जून 2023 को निज्जर की हत्या कर दी गई थी। 18 सितंबर को कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने भारत पर आतंकी निज्जर की हत्या का आरोप लगाया था। वहीं, भारत ने आरोपों को बेतुका बताया है।

अमेरिका ने निज्जर की हत्या पर खुफिया जानकारी दी थी

न्यूयॉर्क टाइम्स ने केस से जुड़े अफसरों के हवाले से जानकारी दी

कि निज्जर की हत्या के बाद अमेरिका की स्पाई एजेंसियों ने कनाडा के साथ इस केस से जुड़ी जानकारियां साझा की थीं। हालांकि, रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि भारत पर आरोप लगाते समय कनाडा ने जिस खुफिया का हवाला दिया था, वह उसने खुद जुटाई थी। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक निज्जर की हत्या के बाद अमेरिकी खुफिया एजेंसियों ने कनाडा को इंटेलिजेंस इकट्ठा करने में मदद की थी। इसी के आधार पर कनाडा को यह निष्कर्ष निकालने में मदद मिली कि भारत इसमें शामिल था। हालांकि, कनाडा ने खुद भारतीय डिप्लोमैट्स की निगरानी करके उनकी कम्युनिकेशन डिटेल्स का पता लगाया था, जिनके आधार पर निज्जर की हत्या में भारतीय एजेंट्स के शामिल होने का आरोप लगाया गया था। अमेरिका और कनाडा के बीच फाइव आइज अलायंस का हिस्सा होने के नाते इंटेलिजेंस शेयरिंग होती है। लेकिन हत्या के बारे में जानकारी खासतौर पर खुफिया एजेंसियों ने अपने पैकेज में शेयर की थीं। इससे पहले शनिवार को कनाडाई मीडिया सीटीवी न्यूज ने बताया था कि कनाडा में अमेरिका के एम्बेसडर डेविड कोहेन ने इस बात की पुष्टि की थी कि फाइव आइज देशों ने मिलकर निज्जर की हत्या पर इंटेलिजेंस जुटाया था। अमेरिकी रक्षा मंत्रालय (पेंटागन) के पूर्व अफसर का कहना है कि कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के आरोपों से भारत के मुकाबले कनाडा को ज्यादा खतरा है। साथ ही अगर अमेरिका को भारत-कनाडा में से किसी एक को चुनना पड़ा तो वो भारत को चुनेगा। पेंटागन के पूर्व अधिकारी माइकल रूबिन ने कहा- भारत और अमेरिका के रिश्ते बेहद अहम हैं। कनाडा की भारत से लड़ाई बिल्कुल वैसी है, जैसे किसी हाथी और चींटी की होती है। रूबिन ने ट्रूडो की गिरती पॉपुलैरिटी को देखते हुए कहा- वो लंबे समय तक प्रधानमंत्री नहीं रहेंगे, इसलिए उनके पद से हटने के बाद अमेरिका दोबारा कनाडा से रिश्ते मजबूत कर लेगा।

कनाडा की सत्ताधारी लिबरल पार्टी के भारतवंशी सांसद चंद्र आर्य ने कहा- खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू खुलेआम हिंदू-कनाडाई लोगों को धमकी देता है कि वो भारत लौट जाएं। आर्य ने खालिस्तानी आतंकियों पर लगाम न कसने के लिए अपनी ही सरकार को जिम्मेदार ठहराया।

सीबीसी न्यूज से बात करते हुए आर्य ने कहा- प्रधानमंत्री ट्रूडो के बयान के बाद जो हुआ उसके परिणाम को लेकर मैं ज्यादा चिंतित हूं। मेरी चिंता हिंदू-कनाडाई लोगों की सुरक्षा से जुड़ी है। ये लोग डर के साए में जी रहे हैं।

18 जून 2023 को हुई थी निज्जर की हत्या

18 जून 2023 की शाम कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया स्थित गुरुद्वारा की पार्किंग में खालिस्तान टाइगर फोर्स के चीफ आतंकी हरदीप सिंह निज्जर पर दो युवकों ने फायरिंग कर दी थी। निज्जर की मौके पर ही मौत हो गई। निज्जर को भारत ने भगोड़ा घोषित कर रखा था और इस पर 10 लाख रुपए का इनाम भी था।

भारत-अमेरिका के मिडिल ईस्ट कॉरिडोर से सहमा चीन

अरब देशों पर डाल रहा डोरे

रियाद/बीजिंग, 25 सितंबर (एजेंसियां)। भारत, अमेरिका, सऊदी अरब और यूएई के मिडिल ईस्ट कॉरिडोर के ऐलान के बाद अब चीन भी ऐक्शन में आ गया है। चीन ने अरब देशों के बीच में बीआरआई को लेकर सहयोग बढ़ाने पर जोर दिया है। चीन ने बीआरआई के सदस्य अरब देशों के साथ ट्रेड फेयर का आयोजन किया है जिसमें 23 अरब डॉलर से ज्यादा की डील हुई है। इस ट्रेड फेयर में मिस्र, सऊदी अरब और कतर समेत 60 देशों ने हिस्सा लिया। चीन ने पिछले कुछ समय से खाड़ी देशों के साथ अपनी दोस्ती को काफी बढ़ा दिया है। विशेषज्ञों के मुताबिक चीन की कोशिश है कि अमेरिका का इस इलाके पर प्रभाव कम हो रहा है और उसका फायदा उठाया जा सकता है।

चीन की नजर मिडिल ईस्ट कॉरिडोर पर भी है और इसी वजह से वह बीआरआई को अब तेजी से आगे बढ़ाना चाहता है। चीन ने व्यापार के साथ-साथ खाड़ी के दो बड़े दुश्मनों ईरान और सऊदी

अरब के बीच शांति डील कराई थी। इस ट्रेड फेयर में आए अरब देशों ने कृषि के क्षेत्र में आदान-प्रदान बढ़ाने पर सहमति जताई है। दरअसल, खाड़ी देशों में अमेरिका के घटते प्रभाव के बीच चीन अब इस इलाके का बड़ा खिलाड़ी बन गया है। जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान भारत मिडिल ईस्ट यूरोप कॉरिडोर के ऐलान से जहां इस इलाके में काफी उत्साह है तो कई देशों को चिंता भी सता रही है।

चीन के वशिषज्ञ अब बीआरआई को टक्कर देने के लिए डिजाइन किए गए इस भारतीय कॉरिडोर की कमियां निकालने में जुट गए हैं और वे इसे केवल 'कल्पना' करार दे रहे हैं। चीनी वशिषज्ञ वांग शियाओयू कहते हैं कि यह कहना कठिन है कि भारतीय कॉरिडोर चीन के बीआरआई को टक्कर दे पाएगा। उन्होंने कहा कि अमेरिका, कुछ यूरोपीय देश और भारत कैसे इसे क्रियान्वित करेंगे या कैसे इसके लिए पैसा जुटाएंगे, यह देखना होगा। उन्होंने कहा कि क्या इन देशों के पास इतना इन्फ्रास्ट्रक्चर क्षमता है कि वे इस प्रॉजेक्ट को पूरा कर पाएं।

मां ने बच्चे को पानी से भरे फ्रीजर में रखा

कहा- देखना चाहती थी पिता का प्यार, अब हुई जेल की सजा

वाशिंगटन, 25 सितंबर (एजेंसियां)। अमेरिका से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां के ओरेगॉन में एक महिला को 30 दिनों के लिए जेल की सजा सुनाई गई है। दरअसल, महिला ने यह देखने के लिए अपने बच्चे को फ्रीजर में रख दिया कि उसके पिता को उसकी परवाह है या नहीं।

तुम्हें कोई मतलब नहीं

मामला साल 2021 का है। ओरेगॉन में पुलिस को एक बच्चे को फ्रीजर में रखे जाने की सूचना मिली थी। सूचना पर पुलिस जब वहां पहुंची तो उसने शारडे मैकडोनाल्ड को बच्चे के पिता पर चिल्लाते हुए सुना। महिला जोर-जोर से चिल्ला रही थी, 'मैं तुम्हें बहुत जल्दी दिखाने वाली हूं। तुम उसे नहीं चाहते? रुको, मैं तुम्हें दिखाती हूं इस छोटे बच्चे के साथ क्या कर सकती हूं। तुम्हें कोई

मतलब नहीं।'

जब पुलिस ने अपार्टमेंट का दरवाजा खटखटाया, तो महिला बच्चे को कंबल में लपेटे हुए बाहर आई। अधिकारियों ने पूछताछ की तो उसने बताया कि वह बच्चे को पानी से भरे फ्रीजर में रखककर उसे नुकसान पहुंचाने की कोशिश नहीं कर रही थी। बच्चे को पानी में डुबोते हुए उसकी तस्वीरें भी थीं। अधिकारियों ने कहा कि तस्वीरों को देखकर लग रहा था कि बच्चे को सांस लेने में दिक्कत हो रही थी, जबकि उसके मूंह पर पानी बह रहा था। जब पुलिस मैकडोनाल्ड को पकड़कर ले जा रही थी, तो उसने कहा कि यह देखने के लिए ऐसा किया था कि क्या उसके पति नील को बच्चे से फर्क पड़ता है या नहीं।

30 दिन की सजा

बता दें, 28 अक्तूबर, 2021 को जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि बच्चे के साथ दुर्व्यवहार किया गया था। इसके बाद 30 वर्षीय शारडे मैकडोनाल्ड को आपराधिक दुर्व्यवहार, आईडी चोरी और एक गवाह के साथ छेड़छाड़ का दोषी ठहराया गया। अब, महिला को 30 दिन की जेल की सजा सुनाई गई है। मुल्नोमा काउंटी डिटेंशन सेंटर के अनुसार, मैकडॉनल्ड्स को 6 अक्तूबर को रिहा किया जाएगा। महिला ने 28 जुलाई को इन आरोपों को स्वीकार कर लिया था।

पुलिस ने 'शैतानी गुड्डे' को गिरफ्तार किया!

मेक्सिको सिटी, 25 सितंबर (एजेंसियां)। मैक्सिको में एक हैरतअंगेज मामला सामने आया है, जहां पुलिस ने एक गुड्डे को गिरफ्तार किया है। हालांकि, यह कोई ऐसा वैसा गुड्डा नहीं है, बल्कि यह एक डरावना गुड्डा है, जिसका नाम चकी है। दरअसल, गुड्डे का मलिक चकी का इस्तेमाल लोगों को डराने के लिए करता था। मीडिया के अनुसार पुलिस ने गुड्डे को गिरफ्तार करने के साथ उसके मालिक को भी पकड़ लिया है। इस गुड्डे को शैतानी गुड्डे के नाम से जाना जाता है। लोगों को डराने के लिए इसके हाथ में एक असली चाकू दे दी जाती है।

चकी और उसके मालिक के ऊपर 11 सितंबर को उत्तरी मैक्सिको के कोहुइला राज्य के शहर मोनक्लोवा में लोगों को डराने का आरोप लगा है। गुड्डे का मालिक इससे पहले भी लोगों को डराने और उनसे पैसे लेने के लिए गुड्डे का इस्तेमाल करता आया है। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि आरोपी की पहचान कार्लोस के तौर पर हुई है, जो शहर के मेन स्क्वायर पर नशे की हालत में था और लोगों को डराने के लिए उसने अपने चेहरे पर गुड्डे को रखा हुआ था।

टेस्ला का ह्यूमनॉइड रोबोट करता है योगा!

दिखा मशीन का संतुलन, मस्क ने साझा किया वीडियो

नई दिल्ली, 25 सितंबर (एजेंसियां)। क्या आपने कभी सोचा है कि रोबोट अब योगा भी कर सकते हैं? अगर नहीं तो बता दें कि एक ऐसा रोबोट तैयार हुआ है जो इंसानों की तरह योगा भी कर सकता है। टेस्ला ने ह्यूमनॉइड रोबोट को ऐसी ट्रेनिंग दी है जिससे वह कई तरह के कार्य करने में सक्षम है। एक्स पर इस रोबोट ऑप्टिमस का वीडियो भी साझा किया है, जिसमें वह योगा और ब्लॉक छांटकर रंग के आधार पर अरेंज करता दिखाई दे रहा है। वीडियो शुरू में रोबोट की वस्तुओं को आसानी से और मानव जैसी गति से क्रमबद्ध करने की क्षमता को दर्शाता है, लेकिन जब कोई इंसान कार्य में हस्तक्षेप कर कठिनाई खड़ी करता है, बावजूद इसके रोबोट आसानी से ब्लॉक्स को सही अरेंज सफलतापूर्वक करने में सक्षम होता है।

योग मुद्राएं करता दिखा रोबोट

इसके साथ ही रोबोट योग मुद्राएं करता दिखाई देता है, जिसमें एक पैर पर खड़े होने और अपने अंगों को स्ट्रेच करने की आवश्यकता होती है, जिससे

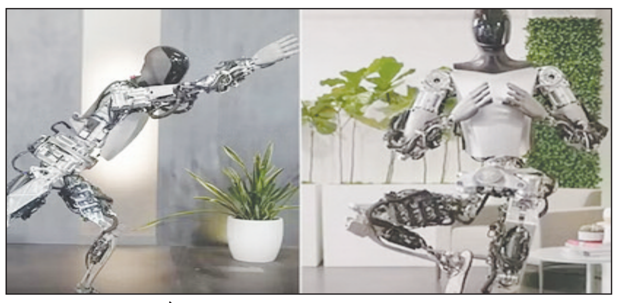

उसका संतुलन और लचीलापन प्रदर्शित होता है।

वीडियो के अनुसार, ऑप्टिमस अब अपने हाथों और पैरों को सेल्फ-कैलिब्रेट करने में सक्षम है। यह दृष्टि और ज्वाइंट पोजिशन एनकोडर का उपयोग करके अपने अंगों का सटीक पता लगा सकता है। आधिकारिक टेस्ला ऑप्टिमस अकाउंट से साझा वीडियो में इसे कैप्शन दिया, "ऑप्टिमस अब वस्तुओं को स्वायत्त रूप से सॉर्ट कर सकता है। इसका न्यूरल नेटवर्क पूरी तरह से एंड-टू-एंड प्रशिक्षित है, वीडियो इन, कंट्रोल आउट। ऑप्टिमस को विकसित करने (और इसकी योग दिनचर्या को बेहतर बनाने) में मदद करने के लिए हमारे साथ आएं।"

विशेष रूप से, वीडियो से पता चलता है कि टेस्लाबॉट अब टेस्ला कारों के समान एंड-टू-एंड न्यूरल नेटवर्क पर चल रहा है, जो वीडियो इनपुट को संसाधित कर सकता है और नियंत्रण आउटपुट उत्पन्न कर सकता है।

यूजर्स के आए रिएक्शन

सीईओ एलोन मस्क ने वीडियो पर "प्रगति" लखकर प्रतिक्रिया व्यक्त की, वहीं सोशल मीडिया यूजर्स रोबोट की नई क्षमताओं से प्रभावित हुए। एक ने कहा, "ऑप्टिमस बहुत सहज है। मैं प्रभावित हूं।" दूसरे ने कहा, "ओएमजी! @टेस्ला टीम की ओर से आश्चर्यजनक प्रगति। बहुत अच्छा। मैं क्षमताओं में अगली जंप देखने के लिए इंतजार नहीं कर सकता।"

फिलहाल, टेस्लाबॉट उत्पादन या व्यावसायिक उपयोग के लिए कब तैयार होगा, इसकी कोई जानकारी नहीं है। "एक सामान्य प्रयोजन, द्वि-पेडल, स्वायत्त ह्यूमनॉइड रोबोट बनाएं जो असुरक्षित, दोहराए जाने वाले या उबाऊ कार्यों को करने में सक्षम हो। उस अंतिम लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सॉफ़्टवेयर स्टैक के निर्माण की आवश्यकता होती है जो भौतिक दुनिया के साथ संतुलन, नेविगेशन, धारणा और बातचीत को सक्षम बनाता है।

क्या कहती है टेस्ला

पेज पर ऑप्टिमस रोबोट के बारे में टेस्ला ने लिखा, "हम अपनी कुछ सबसे कठिन इंजीनियरिंग चुनौतियों को हल करने के लिए गहन शिक्षण, कंप्यूटर विज़न, मोशन प्लानिंग, नियंत्रण, मैकेनिकल और सामान्य सॉफ्टवेयर इंजीनियरों को काम पर रख रहे हैं।"

रूस जंग के लिए बच्चों को तैयार कर रहा

स्कूल में बम फेंकना, हथियार चलाना सिखाया जा रहा, सिलेबस में बदलाव किए

मॉस्को, 25 सितंबर (एजेंसियां)। रूस जंग के लिए बच्चों को तैयार कर रहा है। सीएनएन के मुताबिक, ब्लैक सी के आस-पास वाले इलाकों के स्कूलों में बच्चों को बम फेंकना और हथियार चलाना सिखाया जा रहा है। उन्हें देश की मिट्टी की रक्षा करने की सीख दी जा रही है।

सिलेबस में भी बदलाव किए गए हैं। अगस्त 2023 में रूसी सरकार ने बच्चों के लिए नई हिस्ट्री बुक रिलीज की थी। इसमें यूक्रेन पर हमले को सही ठहराया गया है। रूस-यूक्रेन जंग छिड़ने के बाद से रूस के पब्लिक स्कूलों का सैन्यीकरण बढ़ा है।

सीएनएन के मुताबिक, 7-8 साल के बच्चों को बेसिक मिलिट्री ट्रेनिंग दी जा रही है। इनमें उन्हें ऑटोमेटिक गन चलाना, मशीन गन को असेंबल करना और किसी तरह की बाधा को पार करना सिखाया जा रहा है। स्कूलों में रोजाना मॉक ड्रिल करवाई जा रही हैं। कई स्कूलों में बच्चों को आर्मी और नेवी की यूनिफॉर्म में परेड करवाई जा रही है। जंग शुरू होने के बाद एक ह्यूमन राइट्स ऑर्गनाइजेशन ने आरोप लगाया था कि रूस 16 साल के बच्चों को सेना में भर्ती कर रहा है। एक अधिकारी ने कहा था- क्रेमलिन पूर्वी यूक्रेन में अपने सैनिकों की संख्या बढ़ाने के लिए बच्चों की भर्ती का सहारा ले रहा है। रूसी सैनिकों ने यूक्रेन पर 24 फरवरी 2022 को हमला कर दिया था। इसके पीछे व्लादिमिर पुतिन का मकसद एक ही था- यूक्रेन पर कब्जा। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की को ये मंजूर नहीं था, लिहाजा आज 579 दिनों बाद भी ये जंग जारी है।

रूस हमेशा से ही इस हमले को 'स्पेशल मिलिट्री ऑपरेशन' कहता आया है। यही बात वो बच्चों को पढ़ा रहा है। सरकार बच्चों के मन में देशभक्ति की भावना जगाना चाहती है। इसके लिए सरकार ने अगस्त 2023 में 5 महीने में लिखी हिस्ट्री बुक सिलेबस में ऐड कर दी थी। किताब में लिखा है कि यूक्रेन में डिमिलिटराइजेशन और डीनाजीफिकेशन की जरूरत थी। शिक्षा मंत्री सेर्गेय क्रासवतोव ने कहा था- किताब का मकसद स्कूली बच्चों को डीमिलिटराइजेशन और डीनाजिफिकेशन का मतलब समझाना है। ऐसा इलाका जहां फौज की मौजूदगी नहीं होती या वहां अमन की वजह से सेना की जरूरत नहीं होती उसे डिमिलिटराइज जोन या एरिया कहते हैं। वहीं, डीनाजीफिकेशन का मतलब होता है कि हिटलर की लोगों को दबाने की जो मानसिकता थी, उसके उलट लोगों को आजादी देना, ताकि वो खुद को सही मायनों में आजाद महसूस कर सकें। उन्हें किसी बात का डर न हो। वो अपनी विचारधारा के हिसाब से फैसले ले सकें। शिक्षा मंत्री सेर्गेय क्रासवतोव ने कहा था- नई किताब के जरिए 11वीं क्लास में पढ़ने वाले स्कूली बच्चों को यूक्रेन पर किए गए रूस के मिलिट्री ऑपरेशन के मकसद के बारे में बताया जाएगा।

इंग्लैंड में जहां रहते हैं सबसे ज्यादा पाकिस्तानी अब वहां 'हिजाब लेडी'

बर्मिंघम में लग रहा 5 मीटर ऊंचा स्टैच्यू

लंदन, 25 सितंबर (एजेंसियां)। एक तरफ दुनियाभर की महिलाएं हिजाब हटाकर अपनी जिंदगी को बदलने की जद्दोजहद में लगी हुई हैं तो दूसरी तरफ यूके में ल्यूक पेरी नामक एक कलाकार ने हिजाब पहने एक महिला की कई फीट ऊंची प्रतिमा तैयार कर दी है। पेरी ने हिजाब पहनने वाली महिलाओं को श्रद्धांजलि देने के मकसद से 'स्ट्रेंथ ऑफ द हिजाब' नाम से एक स्टैच्यू बनाया है। जहां बीबीसी ने इसे विश्व स्तर पर अपनी तरह की पहली कलाकृति बताया है तो वहीं इसकी वजह से आलोचक यूके पर निशाना साध रहे हैं। यह प्रतिमा इंग्लैंड के बर्मिंघम में लगाई जा रही है।

अगले महीने उद्घाटन

पांच मीटर ऊंची और लगभग एक टन के वजन वाली इस मूर्ति का अगले महीने इंग्लैंड के वेस्ट मिडलैंड्स के स्मेथविक में अनावरण किया जाएगा। यह मूर्ति लिगेसी वेस्ट मिडलैंड्स की तरफ से बनाई गई है। यह संस्था जो बर्मिंघम में युद्ध के बाद बसे प्रवासी समुदायों की विरासत का

जश्न मनाने वाला एक चैरिटी संगठन है। मूर्ति के बारे में कलाकार पेरी ने बताया, 'हिजाब की ताकत एक हिस्सा है जो उन महिलाओं का प्रतिनिधित्व करता है जो इस्लामी आस्था के तहत हिजाब पहनती हैं।' उनकी मानें तो हिजार समुदाय का बहुत कम प्रतिनिधित्व करता है लेकिन काफी महत्वपूर्ण है।

हिजाब बहुत जरूरी!

पेरी ने इस्लाम और उसकी परंपराओं को मजबूती प्रदान करने के महत्व पर जोर दिया है। उन्होंने कहा है कि हिजाब समुदाय का एक अभिन्न हिस्सा है। उनकी मानें तो हिजाबी महिलाओं को समझने की जरूरत है। पेरी ने कहा कि हिजाब लेडी की डिजाइन को मंजूरी देने के लिए समुदाय के साथ काम करना वास्तव में रोमांचक रहा है। इस स्टैच्यू पर विवाद छिड़ गया है। इसके बावजूद पेरी ने यूके में रहने वाले सभी व्यक्तियों का प्रतिनिधित्व करने के मकसद से समुदायों के बीच एकता और समझ को बढ़ावा देने की जरूरत की बात कही है।

कितने पाकिस्तानी बर्मिंघम में

साल 2021 के आंकड़ों के मुताबिक बर्मिंघम में कुल 355384 एशियाई हैं। इनमें से 66519 भारतीय और 195102 पाकिस्तानी हैं। पेरी का कहना है कि इस बात की आशंका है कि यह स्टैच्यू विवादों में घिर सकता है और कई वजहों से आलोचकों की नजर में आ सकता है। लेकिन उन्होंने इस विवाद से पल्ला झाड़ लिया है और जो लोग इसका विरोध कर रहे हैं उन्हें मानने से ही इनकार कर दिया है। उनका कहना है कि इसमें सकारात्मकता को तलाशने की जरूरत है।

इमरान खान को अब जेल में मिलेगी उच्च स्तरीय सुविधा

अदालत ने दिया अदियाला जेल में ट्रांसफर का आदेश

इस्लामाबाद, 25 सितंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान की एक शीर्ष अदालत ने सोमवार को अधिकारियों से पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को पंजाब प्रांत के अटोक जेल से निकालकर रावलपिंडी के गैरीसन शहर के उच्च सुरक्षा वाली अदियाला जेल में रखने का आदेश दिया है। अगस्त में तहरीक-ए-इस्लाम पार्टी ने इस्लामाबाद हाई कोर्ट में पूर्व पीएम को उच्च सुरक्षा वाली अदियाला जेल में रखने के लिए याचिका दायर की थी।

हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश ने इमरान खान को अटोक जेल से निकालकर रावलपिंडी के अदियाला जेल में रखने का निर्देश दिया। 70 वर्षीय इमरान खान को तोशाखाना भ्रष्टाचार मामले में सजा के तौर पर पांच अगस्त से ही अटोक जेल में रखा गया है। हालांकि, इस्लामाबाद हाई कोर्ट ने उनकी सजा निलंबित कर दी थी, लेकिन उन्हें गुप्त दस्तावेजों को लीक करने के मामले में अटोक जेल में ही रखा गया।

सरकारी गोपनीयता अधिनियम के अंतर्गत एक विशेष अदालत ने गुप्त दस्तावेजों को लीक करने के मामले में 13 सितंबर को इमरान खान की रिमांड बढ़ाकर 26 सितंबर तक कर दी। इस्लामाबाद अदालत ने पूर्व पीएम को तीन साल की सजा सुनाई है और अधिकारियों को उन्हें अदियाला जेल में रखने का भी आदेश दिया है। बता दें कि गिरफ्तारी के बाद से ही इमरान खान को अटोक जेल में रखा गया है।

कनाडाई संसद में हिटलर के पूर्व सैनिक का सम्मान

पीएम ट्रूडो ने खड़े होकर तालियां बजाईं, गलती पता चली तो स्पीकर ने माफी मांगी

टोरंटो, 25 सितंबर (एजेंसियां)। कनाडा की संसद-हाउस ऑफ कॉमन्स में पहले तो एक पूर्व नाजी सैनिक को सम्मान दिया गया, बाद में स्पीकर ने सांसदों की इस हरकत पर माफी मांगी। दरअसल, 24 सितंबर को स्पीकर एंथोनी रोटा ने संसद में 98 साल के यारोस्लाव हुंका को वॉर हीरो बताया। इसके बाद मौजूदा सांसदों ने हुंका को 2 बार स्टैंडिंग ओवेशन दी। इस दौरान कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो भी संसद में मौजूद थे। हालांकि, आज यानी सोमवार को स्पीकर ने इस घटना पर सफाई दी। स्पीकर एंथोनी रोटा ने कहा- यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की की स्पीच के बाद मैंने सेकेंड वर्ल्ड वॉर के एक बुजुर्ग सैनिक को देखा। जिसके बाद उन्हें वॉर हीरो की तरह इंट्रोड्यूस कर दिया। बाद में जब मुझे उनसे जुड़ी जानकारी मिली तो अब मुझे अपने निर्णय पर पछतावा हो रहा है। मैं कनाडा में रह रहे यहूदी समुदाय के लोगों से माफी मांगता हूं। दरअसल, नाजियों ने सेकंड वर्ल्ड वॉर के दौरान 11 लाख से ज्यादा लोगों को मौत के घाट उतार दिया था।

बेटे की मौत से निराश भारतीय ने मरीजों के अधिकारों के लिए चलाया अभियान

लंदन, 25 सितंबर (एजेंसियां)। ब्रिटेन में एक भारतीय मूल के व्यक्ति ने मरीजों के अधिकारों के लिए 'पेशेंट लाइव्स मैटर' नामक अभियान की शुरुआत की है। इस अभियान को शुरू करने वाले जय पटेल के बेटे की बीते दिनों मौत हो गई थी। जय पटेल का मानना है कि डॉक्टरों की लापरवाही के कारण उनके बेटे की मौत हुई। इसकी जांच चल रही है। बता दें कि जय पटेल का आरोप है कि इस महीने की शुरुआत में उनके 30 वर्षीय बेटे बलराम की लंदन स्थित अस्पताल में सही इलाज ना मिलने और सही देखभाल ना मिलने के चलते जान चली गई थी। अभियान की शुरुआत में अपने बयान में जय पटेल ने कहा कि उनका बेटा बलराम बहुत दर्द और परेशानी में मरा और समय से पहले उसकी जान चली गई। इसकी वजह इलाज और देखभाल में कमी थी। हमारा मानना है कि सरकार इस दिशा में मजबूत कदम उठा रही है कि रोगी की देखभाल में क्या गलत हुआ। यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि रोगी को कोई नुकसान ना हो। जय पटेल ने इस मामले में लोगों से अपनी राय और सुझाव देने की अपील की है। जय पटेल ने कहा कि अपने बलराम के जाने से हम बहुत दुखी हैं। पेशेंट लाइव्स मैटर अभियान के तहत हम चाहते हैं कि संसद में भी इस पर चर्चा हो और बदलाव आए। इससे पहले ब्रिटेन में मार्था रूल नाम से भी एक अभियान चलाया गया था।

पीएम बोले- मैं हवा में बात नहीं करता हूं

घमंडिया गठबंधन सनातन को मिटाना चाहता है, वे खुद जड़ से उखड़ जाएंगे

जयपुर, 25 सितंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जयपुर में भाजपा की परिवर्तन संकल्प रैली में कांग्रेस पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि जिस तरह से कांग्रेस ने सरकार चलाई है, वह जीरो नंबर की हकदार है, इसलिए राजस्थान के लोगों ने ठान लिया है कि गहलोत सरकार को हटाकर भाजपा को वापस लाएंगे।

उन्होंने कहा कि लोग यह याद रखें कि मोदी का मतलब है- गारंटी पूरी होने की गारंटी। यदि भाजपा सरकार आई तो पेपर लीक करने वाले माफियाओं पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। घमंडिया गठबंधन पर उन्होंने कहा कि वे सनातन को जड़ से मिटाना चाहते है, लेकिन आने वाले चुनावों में वे खुद जड़ से उखड़ जाएंगे।

इससे पहले उन्होंने धानक्या में दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर उनकी जन्मस्थली पहुंचकर श्रद्धांजलि अर्पित की। वहीं, सभा स्थल पर ओपन जीप में खड़े होकर लोगों के बीच गए। यहां महिला कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। जयपुर में मोदी की साढ़े चार साल बाद सभा हुई है।

मोदी ने भाषण में हर मुद्दे पर कांग्रेस को घेरा...

मैं जयपुर ऐसे समय आया हूं, जब भारत का गौरव सातवें आसमान पर है। जहां कोई नहीं पहुंच पाया, चांद की उस सतह पर भारत पहुंचा है। पूरी दुनिया भारत के पराक्रम से हैरान है। अनेक दशकों से हमारी माताएं-बहनें लोकसभा और विधानसभा में 33 प्रतिशत आरक्षण की आस लगाए बैठी थी, उनकी यह उम्मीद आपके वोट की ताकत ने पूरी करके दिखाई है। आपके वोट ने मुझे चुना और मैंने आपकी सेवा की गारंटी दी। आज आपकी ये गारंटी मैंने पूरी कर दी है। आप लोग यह याद रखें कि मोदी यानी गारंटी पूरा होने की गारंटी। जो कहता हूं, करके दिखाता हूं। इसलिए मेरी गारंटी में दम होता है। यह बात हवा में नहीं कहता हूं, 9 साल का मेरा ट्रैक रिकॉर्ड है।

मोदी ने वन रैंक-वन पेंशन का वादा किया था, वह गारंटी मोदी ने पूरा कर दी है। अब तक इस पेंशन से लोगों को 70 हजार करोड़ रुपए मिल चुके हैं। कांग्रेस सिर्फ 500 करोड़ से वन रैंक-वन पेंशन देना चाहती थी। जब नीयत साफ होती है, खुद पर भरोसा होता है तो गारंटी पूरी करना सरकार की पहचान बन जाती है। हमने भ्रष्टाचारियों पर कड़ी कार्रवाई की गारंटी दी थी, आज देश के भ्रष्टाचारियों पर कानून का जो डंडा चल रहा है, वह सब देख रहे हैं। तीन तलाक के खिलाफ कानून लाकर मुस्लिम महिलाओं के आंसू पोंछे।

जो कांग्रेस महिला आरक्षण की बात कर रहे हैं, वे यह काम 30 साल पहले कर सकते थे, लेकिन कांग्रेसी कभी यह चाहते ही नहीं थे। आज भी नारी शक्ति वंदन अधिनियम के समर्थन में मन से नहीं, बल्कि आप सभी बहनों के परिणामस्वरूप सीधी लाइन में आए हैं। कांग्रेस और उसके घमंडिया साथी महिला आरक्षण के घोर विरोधी हैं। इतने बड़े फैसले को भी वो भटकाने में लगे हैं, यूपीए सरकार के दौरान जिन्होंने यह बिल रोका है, कांग्रेस के साथी अभी भी दबाव बना रहे हैं, इसलिए राजस्थान की महिलाओं को सतर्क रहना है।

राजस्थान की अनेक संतानों ने महान धरोहर छोड़ी है। कांग्रेस और घमंडिया गठबंधन ने घोषणा की है कि ये सनातन को जड़ से मिटा देंगे। कुछ वोटों के लिए तुष्टिकरण की इस नीति को राजस्थान का समाज अच्छे से समझ रहा है। कांग्रेस हमारी पहचान मिटाने की तैयारी कर रही है। आने वाले हर चुनाव में घमंडिया गठबंधन को इसका खामियाजा उठाना पड़ेगा, वे जड़ों से उखड़ जाएंगे।

राजस्थान में जितनी बार पेपर लीक होते हैं, लोग परेशान होते हैं। यहां की सरकार पेपर लीक माफियाओं को संरक्षण देती है। राजस्थान में बीजेपी सरकार बनने के बाद पेपर लीक करने वाले माफियाओं पर सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी। युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ करने वाले किसी माफिया को बख्शा नहीं जाएगा।

यहां लाल डायरी में काली करतूतें छिपी हैं। हर जगह कट और कमीशन फैला है, इसलिए यहां कौन पैसा लगाना चाहेगा? इसलिए यहां औद्योगिक विकास पिछड़ा हुआ है। कानून व्यवस्था भ्रष्ट है। जहां सरे आम गला काटने की घटना हो और सरकार मजबूर हो, ऐसे हालात में निवेश कैसे हो सकता है।

शेखावत बोले देश और धर्म के लिए हमें संगठित होकर काम करना होगा

जयपुर, 25 सितंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि कंधों से चौड़ी छाती नहीं, धर्म से बड़ी जाति नहीं। इसलिए ब्राह्मण समाज को संपूर्ण हिंदू समाज के लिए काम करना है, तभी सनातन धर्म की रक्षा होगी। केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि आज देश, धर्म और संस्कृति पर हर ओर से हमले हो रहे हैं। इसके लिए हमें जातियों से ऊपर उठकर संगठित होकर काम करना होगा। सभी समाजों को एक होकर सनातन संस्कृति पर हमला करने वालों को मुंहतोड़ जवाब देना होगा।

शेखावत हरियाणा गौड़ ब्राह्मण समाज की ओर से आयोजित प्रतिभा सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आज सनातन संस्कृति पर हमला हो रहा है। हमें विघटित होने के बजाय संगठित होने की जरूरत है। जहां जहां हिंदू कमजोर हुआ देश कमजोर हुआ। जहां जहां हिंदू संख्या में कम होता रहा, देश का विभाजन होता रहा। दो हजार साल पहले भारत का नक्शा सुदूर सेंट्रल एशिया तक था। वह सिमटते-सिमटते कहां तक आकर पहुंच गया। हिंदू के विघटित होने से देश को नुकसान है।

उन्होंने कहा, कंधों से चौड़ी छाती नहीं, धर्म से बड़ी जाति नहीं। इसलिए ब्राह्मण समाज को संपूर्ण हिंदू समाज के लिए काम करना है, तभी सनातन धर्म की रक्षा होगी। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के बेटे उदयनिधि और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सनातन धर्म विरोधी टिप्पणी की है। ऐसे में सनातन धर्म की रक्षा के लिए छोटी अपेक्षाओं से ऊपर उठकर बड़ी लड़ाई लड़ने के लिए संगठित होकर कार्य करने की जरूरत है।

शेखावत ने कहा कि भारत बदल रहा है। विश्व पटल पर देश की छवि बदल रही। देश को प्रथम मानते हुए, पीएम नरेन्द्र मोदी काम कर रहे हैं। सभी समाजों को आगे बढ़ाते हुए गरीब के जीवन में परिवर्तन लाने के लिए काम हो रहा है। देश का प्रथम मानकर फैसले लिए जा रहे हैं। देश को विश्व के पटल पर सर्वशक्तिमान बनाने के फैसले लिए जा रहे हैं। ऐसे में भारत और सनातन विरोधी ताकतें भारत के बाहर से और भारत के भीतर से संगठित होकर काम कर रही है। वे इस संपरिवर्तन के दौर में अवरोध कर रहे हैं। ऐसे में ब्राह्मण समाज की जिम्मेदार और अधिक है, क्योंकि समाज को दिशा दिखाने का काम ब्राह्मण समाज ने किया है।

शेखावत ने कहा कि सनातन अविरल प्रवाहमान है।

लोकसभा स्पीकर बिरला बोले- सामाजिक न्याय की बड़ी जीत

महिला आरक्षण बिल दोनों सदनों से पास करवाया

दौसा, 25 सितंबर (एजेंसियां)। लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने दौसा में कहा कि हमने महिलाओं के हितों को ध्यान रखते हुए 33 फीसदी महिला आरक्षण बिल दोनों सदन से पास करवाया। यह सामाजिक न्याय की लड़ाई की बड़ी जीत है।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला दौसा जिले के सिकराय विधानसभा क्षेत्र के निहालपुरा में स्थित आराध्य रामदेव मंदिर पहुंचे। वे बाबा रामदेव लक्खी मेले के समापन कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने रामदेव बाबा की पूजा-अर्चना की और फिर महात्मा बुद्ध की प्रतिमा का अनावरण किया।

कार्यक्रम में आयोजित धर्मसभा को संबोधित करते बिरला ने कहा- सामाजिक न्याय की लड़ाई की बड़ी जीत हुई है। महिलाओं को 33% आरक्षण दोनों सदन से पास करवाया है। बाबा साहेब आंबेडकर के बने संविधान की पालना हो रही है। उन्होंने कहा कि भारत भगवान बुद्ध की धरती है। यहां शांति के दूत महात्मा बुद्ध ने जन्म लिया। शांति का संदेश भारत की धरती से जाता है। विश्व में हमनें शांति का बड़ा संदेश दिया है। उन्होंने कहा कि समाज के अंतिम छोर में बैठे व्यक्ति को सरकार की योजनाओं का लाभ मिलना चाहिए। हमारा प्रयास है कि हर व्यक्ति को घर-घर शिक्षा दिलाई जाए। जिससे समाज का विकास हो सके।

भीम आर्मी के बैनर को हटाने को लेकर नाराज हुए युवक

भीम आर्मी के बैनर को हटाने से कार्यक्रम के दौरान हंगामे के हालात भी बने। बैनर हटाने से नाराज युवक नारेबाजी करने लगे तो राज्यसभा सांसद डॉक्टर किरोड़ी लाल मीणा ने समझाइश कर उन्हें शांत कराया। उन्होंने कहा कि ये किसी एक राजनीतिक दल का कार्यक्रम नहीं है। सभी दल और नेताओं को सम्मान मिलना चाहिए। डॉक्टर भीमराव अंबेडकर का सभी देशवासी दिल से सम्मान करते हैं। मेरे रग-रग में डॉक्टर भीमराव अंबेडकर बसते हैं। इसके बाद नाराज युवा शांत हुए।

कर्नाटक के बाद पूर्व आईएएस शशिकांत प्रदेश में बनाएंगे कांग्रेस के विजय की रणनीति, की गई कई नियुक्तियां

जयपुर, 25 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में कर्नाटक के बाद पूर्व आईएएस शशिकांत सेंथिल कांग्रेस के विजय की चुनावी रणनीति बनाएंगे। जिसको लेकर प्रदेश में कांग्रेस के स्टेट्रेल वॉर रूम को लेकर कई नियुक्तियां हुई है। जिसमें चेयरमैन और को-चेयरमैन को नियुक्त किया गया है।

प्रदेश में विधानसभा चुनाव के लिए महत्वपूर्ण नियुक्तियां कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने की हैं। कांग्रेस के सेंट्रल वॉर रूम के चेयरमैन और को-चेयरमैन नियुक्त कर दिए गए हैं। जिसमें सीएम अशोक गहलोत के ओएसडी लोकेश शर्मा और राजस्थान कांग्रेस नेता जसवंत गुर्जर को-चेयरमैन बनाए गए हैं। कैप्टन अरविंद कुमार भी को-चेयरमैन नियुक्त हुए है। जबकि दक्षिण भारतीय पूर्व IAS शशिकांत सेंथिल को सेंट्रल वॉर रूम का चेयरमैन नियुक्त किया गया है।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने राजस्थान कांग्रेस की ओर से दिए गए नियुक्ति प्रस्ताव को मंजूरी दी है। जिसमें राजस्थान विधानसभा चुनाव के लिए सेंट्रल वॉर रूम में चेयरमैन और तीन को-चेयरमैन की नियुक्तियां की हैं। मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी और संगठन महामंत्री केसी वेणुगोपाल के राजस्थान दौरे के तुरंत बाद नियुक्ति आदेश जारी कर दिए गए हैं। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के ओएसडी लोकेश शर्मा को को-चेयरमैन नियुक्त किया गया है। उन्हें यह दूसरी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है।

राजस्थान में सीएम अशोक गहलोत के फेस और उनकी जनहित की योजनाओं के दम पर विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुटी कांग्रेस हाईकमान ने सीएम अशोक गहलोत के विशेषाधिकारी (ओएसडी) लोकेश शर्मा को ही चुनावी स्ट्रेटजी और कंट्रोलिंग का अहम जिम्मा सौंप दिया है। लोकेश शर्मा और जसवंत सिंह गुर्जर दोनों राजस्थान से ही हैं। दोनों राजस्थान की राजनीति को समझते हैं। इसलिए ज्यादातर इलेक्शन स्ट्रेटजी और वॉर रूम का दारोमदार इन्हीं पर रहेगा। कैप्टन अरविंद कुमार भी इनके साथी के रूप में भूमिका निभाएंगे।

पूर्व आईएएस शशिकांत सेंथिल को कांग्रेस हाईकमान ने कर्नाटक वॉर रूम की कमान इससे पहले सौंपी थी। सेंथिल और उनकी टीम ने कांग्रेस के लिए अभियान और सोशल मीडिया रणनीतियों को तैयार करने के लिए दिन-रात काम किया। '40 प्रतिशत कमीशन सरकार' को राज्यव्यापी चुनावी चर्चा का हिस्सा उन्होंने बनाया था। शशिकांत सेंथिल के आइडिया पर काम करते हुए कांग्रेस ने भाजपा के खिलाफ भ्रष्टाचार विरोधी अभियानों की पूरी एक सीरीज शुरू की थी। कांग्रेस यह प्रचार कर रही थी कि कर्नाटक की भाजपा सरकार 40 प्रतिशत घूस लेकर काम करती है। भ्रष्टाचार के एक मामले में भाजपा विधायक मदल विरुपाक्षप्पा की गिरफ्तारी के बाद कांग्रेस नेता जोर शोर से यह कहते नजर आए कि प्रदेश में '40 प्रतिशत कमीशन सरकार' है। जिसका फायदा कर्नाटक जीत से कांग्रेस को मिला। कुछ वैसी ही स्ट्रेटजी के साथ केंद्र की बीजेपी सरकार और राजस्थान बीजेपी के खिलाफ शशिकांत सेंथिल यहां भी चुनाव की प्लानिंग करेंगे।

संजीवनी मामले में सीएम बोले- हम जेल जाने को तैयार

गरीबों को न्याय मिले इसलिए बोल रहा हूं, हमने कोई कैंपेन नहीं चलाया

जोधपुर, 25 सितंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने एक बार फिर संजीवनी क्रेडिट का-ऑपरेटिव सोसायटी मुद्दे को लेकर केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत पर निशाना साधा। वे बोले- यदि गरीबों को न्याय मिलता है तो हम जेल जाने के लिए, तैयार है। ये सब इसलिए बोल रहा हूं ताकि गरीबों को न्याय मिल सके। हमने इसके लिए कोई कैंपेन नहीं चलाया है। इसलिए केंद्र सरकार को भी हमारी मदद करनी चाहिए। सीएम सोमवार को जोधपुर पहुंचे थे। यहां वे 180 करोड़ रुपए से ज्यादा के बजट के प्रोजेक्ट की सौगात देंगे। सीएम सुबह जब जोधपुर एयरपोर्ट पर पहुंचे तो उन्होंने मीडिया से बातचीत के दौरान संजीवनी मुद्दे पर निशाना साधा।

सीएम ने कहा- राजस्थान में संजीवनी का स्कैंडल हुआ है। इन लोगों की क्या ड्यूटी बनती है कि गरीबों को उनका हक दिलाए। अब इनसे क्या गलती हुई वो ये जाने और स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप(एसओजी) जाने। इससे पहले तो मैं बोला भी नहीं था।

जब तीन बार लोग मुझसे मिलने आए तो उनकी आंखों में आंसू थे। उनका दुख देख मेरे भी आंसू आ गए। इसके बाद मैंने पता किया और फिर इस मुद्दे पर बोला। इस मामले में 60 से 65 आरोपी है। मैंने उन गरीब लोगों के लिए बोलना शुरू किया ताकि उन्हें न्याय मिल सके। इसी मामले को लेकर आज मेरी पेशी है। पांचवीं-छठी पेशी इस मुद्दे को लेकर हो चुकी है। यदि गरीब का पैसा मिलता है तो हम जेल जाने को तैयार है।

सीएम बोले- एक केंद्रीय मंत्री का स्कैंडल सामने आ रहा है, इनकी पार्टी के लोगों को समझना चाहिए। गरीबों का पैसा दिलाने के लिए यदि इन्हें लगता है कि हमारी मदद चाहिए तो हम तैयार है। ताकि गरीबों को कैसे भी उनका पैसा मिल सके। ये ऐसा काम है कि राजनीति से हटकर सभी राजनीतिक पार्टी के कार्यकर्ताओं और नेताओं को आगे आना चाहिए।

इन्हें ऐसा लगता है कि मैंने दुर्भावना से ऐसा किया है, जबकि ऐसा बिल्कुल भी नहीं है। मैंने जिंदगी में किसी के खिलाफ ऐसी भावना नहीं रखी तो इनके लिए क्यों रखूंगा? प्रदेश का सीएम होने के नाते लोग मेरे पास आए थे तो मैंने उनकी बात सुनी और सुनूंगा भी। मैंने इसके लिए राजस्थान में कहीं कैंपेन थोड़ी चलाया है। कहीं घूमा भी नहीं हूं। इसके बाद भी ये लोग आगे नहीं आ रहे हैं।

महाधिवक्ता कार्यालय के उद्घाटन समारोह में सीएम ने वकीलों की स्ट्राइक को बात करते हुए कहा कि- स्ट्राइक करना इनके हाथ में है, लेकिन उसे खत्म करना नहीं। एक किस्से का जिक्र करते हुए बोले- वकीलों ने लाइब्रेरी के लिए 60 लाख का बजट मांग था, लेकिन 1 करोड़ का बजट सेक्शन करवा दिया। बाहर आया तो सोचा वकील धन्यवाद देंगे, लेकिन बाहर आए तो वकीलों पर लाठी चल गई। बाद में पता चला कि इन्होंने स्ट्राइक कर दी है। उन्होंने कहा- आप मुझे जानते हो और मैं आपको जानता हूं।

एयरपोर्ट से सीएम सीधे झालामंड स्थित न्यू हाईकोर्ट परिसर पहुंचे। यहां उन्होंने महाधिवक्ता कार्यालय का उद्घाटन किया। इस कार्यक्रम में राजस्थान के चीफ जस्टिस ऑगस्टिन जॉर्ज मसीह, वरिष्ठ न्यायाधीश विजय बिश्नोई, महाधिवक्ता महेंद्र सिंह सिंघवी समेत अन्य एडवोकेट और जनप्रतिनिधि मौजूद थे।

नाबालिग की हत्या, शव बोरे में भर कुएं में फेंका

4 दिन से लापता नाबालिग की सड़ी-गली लाश मिली

उदयपुर, 25 सितंबर (एजेंसियां)। उदयपुर के खेरोदा थाना क्षेत्र में एक कुएं में बीती रात 10 साल के एक बच्चे का शव बोरी में लपेटा हुआ मिला। बताया जा रहा है कि नाबालिग मृतक अशोक की हत्या कर शव को बोरे में भरकर और पत्थर बांधकर कुएं में फेंक दिया। सूचना मिलने पर खेरोदा थाना पुलिस और डिप्टी वीरेन्द्र सिंह मौके पर पहुंचे। शव को कुएं से बाहर निकाला गया और पोस्टमार्टम के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पहुंचाया गया।

मामले में एफएसएल टीम ने भी घटना स्थल पहुंचकर साक्ष्य जुटाए। बताया जा रहा है कि बच्चा बीते 4 दिन से घर से लापता था। बच्चे के बड़े भाई ने अपने छोटे भाई की गांव में इधर-उधर काफी तलाश की। वहीं किसी स्थानीय ग्रामीण की कुएं में नजर पड़ी। उसने पानी में तैरता बोरा देखा। जिसमें से बदबू आ रही थी। शंका जाहिर होने पर उसने पुलिस को सूचना दी। बताया जा रहा है कि करीब 4 दिन पहले ही बच्चे की हत्या करके शव कुएं में फेंका गया। जिससे शव सड़-गल चुका था। कुएं की दूरी घर से करीब 500 मीटर दूर है।

दौसा में दर्दनाक हादसा, सरकारी बस ने टेंपो को मारी टक्कर, पांच लोगों की मौत और छह घायल

दौसा, 25 सितंबर (एजेंसियां)। ओवरटेक करने के प्रयास में राजस्थान परिवहन निगम की बस ने टेंपो को टक्कर मार दी। हादसे में मप्र के रहने वाले पांच लोगों की मौत हो गई जबकि छह लोग घायल हो गए। घायलों में एक महिला की हालत गंभीर है, जिसे जयपुर रेफर कर दिया गया है।

राजस्थान के दौसा जिले की हिंडौन रोड पर एक लोक परिवहन की बस ने टेंपो को टक्कर मार दी। हादसे में 5 लोगों की मौत हो गई जबकि छह लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए महुआ के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इनमें महिला और पुरुष दोनों ही शामिल हैं। हादसा ओवरटेक करने के प्रयास में होना बताया जा रहा है।

महुआ थाना अधिकारी जितेंद्र ने बताया कि लोक परिवहन की बस महुआ से हिंडौन जा रही थी। वहीं, टेंपो साइड से निकल रहा था। उससे आगे निकलने के प्रयास में बस ने उसे टक्कर मार दी। बस के नीचे आने से 5 यात्रियों की मौत हो गई, जबकि टेंपो सवार 6 यात्री घायल हो गए। घायलों में एक की हालत गंभीर होने के कारण उसे जयपुर रेफर कर दिया गया है। अन्य घायलों का महुआ के अस्पताल में चल रहा है।

बताया जा रहा है की टेंपो में सवार लोग एक ही परिवार के थे और कैला देवी से दर्शन कर वापस मध्य प्रदेश लौट रहे थे। हादसे की सूचना लगने पर स्थानीय विधायक ओमप्रकाश हुडला अस्पताल पहुंचे और घायलों से मुलाकात की। हादसे में लक्ष्मण, रज्जू, उर्मिला देवी, माया देवी, दिनेश और प्रकाश घायल हो गए। माया देवी को गंभीर हालत में जयपुर रेफर किया गया है। वहीं, गुलाब देवी, देवकीनंदन योगी, प्रियांशु, मंगती योगी समेत एक अन्य की मौत हो गई।

एडीएफ ने 40 हजार का इनामी पकड़ा, जयपुर-दिल्ली में वारदात को दे चुका है अंजाम, हथियार व कारतूस बरामद

धौलपुर, 25 सितंबर (एजेंसियां)। मथुरा थाना इलाके का हार्डकोर अपराधी हिस्ट्रीशीटर भगवान दास विगत लंबे समय से अपराध की दुनिया में सक्रिय होकर वारदात को अंजाम दे रहा था। धौलपुर जिले की एडीएफ टीम ने बीती रात कार्रवाई करते हुए शातिर बदमाश एवं हिस्ट्री शीटर भगवान दास को रामसागर बांध के पास खंडहर नुमा इमारत से गिरफ्तार किया है। बदमाश के कब्जे से पुलिस ने एक अवैध तमंचा व आठ कारतूस भी बरामद किए हैं। आरोपी को गिरफ्तार कर एडीएफ ने पूछताछ शुरू कर दी है।

एडिशनल एसपी एडीएफ देवेंद्र सिंह राजावत ने बताया जिले में वांछित अपराधी एवं बदमाशों की धर पकड़ के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने बताया सर मथुरा थाना इलाके का हार्डकोर अपराधी हिस्ट्रीशीटर भगवान दास विगत लंबे समय से अपराध की दुनिया में सक्रिय होकर वारदात को अंजाम दे रहा था।

उन्होंने बताया भगवान दास दिल्ली, जयपुर, करौली एवं धौलपुर में चोरी, नकबजनी, लूट एवं डकैती की घटनाओं अंजाम दे चुका है। इसके अलावा हथियार सप्लाई का इसका प्रमुख धंधा रहा है। बड़ी-बड़ी डकैती की गैंग को हथियार सप्लाई करता था। विगत लंबे समय से अपराध की दुनिया में सक्रिय होकर वारदात को अंजाम दे रहा था।

एडिशनल एसपी ने बताया जयपुर पुलिस मुख्यालय द्वारा 25 हजार एवं धौलपुर पुलिस द्वारा 15 हजार का इनाम घोषित किया हुआ था। बदमाश को गिरफ्तार करने के लिए धौलपुर पुलिस लगातार सर्च ऑपरेशन चला रही थी। उन्होंने बताया एडीएफ टीम के कांस्टेबल मनोज मीना, अशोक एवं हल्के राम मुखबिर की मदद से बदमाश को सर्च करने की कोशिश कर रहे थे।

'बर्थडे का बड़ा गिफ्ट दूंगा'... कहकर पति ने किया सुसाइड

जयपुर, 25 सितंबर (एजेंसियां)। मेरी लाइफ की सबसे बड़ी गलती कि मैं निशा शर्मा से मिला। निशा शर्मा ने मुझे अपने जाल में ऐसा फंसाया कि मैं फंसता चला गया। अब निशा और निशा के घर वाले मुझे मेंटली टॉर्चर कर रहे हैं। जयपुर में ससुराल वालों के टॉर्चर से परेशान टीचर ने एक नोट में यह बातें लिखी और जहर खाकर सुसाइड कर लिया। टीचर के पिता ने सुसाइड नोट के आधार पर बेटे की पत्नी, साला-साली के खिलाफ करधनी थाने में मामला दर्ज कराया है। पुलिस ने आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज किया है और जांच में जुटी है।

एसएचओ उदय सिंह यादव ने बताया- योगेश चंद शर्मा (28) निवासी बरेली (उत्तर प्रदेश) हाल गोकुलपुरा, झोटवाड़ा (जयपुर) प्राइवेट स्कूल में पढ़ाने के साथ ही कोचिंग क्लास भी चलाते थे। 14 नवंबर 2021 को योगेश ने मिलक निवासी निशा शर्मा (27) से लव मैरिज की थी। दोनों के एक साल का बेटा भी है। योगेश और निशा में घरेलू बातों को लेकर लड़ाई-झगड़े हुआ करते थे। 5 सितंबर को दोपहर 3:30 बजे योगेश ने खुद के कमरे में जहर खा लिया। सवाई मान सिंह अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। मेडिकल सूचना पर करधनी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को मॉर्च्युरी में रखवाया। दूसरे दिन सुबह पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया।

केजरीवाल की बढ़ती लोकप्रियता से डरे हुए हैं मोदी : सोमनाथ भारती

हैदराबाद, 25 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। दिल्ली विधायक और आप के दक्षिण भारत प्रभारी सोमनाथ भारती ने कहा कि आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की देश भर में बढ़ती लोकप्रियता से प्रधानमंत्री मोदी डर गए हैं। उन्होंने कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले आम आदमी पार्टी बीजेपी के लिए राष्ट्रीय चुनौती बन गई है, यही कारण है कि बीजेपी की केंद्र सरकार आप नेताओं और विधायकों, सांसदों को निशाना बना रही है और बिना किसी सबूत के झूठे मुकदमे दर्ज कर जेल भेज रही है। आप महज दस साल में एक राष्ट्रीय पार्टी बन गई है और भाजपा केजरीवाल को मोदी के लिए मुख्य चुनौती बनने से पचा नहीं पा रही है। आम आदमी पार्टी की तेलंगाना शाखा ने हैदराबाद आरटीसी कल्याण मंडपम में सम्मेलन का आयोजन किया। राज्य के 33 जिलों के जिला संयोजक, सभी विधानसभा और संसद क्षेत्रों के प्रभारी, मंडल, ग्राम संयोजक और आप स्वयंसेवकों ने लगभग 2000 प्रतिनिधियों के रूप में भाग लिया। आप तेलंगाना राज्य कोर कमेटी के सदस्य शोभन भुक्या ने इस सम्मेलन की अध्यक्षता की और आप प्रवक्ता विनय रेड्डी ने भाग लिया। मुख्य अतिथि के रूप में सम्मेलन के उद्घाटन पर बोलते हुए सोमनाथ भारती ने प्रधानमंत्री मोदी पर पूरे देश को बेचने और आवश्यक वस्तुओं की तेजी से बढ़ती कीमतों, बेरोजगारी और मुद्रास्फीति की परवाह किए बिना अपने कॉर्पोरेट मित्रों अडानी और अंबानी के लिए काम करने का आरोप लगाया। उन्होंने तर्क दिया कि जब मणिपुर राज्य जल रहा है तो प्रधानमंत्री मोदी के पास दौरा करने का समय नहीं है और प्रधानमंत्री के पास लोकसभा में भाजपा सांसद रमेश बिधूड़ी द्वारा बसपा सांसद दानिश अली के खिलाफ की गई आपत्तिजनक टिप्पणी की निंदा करने का समय नहीं है। उन्होंने कहा कि बीजेपी फर्जी हिंदुत्ववाद और फर्जी राष्ट्रवाद का इस्तेमाल कर लंबे समय तक शासन नहीं कर सकती।

गुणवत्ता नियंत्रण आंदोलन में योगदान के लिए एनएमडीसी ने जीता बेस्ट ऑर्गनाइजेशन अवॉर्ड

हैदराबाद, 25 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। नगर में आयोजित 37वें वार्षिक चैप्टर कन्वेन्शन ऑन क्वालिटी कॉन्सेप्टस 2023 में राष्ट्रीय खनिक एनएमडीसी को बेस्ट ऑर्गनाईजेशन अवॉर्ड प्रदान कर सम्मानित किया गया। हैदराबाद और भारत में गुणवत्ता नियंत्रण आंदोलन में अप्रतिम योगदान देने के लिए एनएमडीसी को तेलंगाना राज्य की राज्यपाल श्रीमती तमिलिसाई सुंदरराजन ने यह अवॉर्ड प्रदान किया। एम. जयपाल रेड्डी, अधिशासी निदेशक (संसाधन योजना और पर्यावरण) और वी. श्रीनिवास, महाप्रबंधक (मानव संसाधन विकास) ने एनएमडीसी की ओर से यह अवॉर्ड डॉ. जी. सतीश रेड्डी, पूर्व अध्यक्ष, डीआरडीओ और पूर्व वैज्ञानिक सलाहकार की उपस्थिति में प्राप्त किया। कार्यक्रम में क्वालिटी फोरम ऑफ इंडिया, हैदराबाद चैप्टर द्वारा कॉर्पोरेट भारत में गुणवत्ता नियंत्रण आंदोलन को दिशा देने में एनएमडीसी की भूमिका की सराहना की गई। इस उपलब्धि पर टिप्पणी करते हुए अमिताभ मुखर्जी, सीएमडी (अतिरिक्त प्रभार), एनएमडीसी ने कहा कि क्वालिटी सर्कल ने एनएमडीसी में उत्पादकता, दक्षता और सुरक्षा को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

एम. वेंकटरमण ने नए डीएसपी के रूप में कार्यभार संभाला

कुमरम भीम आसिफाबाद, 25 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एम. वेंकटरमण ने सोमवार को आसिफाबाद के नए डीएसपी के रूप में कार्यभार संभाला। करीमनगर पीटीसी से ट्रांसफर पर आसिफाबाद आये। 1967 में, मोटला लक्ष्मी और कोमुरैया के बेटे वेंकटरमण का जन्म वरंगल जिले के नरसंपेटा में हुआ था। इंटर तक की पढ़ाई नरसंपेट के गवर्नमेंट कॉलेज में हुई। 1976 बैच के सुधामन राव ने एक पुलिस अधिकारी को देखा और पुलिसकर्मी बनने के दृढ़ संकल्प के साथ 1991 में पहले प्रयास में एसआई के रूप में नौकरी प्राप्त की। उन्हें 2008 में सीआई के रूप में पदोन्नत किया गया था और 2017 में डीएसपी के रूप में पदोन्नत किया गया था। 2023 में पुलिस प्रशिक्षण शिविर करीमनगर में कार्यरत। स्थानांतरण पर उन्होंने आसिफाबाद डी.एसपी के रूप में कार्यभार संभाला।डीएसपी वेंकटरमन ने कहा कि जिसने भी कानून का उल्लंघन किया है उसे शांति और सुरक्षा में किसी भी तरह की गड़बड़ी के लिए दंडित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि वे यह सुनिश्चित करेंगे कि आगामी चुनाव में कोई अप्रिय घटना न हो. उन्होंने कहा कि लोग अपनी समस्याओं को लेकर सीधे संपर्क कर सकते हैं।

करमनघाट, अलमासगुडा श्री आईमाता मंदिर में स्थापित गणेश प्रतिमा के विर्सजन कार्यक्रम में पूजा-अर्चना, अन्नदानम कार्यक्रम कर, उच्चतम लड्डू की बोली के लाभार्थी परिवार नत्थाराम, ताराराम, गोविन्दराम पंवार बी.एन.रेड्डीनगर का सम्मानकर उपस्थित अध्यक्ष प्रकाश आगलेचा, सचिव पुखराज चोयल, हंसाराम आगलेचा, मगाराम परिहार, हिरालाल सैंणचा, पद्ाधिकारीयों, समाज बन्धुओं ने नाचते-गाते हुए नादरगुल लेक विसर्जन कार्यक्रम मे सपरिवार लाभ लिया।

गोकुल फ्रेंड्स एसोसिएशन द्वारा सीतारामभाग में गणेश उत्सव में श्री श्याम भजन संध्या का आयोजन किया गया। भजन प्रस्तुत कर्ता प्रतीक दाहिमा। उपस्थित मंडल के सदाशयी पीयूष सोनी, यश अग्रवाल, संदेश, सूरज, विजय, सिद्धार्थ, स्पर्श, गोलू, यश, आयुष, रोहित, सौरब एवं अन्य भक्त जन उपस्थित रहे।

असदुद्दीन ओवैसी ने राहुल गांधी को हैदराबाद से चुनाव लड़ने की चुनौती दी

हैदराबाद, 25 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने रविवार को कांग्रेस सांसद राहुल गांधी को आगामी लोकसभा चुनाव में वायनाड से नहीं बल्कि हैदराबाद से चुनाव लड़ने की चुनौती दी। एआईएमआईएम सांसद अपने संसदीय क्षेत्र हैदराबाद में एक सार्वजनिक सभा को संबोधित कर रहे थे। ओवैसी ने कहा कि उत्तर प्रदेश के अयोध्या में बाबरी मस्जिद को सबसे पुरानी पार्टी के शासन में ध्वस्त कर दिया गया था। उन्होंने कहा, ''मैं आपके नेता (राहुल गांधी) को वायनाड से नहीं बल्कि हैदराबाद से चुनाव लड़ने की चुनौती दे रहा हूं। आप बड़े-बड़े बयान देते रहते हैं, मैदान में आएं और मेरे खिलाफ लड़ें।कांग्रेस के लोग बहुत सी बातें कहेंगे, लेकिन मैं तैयार हूं...बाबरी मस्जिद और सचिवालय की मस्जिद को कांग्रेस के शासन में ध्वस्त कर दिया गया था। तेलंगाना में कांग्रेस और एआईएमआईएम आमने-सामने हैं क्योंकि दोनों पार्टियां आगामी राज्य विधानसभा चुनावों में शीर्ष पर पहुंचने के लिए कड़ी मेहनत कर रही हैं, जो इस साल के अंत में होने वाले हैं। इस महीने की शुरुआत में, राहुल गांधी ने तेलंगाना के तुक्कुगुडा में विजयभेरी सभा में बोलते हुए कहा था कि भारतीय जनता पार्टी, भारत राष्ट्र समिति और एआईएमआईएम तेलंगाना में एकजुट होकर काम कर रहे हैं और उनकी पार्टी इस तिकड़ी के खिलाफ लड़ रही है।

रामदेवरा दरबार, शिवरामपल्ली में दर्शन करने पहुंचे राजस्थान सरकार के पूर्व मुख्य सचिव व मुख्यमंत्री सलाहकार निरंजन आर्य एवं जाट नेता राजेंद्र लहर (कागट) का सम्मान करते हुए मंदिर कमेटी के चेयरमैन श्याम सुंदर गिलडा, कमल जाजु, धर्माराम ढाका, श्याम परतानी, बनवारी महाराज, हणुतराम खोकर, दोलाराम कड़वा, सोहन सिंह राजपुरोहित, जाट समाज ट्रस्ट चेयरमैन सोवनलाल बांगड़ा व अन्य।

वारसीगुडा स्ट्रीट नंबर 1 में अच्छे मित्र संघ द्वारा स्थापित गणेश पंडाल में गौ रक्षक गज्जू भाई का सम्मान करते हुए बालू, चिंटू, अजय उपाध्याय व अन्य।

स्व. सतीश धवन की जयंती मनाई गई

हैदराबाद, 25 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सुल्तान बाजार स्थित हनुमान व्यामशाला स्कूल में आजाद थे आजाद रहेंगे वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा इसरो के प्रमुख स्व. सतीश धवन की जयंती मनाई गई। इस दौरान 500 की संख्या में बच्चों को समझाया गया कि माता-पिता और गुरु प्रत्यक्ष रूप में भगवान समान है। सांस्कृतिक कार्यक्रम और बच्चों में मिठाई वितरित की गई। इस अवसर पर कमेटी सदस्य राजेश तोशनीवाल प्रिंसीपल ज्योति, सी. रामा राव, आजाद नितेश येलादुरी, अनुराग शर्मा एवं अन्य उपस्थित थे।

अग्रवाल शिक्षा समिति न्यास के चेयरमैन चुने जाने पर सुरेश अग्रवाल दिल्ली वाले का स्मृति चिह्न प्रदान कर सम्मान करते हुए जसमत पटेल, ठाकुर जयपालसिंह नयाल, रिद्धीश जागीरदार।

गोशामहल के पार्षद लालसिंह द्वारा धूलपेट में स्थापित गणेश मंडप में श्री गणेश पूजा और अन्नप्रसादम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में भाजपा के वरिष्ठ नेताओं, मित्रों और शुभचिंतकों ने भाग लिया।

गोविंद राठी ने बेगमबाजार में संतोष पहलवान द्वारा स्थापित गणेश प्रतिमा का दर्शन किया। साथ में हैं मनोज जायसवाल व अन्य।

गुड़ीमलकापुर कुएं को पुन: उपयोग में लाने का होगा प्रयास : आयुक्त रोनाल्ड रोस

हैदराबाद, 25 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कमिश्नर रोनाल्ड रोस ने कहा कि विरासत संरक्षण के हिस्से के रूप में गुड़ीमलकापुर में बावड़ी को पुन: उपयोग में लाने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। सोमवार को उन्होंने कारवां निर्वाचन क्षेत्र में जाम सिंह मंदिर, नक्कार खाना, कल्याण मंडपम, बावड़ी (बावड़ी), फूल बाजार के अंदर और बाहर की संरचनाओं का निरीक्षण किया। इस मौके पर कमिश्नर ने कहा कि नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ अर्बन मैनेजमेंट (एनआईयूएम) के सलाहकार के मार्गदर्शन में 46 लाख से बावड़ी का जीर्णोद्धार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कार्य प्रगति पर है। उन्होंने कहा कि एनआईयूएम के माध्यम से जाम सिंह मंदिर के संरक्षण और विरासत जीर्णोद्धार कार्यों को करने के लिए देवोदय विभाग से अनुमति प्राप्त की जानी थी। खैरताबाद जोनल कमिश्नर वेंकटेश डोत्रे, एसई रत्नाकर, ईई लाल सिंह, डिप्टी कमिश्नर अंजनेउलु, डिप्टी ईई जमील, एएमओएच डॉ. विजय राममोहन राव, यूबीडी डीडी श्रीनिवास, एनआईयूएम सलाहकार रजनी और अन्य ने भाग लिया।

हिमायत नगर अग्र महिला समिति द्वारा राधाष्टमी उत्सव संपन्न

हैदराबाद, 25 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज, हिमायत नगर शाखा के महिला प्रकोष्ठ हिमायत नगर अग्र महिला समिति द्वारा बडे ही धूमधाम से राधा-अष्टमी का उत्सव मनाया गया। उक्त जानकारी देते हुए शाखा की मंत्राणी रमा बाजोरिया ने बताया कि महिला समिति की संयोजिका मेघा बद्रुका के निवास स्थान पर सुन्दर सजावट की गई। बडी सख्या में महिलाओं एवं बच्चों ने राधा-कृष्णा, कीर्ति एवं वृषभानु के वेश में भाग लिया। ढोलक की भाप पर राधा जन्म की बधाई एवं अन्य गीतों पर सभी ने नृत्य एवं भजनों का खूब आनन्द लिया। किरण डालमिया, मेघा बद्रुका ने सबको बधाई बांटी। रमा बानोरिया ने सभी बच्चों को पुरस्कार प्रदान किये। इस अवसर पर रमा बाजोरिया, मेघा बद्रुका, निर्मला संघी, प्रीति गोयल, सुनीता अग्रवाल, रीटा अग्रवाल, पुष्पा, रूपा अग्रवाल, नुपूर अग्रवाल, किरण डालमिया, सतवंती सरायवाला, पूजा गुप्ता, पुष्पा गुप्ता, तारा सारडा, किरण, सन्नी अग्रवाल, आरती, मीना बेन, शीतल प्रेमलता अग्रवाल, प्रेमा जाजू, खुशबू अग्रवाल व अन्य उपस्थित थे। महिला समिति संयोजिका निर्मला संघी ने सबका धन्यवाद किया। स्वादिष्ट प्रसाद के साथ सभा संपन्न हुई।

बोइनपल्ली विघ्नेश्वरी लारी एसोसिएशन द्वारा स्थापित गणेश पंडाल में बतौर अतिथि उपस्थित छावनी परिषद के पूव उपाध्यक्ष जेपी का सम्मान किये जाने का दृश्य। इस अवसर पर अन्नदान भी किया गया।

एसएमआर रेजीडेंसी, हिमायत नगर में गणेश उत्सव कार्यक्रम में उपस्थित सुरेश आहूजा, एस. अशोक, अनिल गर्ग, राज कुमार सुराणा व अन्य।

बिहार समाज सेवा संघ द्वारा पुराने कार्यालय में श्री गणपति पूजा में भाग लेते हुए बिहार समाज सेवा संघ के तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष दीपक कुमार सिंह, झारखंड एकता समाज सिकंदराबाद टीम के अध्यक्ष विजय यादव एवं केंद्रीय टीम के सलाहकार उमेश यादव, महासचिव किशोर यादव व अन्य।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

एआईएडीएमके ने भाजपा ...

उनका इशारा तमिलनाडु की पूर्व मुख्यमंत्री जे जयललिता पर था। उन्हें आय से ज्यादा संपत्ति मामले में दोषी ठहराया गया था।

हालांकि इस मामले में जयललिता आरोपी थीं, लेकिन सुप्रीम कोर्ट के फैसले से पहले उनका निधन हो गया था। इस मामले में उनकी सहयोगी शशिकला समेत अन्य लोग दोषी ठहराए गए। 2019 के लोकसभा चुनाव के बाद से एआईएडीएमके भाजपा के साथ गठबंधन में राज्य में तीन चुनाव हार चुकी है। सूत्रों का दावा है कि एआईएडीएमके अब भाजपा को बोझ मानने लगी है। पिछले साल नवंबर में पलानीस्वामी ने कहा था कि उन्हें केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मिलने की जरूरत नहीं है। शाह निजी दौरे पर तमिलनाडु पहुंचे थे। दूसरी तरफ प्रदेश भाजपा अध्यक्ष के अन्नामलाई ने कहा था कि भाजपा से लोगों को एआईएडीएमके से मिलाने से लगता है कि तमिलनाडु में हम बढ़ रहे हैं।

मार्च में भाजपा के पांच नेता एआईएडीएमके में शामिल हो गए थे। इनमें पार्टी के प्रदेश आईटी विंग के प्रमुख सीआरटी निर्मल कुमार भी शामिल हैं। निर्मल कुमार ने प्रदेश भाजपा अध्यक्ष के अन्नामलाई पर आरोप लगाया है कि उनकी डीएमके की एक मंत्री के साथ साठगांठ है। निर्मल के अलावा 13 और नेता भी एआईएडीएमके में चले गए। इससे पहले एआईएडीएमके के बड़े नेता और पूर्व मंत्री नैनार नागेंद्रन पार्टी छोड़कर भाजपा में शामिल हुए थे और अभी विधानसभा में पार्टी के नेता हैं।

खालिस्तान को खाद ...

पाकिस्तान की मंशा है कि पंजाब में खालिस्तान मूवमेंट अगर गली मुहल्ले तक पहुंच जाती है तो उसके बाद पन्नू एवं दूसरे खालिस्तानी आतंकियों की मदद से उर्दुस्तान पर काम होगा।

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने 'एसएफजे' के संस्थापक गुरपतवंत सिंह पन्नू को आतंकी घोषित कर रखा है। पंजाब व दूसरे राज्यों में उसकी संपत्तियां जब्त की जा रही हैं। केंद्र सरकार ने एनआईए, रॉ, आईबी, ईडी व विभिन्न राज्यों में मौजूद आतंक रोधी इकाइयों को लेकर अलगाववादी और खालिस्तानी आतंकवादियों पर चोट करने की योजना बनाई है। पांच व छह अक्टूबर को नई दिल्ली में एक बैठक बुलाई गई है। इसमें सभी राज्यों के शीर्ष पुलिस अफसर, सेंट्रल इंटेलिजेंस इकाइयां और राज्यों की आतंक रोधी इकाई, एनआईए के साथ मिलकर आतंकियों के गुर्गों पर बड़ी स्ट्राइक करने का प्लान तैयार करेंगी। पंजाब, हरियाणा, यूपी, जेएंडके व दूसरे स्थानों पर खालिस्तानी आतंकियों को आर्थिक मदद मिलने के सभी रास्तों को बंद किया जाएगा। सभी एजेंसियां, एक तय समय में खालिस्तानी आतंकियों और इनका सहयोग करने वाले गैंगस्टर पर स्ट्राइक करेंगी।

एशियन गेम्स के दूसरे दिन भारत को 5 मेडल: शूटिंग में वर्ल्ड रिकॉर्ड के साथ गोल्ड, दो ब्रॉन्ज भी मिला; रोइंग में दो ब्रॉन्ज जीते

खेल डेस्क, 25 सितंबर (एजेंसियां)। 19वें एशियन गेम्स के दूसरे दिन सोमवार को भारतीय एथलीट्स ने एक गोल्ड समेत 5 मेडल जीते। चीन के हांगझोउ में शूटिंग के 10 मीटर एयर राइफल टीम इवेंट में ऐश्वर्य प्रताप सिंह, दिव्यांश सिंह और रुद्रांक्ष पाटिल ने देश को पहला गोल्ड मेडल दिलाया। तीनों ने 1893.7 स्कोर कर वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया। इससे पहले यह रिकॉर्ड 1893.3 स्कोर के साथ चीन के नाम था।

इसके अलावा, ऐश्वर्य प्रताप सिंह ने इंडिविजुअल 10 मीटर एयर राइफल में ब्रॉन्ज अपने नाम किया। रोइंग में भी आज भारत ने अच्छा प्रदर्शन किया और दो ब्रॉन्ज मेडल जीते। इसके साथ भारत को अब तक एक गोल्ड, 3 सिल्वर, 6 ब्रॉन्ज पदक मिल चुके हैं।

25 सितंबर को भारत के

इवेंट्स और एचीवमेंट...

शूटिंगः एक गोल्ड, 2 ब्रॉन्जः सुबह सबसे पहले 10 मीटर एयर राइफल टीम इवेंट हुआ। इसमें दिव्यांश सिंह पंवार, ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर और रुद्राक्ष पाटिल ने शूटिंग टीम इवेंट में भारत के लिए गोल्ड जीता है। 10 मीटर एयर राइफल टीम इवेंट में भारतीय तिकड़ी ने 1893.7 पॉइंट स्कोर किए। कोरिया गणराज्य 1890.1 स्कोर के साथ दूसरे और चीन 1888.2 स्कोर के साथ तीसरे स्थान पर रहा।

इसके बाद ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर ने 10 मीटर एयर राइफल व्यक्तिगत इवेंट में भारत के लिए ब्रॉन्ज मेडल जीता। फाइनल में रुद्रांश पाटिल चौथे नंबर पर रहे और मेडल जीतने से चूक गए। इस इवेंट में चीन को गोल्ड और साउथ कोरिया को सिल्वर मेडल मिला।

25 मीटर एयर पिस्टल इवेंट में आदर्श सिंह, अनीश सिधु और विजयवीर की तिकड़ी ने 1718 स्कोर कर ब्रॉन्ज मेडल जीता। इस इवेंट में चीन ने गोल्ड और साउथ कोरिया ने सिल्वर जीता।

इस तरह शूटिंग इवेंट्स में भारत को अब तक 5 मेडल मिल चुके हैं। इसमें एक गोल्ड, एक सिल्वर,तीन ब्रॉन्ज।

रोइंग में आज दो ब्रॉन्ज मिले

रोइंग में आज दो ब्रॉन्ज मेडल मिले। मेंस-4 फाइनल में जसविंदर, भीम, पुनित और आशीष ने ब्रॉन्ज मेडल दिलाया। इसके अलावा, मेंस क्वाड्रपल स्कल्स इवेंट में सतनाम सिंह, परमिंदर सिंह, जाकर खान, सुखमीत सिंह ने देश के लिए मेडल लेकर आए। इस तरह रोइंग में देश को एक सिल्वर, 3 ब्रॉन्ज मेडल मिल चुके हैं।

पहले दिन भारत को मिले थे 3 सिल्वर और 2 ब्रॉन्ज

इससे पहले भारत ने पहले दिन 5 मेडल जीते थे। इनमें रोइंग में तीन और शूटिंग में दो मेडल मिले थे। रोइंग में दो सिल्वर और एक ब्रॉन्ज मेडल शामिल थे। रोइंग के लाइट वेट डबल्स स्कल इवेंट में अर्जुन लाल जाट और अरविंद सिंह की जोड़ी ने सिल्वर दिलाया था।

वहीं भारतीय पुरुष टीम ने मेंस-8 इवेंट में दूसरा स्थान हासिल करते हुए सिल्वर जीता। इसके अलावा मेंस पेयर के फाइनल में बाबूलाल यादव और लेखराम की जोड़ी तीसरे स्थान पर रही थी। शूटिंग में 10 मीटर एयर राइफल में मेहुली घोष, रमिता और आशी चौकसी की टीम 1880.0 स्कोर के साथ सिल्वर जीता था। वहीं रमिता ने 10 मीटर एयर राइफल इंडिविजुअल में ब्रॉन्ज मेडल जीता था।

राइफल शूटिंग : भारतीय निशानेबाज आज भी देश को मेडल दिला सकते हैं। पहले दिन इस खेल से दो मेडल आए थे। आज मेंस 10 मीटर एयर राइफल के टीम और इंडीविजुअल इवेंट हैं और 25 मीटर पिस्टर रैपिड फायर के इवेंट होंगे। इनमें मेडल आ सकते हैं।

रोइंगः पुरुषों के सिंगल स्कल में भारत के बलराज पंवार चौथे स्थान पर रहे। रोइंग में 18 खिलाड़ी दमखम दिखाएंगे। मेंस फोर इवेंट में मेडल आ सकता है।

विमेंस क्रिकेट : भारतीय महिला टीम गोल्ड मेडल दिला सकती हैं। फाइनल में टीम इंडिया का सामना श्रीलंका से होगा। टी-20 फार्मेट में भारतीय टीम श्रीलंका को 23 में से 18 दफा हरा चुकी है। ऐसे में टीम इंडिया के गोल्ड जीतने के पूरे चांस हैं। सेमीफाइनल मुकाबले में भारतीय टीम ने बांग्लादेश को 51 रन पर ऑलआउट कर दिया था।

रोइंग में सबसे ज्यादा 18 खिलाड़ी हिस्सा लेंगे

आज देश के 121 प्लेयर मैदान पर जोर लगाएंगे। इनमें सबसे ज्यादा संख्या रोइंग के खिलाड़ियों की है। इस खेल के 18 खिलाड़ी आज नौका चलाएंगे। जूडो और जिम्नास्टिक में एक-एक भारतीय हिस्सा लेंगे।

विश्व चैंपियन मुक्केबाज जरीन का दमदार आगाज

वियतनाम की थि ताम को 5-0 से हराया, प्रीति अंतिम-8 में

हांगझोऊ, 25 सितंबर (एजेंसियां)। 50 किग्रा स्पर्धा में मौजूदा विश्व चैंपियन होने के बावजूद निकहत उन चार मुक्केबाजों में से एक रहीं जिन्हें पहले दौर में बाई नहीं मिली है। प्रतियोगिता में ओलंपिक कोटा भी दांव पर लगा है।

भारत की दो बार की विश्व चैंपियन मुक्केबाज निकहत जरीन ने यहां महिला 50 किग्रा भारवर्ग में वियतनाम की थि ताम एनगुएन पर 5-0 की दबदबे भरी जीत से एशियाई खेलों के प्री क्वार्टर फाइनल में जबकि प्रीति पवार (54 किग्रा) ने क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया। निकहत और दो बार की एशियाई चैंपियन एनगुएन के बीच यह मुकाबला मार्च में विश्व चैंपियनशिप फाइनल का दोहराव था जिसमें इस भारतीय मुक्केबाज ने सर्वसम्मत फैसले में जीत दर्ज कर प्री क्वार्टर में जगह बनाई। प्रीति ने भी दबदबा बनाते हुए जोर्डन की सिलिना अलहासनात को हराया।

50 किग्रा स्पर्धा में मौजूदा विश्व चैंपियन होने के बावजूद निकहत उन चार मुक्केबाजों में से एक रहीं जिन्हें पहले दौर में बाई नहीं मिली है। प्रतियोगिता में ओलंपिक कोटा भी दांव पर लगा है। इस पर निकहत ने कहा कि वह पहले पेरिस के लिए क्वालिफाई करने पर ध्यान लगा रही हैं। उन्होंने कहा, 'मैं पहले क्वालिफाई करने पर ध्यान लगाए हूं। फिर मैं फाइनल और स्वर्ण पदक के बारे में सोचूंगी। ' लाइटवेट वर्ग के सेमीफाइनल में पहुंचने वाली चारों मुक्केबाजों को ओलंपिक कोटा मिलेगा।

पहले ही दौर से रहा दबदबा

निकहत ने शुरू से ही सटीक मुक्के जड़ अपनी प्रतिद्वंद्वी को हिलाकर रख दिया जिससे रेफरी को पहले ही राउंड में एनगुएन को 30 सेकंड के अंदर दो बार 'आठ काउंट' देने पड़े। दूसरे राउंड में एनगुएन ने वापसी का प्रयास किया लेकिन निकहत ने मजबूत मुक्कों से करारा जवाब दिया और वियतनाम की मुक्केबाज को तीसरी बार 'आठ काउंट' मिले।

तीसरे राउंड में भारतीय मुक्केबाज बेहतरीन मुक्कों से अगले दौर में पहुंच गईं। अब निकहत का सामना राउंड 16 में दक्षिण कोरिया की चोरोंग बाक से होगा जबकि प्रीति की भिड़ंत कजाखस्तान की मुक्केबाज और तीन बार की विश्व पदक विजेता झाइना शेकरबेकोवा से होगी।

इससे पहले 19 साल की प्रतिभाशाली मुक्केबाज प्रीति ने जोर्डन की प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ आरएससी (रेफरी द्वारा मुकाबला रोकना) से जीत हासिल की। मैच के बाद जरीन ने कहा, 'मैंने इस मुकाबले को एकतरफा होने की उम्मीद नहीं की थी लेकिन मेरी योजना इसे ऐसा करने की थी। मेरी योजना पहले दो राउंड सर्वसम्मत फैसले में जीतने की थी ताकि मैं तीसरे राउंड में सहज रहूं।'

इस साल के शुरू में विश्व चैंपियनशिप के प्री क्वार्टरफाइनल तक पहुंचने वाली प्रीति ने हालांकि शुरुआत रक्षात्मक तरीके से की और फिर आक्रामक रूख अपनाया। उन्होंने दमदार मुक्के जड़कर आसानी से शुरुआती दो राउंड अपने नाम किए जिसके बाद रेफरी ने सिलिना को दूसरे और तीसरे राउंड में दो 'स्टैंडिंग काउंट' दिए और मुकाबला रोक दिया।

भारत 13 साल बाद एशियाई खेलों के प्री-क्वार्टर फाइनल में पहुंचा

हांगझोऊ, 25 सितंबर (एजेंसियां)। भारत और म्यांमार के तीन-तीन मैच में चार-चार अंक हो गए हैं। गोल अंतर में भी दोनों बराबरी पर है, लेकिन भारत ने टूर्नामेंट में म्यांमार से एक गोल ज्यादा किए हैं। इस आधार पर वह दूसरे और म्यांमार तीसरे पायदान पर है।

एशियाई खेलों के पुरुष फुटबॉल स्पर्धा में भारतीय टीम ने प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। ग्रुप ए में म्यांमार के खिलाफ मुकाबला 1-1 की बराबरी पर छूटा। इसका फायदा टीम इंडिया को मिला। भारतीय टीम अगले राउंड में अब मजबूत सऊदी अरब के खिलाफ खेलेगी। सऊदी अरब की टीम फुटबॉल विश्व कप में लियोनल मेसी की टीम अर्जेंटीना को हराया था। भारत 13 साल बाद एशियाई खेलों के प्री-क्वार्टर फाइनल में पहुंचा है। पिछली बार ग्वांग्झू (2010) में आयोजित टूर्नामेंट के दौरान राउंड-16 में पहुंचने में सफल हुआ था।

भारत ने मैच में पहला गोल किया। कप्तान सुनील छेत्री ने 23वें मिनट में गोल दागा। म्यांमार ने दूसरे हाफ में वापसी की और 76वें मिनट में गोल कर मैच को 1-1 की बराबरी पर ला दिया। इसके बाद मैच में एक भी गोल नहीं हुआ।

छेत्री ने पेनल्टी पर किया गोल

रहीम अली ने 22वें मिनट में म्यांमार के हेन जेयर लिन को छकाते हुए गेंद पर कब्जा किया। वह गोलकीपर को छकाने का प्रयास कर रहे थे, लेकिन वह ऐसा नहीं कर पा रहे थे। इसी बीच बॉक्स में हेन जेयर लिन ने उन्हें गिरा दिया। भारत को पेनल्टी मिल गई। सुनील छेत्री आगे बढ़कर पेनल्टी लेने आए। उन्होंने 23वें मिनट में गेंद को गोलपोस्ट में डालकर भारत को मैच में आगे कर दिया।

भारत को अपने पहले मुकाबले में मेजबान चीन के खिलाफ 1-5 से हार का सामना करना पड़ा था। वहीं, बांग्लादेश के खिलाफ टीम ने 1-0 से जीत हासिल की थी। भारत को किसी भी हाल में हार से बचना था। टीम ने म्यंमार को जीतने नहीं दिया और अगले दौर में जगह बनाई।

भारत और म्यांमार के तीन-तीन मैच में चार-चार अंक हो गए हैं। गोल अंतर में भी दोनों बराबरी पर है, लेकिन भारत ने टूर्नामेंट में म्यांमार से एक गोल ज्यादा किए हैं। इस आधार पर वह दूसरे और म्यांमार तीसरे पायदान पर है। चीन दो मैच में छह अंक के साथ पहले स्थान पर है। वहीं, बांग्लादेश के शून्य अंक हैं।

रेवाड़ी में भारत-ऑस्ट्रेलिया मैच पर सट्टा

6 जुआरी पकड़े; 32 हजार कैश के साथ 12 से ज्यादा मोबाइल और लैपटॉप बरामद

रेवाड़ी, 25 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के रेवाड़ी में भारत-ऑस्ट्रेलिया के मैच पर सट्टा लगाते हुए सीआईए-3 की टीम ने 6 जुआरियों को गिरफ्तार किया है। आरोपी दिल्ली-जयपुर हाईवे पर ओढी कट के समीप एक कमरे के अंदर बुक चलाते हुए मिले। आरोपियों से 32 हजार रुपए कैश, 12 से ज्यादा मोबाइल फोन व 2 लैपटॉप बरामद हुए हैं।

बीते दिन सीआईए-3 के इंचार्ज विद्या सागर की टीम को सूचना मिली थी कि भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच चल रहे दूसरे वनडे मैच में

दिल्ली-जयपुर हाईवे स्थित ओढी कट के सामने एक पेट्रोल पंप के पीछे बने कमरे में कुछ लोग बैठकर बुक चलाकर लोगों को सट्टा लगवा रहे हैं। सूचना के बाद सब इंस्पेक्टर मनीष और रजनीश के साथ एक टीम गठित कर मौके पर रेड की गई।

इस दौरान वहां कमरे में टीवी पर क्रिकेट मैच चलता हुआ मिला और 6 आरोपी मोबाइल फोन के जरिए सट्टा लगवाते हुए मिले।

गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान राजस्थान के कस्बा बहरोड़ निवासी धर्मचंद उर्फ धर्मा, नूरपुर निवासी सूरत सिंह, जितेन्द्र उर्फ दाना, दीपचंद, प्राणपुरा निवासी दिनेश उर्फ दीपू व संजय के रूप में हुई। आरोपियों के खिलाफ बावल थाना में गैंबलिंग एक्ट के तहत केस दर्ज कराया गया है।

शतक जड़ने के बावजूद शुभमन गिल तीसरा वनडे से बाहर, शार्दुल को भी नहीं मिलेगा मौका

नई दिल्ली, 25 सितंबर (एजेंसियां)। शुभमन गिल को शानदार प्रदर्शन करने के बावजूद तीसरे वनडे मुकाबले से बाहर कर दिया गया है। इसके अलावा शार्दुल ठाकुर को भी इस मैच में जगह नहीं मिलेगी। जानें क्या है कारण

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीन मैचों का वनडे श्रृंखला खेला जा रहा है। दो मैचों को अपने नाम कर भारत पहले ही सीरीज में बढ़त बना चुका है। अब इस सीरीज का तीसरा मुकाबला 27 सितंबर को खेला जाएगा। इस मुकाबले से पहले भारतीय टीम ने अपनी प्लेइंग इलेवन में बड़ा बदलाव किया है।

शुभमन गिल लगातार टीम के लिए बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं, बावजूद इसके उन्हें अगले मुकाबले से बाहर कर दिया गया है। इसके अलावा शार्दुल ठाकुर को भी बाहर कर दिया गया है। भारत ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले मुकाबले में 5 विकेट से जीत दर्ज कर चुका है। इस मुकाबले को अपने नाम करते ही भारतीय टीम आईसीसी के तीनों क्रिकेट फॉर्मेट में नंबर वन बन चुकी है। इससे पहले पाकिस्तान नंबर वन पर था। इसके बाद दूसरे मुकाबले में भी भारत ने अपनी बादशाहत दिखाते हुए 99 रनों से ऑस्ट्रेलिया को मात दे दी। दोनों ही मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया भारत के आसपास भी नहीं दिखा। दूसरे मुकाबले को अपने नाम करने का बाद भारत ने तीनों फॉर्मेट में नंबर वन का पोजीशन मजबूत कर लिया है। भारतीय ओपनर शुभमन गिल का दोनों ही मुकाबले में प्रदर्शन सराहनीय रहा है। शुभमन गिल ने पहले मुकाबले में 74 रनों की अर्धशतकीय पारी खेली थी। वहीं, दूसरे मैच में भी गिल ने तूफानी 104 रन बनाए थे। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक बेहतर प्रदर्शन करने के बाद भी शुभमन गिल को तीसरे मुकाबले में रेस्ट दिया गया है। दूसरी ओर शार्दुल ठाकुर का प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा था। ऐसे में उन्हें बाहर कर किसी और को मौका दिया जाएगा। बता दें कि पहले ही मुकाबले से रोहित शर्मा और विराट कोहली को आराम दिया गया है। दूसरे मुकाबले में जसप्रीत बुमराह को भी आराम दे दिया। अब बेहतर प्रदर्शन करने वाले शुभमन गिल को भी तीसरे वनडे से बाहर रखा जाएगा।

एयरपोर्ट में नींद, पार्क में ट्रेनिंग फिर मैदान में कमाल

भारतीय फुटबॉल टीम के दीवाने हुए हेड कोच

हांगझोऊ, 25 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय फुटबॉल टीम का एशियन गेम्स में खेलना भी तय नहीं था। कोच की चिट्ठी के बाद खेलने की अनुमति मिली, लेकिन 13 अहम खिलाड़ियों को उनके क्लब ने रिलीज नहीं किया और कप्तान सुनील छेत्री युवा खिलाड़ियों के साथ इस प्रतियोगिता में खेल रहे हैं।

एशियाई खेल 2023 में भारतीय टीम बांग्लादेश के खिलाफ जीत हासिल कर चुकी है। टीम इंडिया के लिए पदक हासिल करना बेहद मुश्किल होगा, लेकिन भारतीय टीम ने सभी के दिल जीत लिए हैं। चीन के खिलाफ शर्मनाक हार के बाद भारत के लिए वापसी की राह बेहद मुश्किल थी, लेकिन कप्तान सुनील छेत्री ने पेनल्टी में गोल कर टीम इंडिया को जीत दिलाई। इस बीच टीम के कोच इगोर स्टिमैक ने सभी खिलाड़ियों की जमकर तारीफ की है।

इगोर स्टिमैक हर समय पर टीम के साथ खड़े रहे हैं और अब

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपनी पोस्ट के जरिए सभी खिलाड़ियों की तारीफ की है। भारतीय टीम को पहले एशियाई खेलों में शामिल नहीं होना था, क्योंकि भारतीय टीम एशिया की शीर्ष आठ फुटबॉल टीमों में शामिल नहीं है। ऐसे में कोच स्टिमैक ने प्रधानमंत्री मोदी और खेल मंत्री अनुराग ठाकुर को चिट्ठी लिखकर भारतीय टीम को इस प्रतियोगिता में शामिल होने का मौका देने की बात कही।

स्टिमैक की बात मानी गई और टीम इंडिया को एशियाई खेलों में शामिल होने की अनुमति मिल गई। टीम का चयन हुआ, जिसमें कई बेहतरीन खिलाड़ी थे। हालांकि, इनमें से 13 खिलाड़ियों को उनके कोच ने देश के लिए खेलने की अनुमति नहीं दी। अनुबंध के तहत ये खिलाड़ी अपने क्लब को नहीं छोड़ सके और भारतीय टीम का चयन फिर से करना पड़ा। कप्तान सुनील छेत्री की अगुआई में भारत की युवा टीम एशियाई खेलों में शामिल हुई।

पहले मैच में भारत को चीन के खिलाफ 1-5 के अंतर से शर्मनाक हार झेलनी पड़ी, लेकिन अगले मैच में बांग्लादेश के खिलाफ टीम इंडिया ने दमदार वापसी कर जीत हासिल की। म्यांमार के खिलाफ भी भारत का प्रदर्शन अच्छा रहा। इसके साथ ही भारतीय टीम ने अंतिम-16 में जगह बना ली। अब कोच ने इस टीम की तारीफ की है।

स्टिमैक ने लिखा एयरपोर्ट पर अपनी नींद पूरी करने से लेकर चीन के पार्कों में एक्टिवेशन/रिकवरी सत्र तक। मैं व्यक्तिगत रूप से एशियाई खेलों में अपने सभी खिलाड़ियों की सराहना करना चाहता था। ये लड़के पूरी तरह से पेशेवर हैं और भारत को गौरवान्वित करने के लिए हर संभव कोशिश कर रहे हैं। जाहिर तौर पर टीम इंडिया इगोर स्टिमैक के नियंत्रण में फली-फूली है। क्रोएशियाई कोच ने दिखाया है कि वह मैदान के बाहर से हमेशा टीम को सहारा देने के लिए हमेशा तैयार रहते हैं और इस प्रक्रिया में उन्हें कुछ रेड कार्ड भी मिले हैं। उनकी कोचिंग में भारत रैंकिंग में ऊपर चढ़ा और कुछ समय बाद फीफा रैंकिंग में 100वें स्थान पर पहुंच गया।

इंग्लैंड ने आयरलैंड को 48 रन से हराया

दूसरे वनडे में सेंचुरी चूके जैक्स और सैम हैन; रेहान अहमद ने झटके 4 विकेट

नॉटिंघम, 25 सितंबर (एजेंसियां)। इंग्लैंड ने आयरलैंड को वनडे सीरीज के दूसरे मुकाबले में 48 रन से हरा दिया। नॉटिंघम में पहले बैटिंग करते हुए इंग्लैंड ने 50 ओवर में 8 विकेट पर 334 रन बनाए। विल जैक्स (94 रन) और सैम हैन (89 रन) सेंचूरी चूक गए। 335 रन के टारगेट के जवाब में आयरलैंड टीम 46.4 ओवर में 286 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। टीम का कोई भी बैटर फिफ्टी नहीं लगा सका, वहीं इंग्लैंड से लेग स्पिनर रेहान अहमद ने 4 विकेट झटके।

दूसरे वनडे में जीत के साथ इंग्लैंड ने 3 मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। पहला वनडे बारिश के कारण बेनतीजा रहा था। वहीं तीसरा वनडे 26 सितंबर को ब्रिस्टल में खेला जाएगा।

टॉस हारकर पहले बैटिंग करने उतरी इंग्लैंड को फिल सॉल्ट और विल जैक्स ने अच्छी शुरुआत दिलाई। दोनों ने छठे ओवर में ही टीम का स्कोर 50 रन के पार पहुंचा दिया। 7वें ओवर में सॉल्ट 28 रन

बनाकर आउट हो गए। इसी ओवर में कप्तान जैक क्रॉले खाता खोले बगैर ही विल यंग का शिकार हो गए। 7वें ओवर में 2 विकेट गंवाने के बाद बेन डकेट और जैक्स ने सेंचुरी पार्टनरशिप की। डकेट 48 रन बनाकर आउट हुए और दोनों के बीच 102 रन की साझेदारी टूटी। विल जैक्स ने टीम का स्कोर 200 रन के पार पहुंचाया, लेकिन 94 रन बनाकर वह स्पिनर जॉर्ज डॉकरेल का शिकार हो गए।

इंग्लैंड ने सैम हैन को डेब्यू कैप दी। उन्होंने अपने पहले ही मैच में 89 रन की पारी खेल दी। वह 50वें ओवर में आउट हुए और टीम का स्कोर 334 रन तक ले गए। हैन के अलावा जैमी स्मिथ ने 9, ब्रायडन कार्स ने 32, रेहान अहमद ने 6, टॉम हार्टले ने 12 और मैथ्यू पॉट्स ने 3 रन बनाए।

आयरलैंड से जॉर्ज डॉकरेल ने सबसे ज्यादा 3 विकेट लिए। क्रैग यंग को 2 विकेट मिले, वहीं मार्क अडायर, जोश लिटिल और बैरी मैक्कार्थी ने 1-1 विकेट लिया।

आयरलैंड को मिली तेज शुरुआत

335 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी आयरलैंड टीम की शुरुआत भी तेज रही। एंडी बालबर्नी और कप्तान पॉल स्टर्लिंग ने 4 ओवर में ही 46 रन जोड़ लिए। चौथे ओवर में बालबर्नी 14 रन बनाकर आउट हो गए। अगले ओवर में स्टर्लिंग भी 25 रन बनाकर पवेलियन लौट गए।

ओपनर्स के बाद कर्टिस कैम्फर 9, हैरी टेक्टर 39, लॉर्कन टकर 11, एंडी मैक्ब्राइन 4 और मार्क अडायर 12 रन बनाकर आउट हो गए। टीम ने 157 रन के स्कोर पर 7 विकेट गंवा दिए। जल्दी विकेट गिरने के बाद लोअर ऑर्डर बैटर्स ने टीम के लिए रन बनाए। जॉर्ज डॉकरेल 43, बैरी मैक्कार्थी 41, जोश लिटिल 29 और क्रैग यंग ने 40 रन बनाए। लोअर ऑर्डर के रन की मदद से आयरलैंड ने 280 का स्कोर पार किया। लेकिन टीम 46.4 ओवर में 286 रन बनाकर ऑल आउट हो गई और 48 रन से मुकाबला गंवा दिया।

तेलंगाना ने चिकित्सा क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की : हरीश राव

स्वास्थ्य मंत्री ने तेलंगाना में एयर एम्बुलेंस सेवाएं शुरू किये जाने की जानकारी दी

हैदराबाद, 25 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। स्वास्थ्य मंत्री टी. हरीश राव ने कहा कि तेलंगाना राज्य ने पिछले नौ वर्षों के दौरान स्वास्थ्य सेवा में उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की है, जो 2014 में नीति आयोग स्वास्थ्य सूचकांक में 11वें स्थान से तीसरे स्थान पर पहुंच गया है और आज शीर्ष स्थान सुरक्षित करने की ओर अग्रसर है।

सोमवार को यहां रवींद्र भारती में तेलंगाना स्वास्थ्य विभाग की दस साल की प्रगति रिपोर्ट का अनावरण करने के बाद बोलते हुए, मंत्री ने सफलता का श्रेय समर्पित चिकित्सा कर्मचारियों के सामूहिक प्रयासों को दिया।

मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव के अटूट नेतृत्व की बदौलत तेलंगाना राज्य एक राष्ट्रीय स्वास्थ्य देखभाल रोल मॉडल के रूप में विकसित हुआ है, जिसने केवल एक दशक के भीतर ऐसी उपलब्धियां हासिल की हैं जो पहले अकल्पनीय थीं। हरीश राव ने बताया कि पिछले नौ वर्षों में, चिकित्सा विभाग में उल्लेखनीय 22,600 पद भरे गए हैं, अतिरिक्त 7,291 पदों पर नियुक्ति के प्रयास जारी हैं। अनुकरणीय स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने और जीवन बचाने के लिए चिकित्सा विभाग के सभी सदस्यों को बधाई और शुभकामनाएं देते हुए, मंत्री ने कहा कि तेलंगाना का चिकित्सा बुनियादी ढांचा किसी भी स्वास्थ्य आपात स्थिति से निपटने के लिए अच्छी तरह से तैयार है, जिसमें गाँव, शहरी, मंडल और निर्वाचन क्षेत्र स्तर पर 50,000 बिस्तर और स्वास्थ्य सुविधाओं का एक व्यापक नेटवर्क है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं को और मजबूत करने के लिए वारंगल हेल्थ सिटी और एनआईएमएस के विस्तार जैसी उल्लेखनीय परियोजनाएं चल रही हैं। मंत्री ने आगामी पहलों का भी खुलासा किया, जिसमें पूरे राज्य में आपातकालीन सेवाएं प्रदान करने के लिए एयर एम्बुलेंस की शुरूआत भी शामिल है, यह सेवा पहले संपन्न लोगों के लिए आरक्षित थी।

अपने संबोधन के दौरान, हरीश राव ने 12,364 करोड़ रुपये के पर्याप्त बजट आवंटन और प्रति व्यक्ति 3,532 चिकित्सा उपचार व्यय पर भी प्रकाश डाला। तेलंगाना को देश में तीसरा सबसे बड़ा खर्च करने वाला स्थान दिया गया है।

यह कहते हुए कि तेलंगाना अंग प्रत्यारोपण में अग्रणी है, विशेष रूप से छह महीने के भीतर एनआईएमएस अस्पताल में 100 किडनी प्रत्यारोपण सर्जरी की उपलब्धि पर प्रकाश डालते हुए, हरीश राव ने कहा कि गांधी अस्पताल की 8वीं मंजिल पर एक अंग प्रत्यारोपण केंद्र स्थापित करने की योजना चल रही है, जिससे मरीजों के लिए पहुंच सुनिश्चित हो सके। मंत्री ने डॉ. अरुण के नेतृत्व में एनआईएमएस में बच्चों के मुफ्त हृदय ऑपरेशन करने वाले तेलंगाना के ब्रिटिश भारतीय डॉक्टरों की एक टीम की भी प्रशंसा की।

इस अवसर पर, हरीश राव ने उन 310 फार्मासिस्टों का स्वागत किया, जिन्होंने प्रतिष्ठित सरकारी पद हासिल किए हैं और चिकित्सा स्वास्थ्य विभाग के सम्मानित रैंक में शामिल हुए हैं। मंत्री ने मरीजों को दवाओं की उपलब्धता और उचित प्रशासन सुनिश्चित करने में फार्मासिस्टों की अपरिहार्य भूमिका को रेखांकित किया, जिससे स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में वृद्धि हुई।

स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि तेलंगाना सरकार आने वाले दिनों में एक एयर एम्बुलेंस सुविधा शुरू करने के लिए पूरी तरह तैयार है जो मरीजों को आपातकालीन गंभीर देखभाल के लिए सरकारी विशेष अस्पतालों में तुरंत भर्ती कराने में सक्षम बनाएगी।

उन्होंने कहा कि एयर एम्बुलेंस सुविधा विशेष रूप से दूरदराज के स्थानों में रहने वाले और आर्थिक रूप से पिछड़े वर्गों के मरीजों और परिवारों को लक्षित होगी, जिन्हें आपातकालीन जीवनरक्षक स्वास्थ्य देखभाल सुविधाओं की आवश्यकता है।

देश में कुल कैमरों में से 64 प्रतिशत कैमरे तेलंगाना में : महमूद अली

गृहमंत्री ने सीसीटीवी के विशाल नेटवर्क का उद्घाटन किया

हैदराबाद, 25 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य पुलिस इंटीग्रेटेड कमांड कंट्रोल सेंटर ने दो महत्वपूर्ण मील के पत्थर हासिल किए। कई अन्य विभागों ने टीएसपीआईसीसीसी में अपने कर्मचारियों को तैनात करना शुरू कर दिया है, जिससे एक बहु-एजेंसी परिचालन केंद्र के रूप में इसकी स्थिति और मजबूत हो गई है, जैसा कि मुख्यमंत्री ने कल्पना की थी और मौजूदा नेटवर्क में 2306 नए कैमरों को शामिल करना एक महत्वपूर्ण कदम है। गृह मंत्री मोहम्मद महमूद अली ने सुरक्षित शहर परियोजना द्वारा वित्त पोषित 2306 सीसीटीवी के विशाल नेटवर्क का उद्घाटन किया। ये उन्नत कैमरे त्रि-आयुक्तालयों में स्थापित किए गए और कमांड कंट्रोल सेंटर से जुड़े हुए है। गृह मंत्री ने अपने संबोधन में, तेलंगाना राज्य पुलिस की यात्रा को दोहराया और बताया कि कैसे यह उन्नत प्रौद्योगिकी व प्रथाओं का लाभ उठाकर देश में सर्वश्रेष्ठ पुलिस बल में से एक के रूप में उभरा है। उन्होंने कहा, देश में कुल कैमरों में से 64 प्रतिशत कैमरे यहां तेलंगाना में हैं। उन्होंने नेटवर्क में उन्नत कैमरे जोड़ने के समर्पण के लिए सीपी आनंद और पूरी टीम की सराहना की। डीजीपी अंजनी कुमार ने नए तैनात किए गए कैमरा नेटवर्क के महत्व को रेखांकित किया, विशेष रूप से गणेश चतुर्थी और मिलाद जैसे प्रमुख आयोजनों से पहले इसकी समय पर उपलब्धता विशाल स्क्रीन सार्वजनिक सुरक्षा के प्रति राज्य सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। शहर के पुलिस आयुक्त और निदेशक टीएसपीआईसीसीसी, सीवी आनंद ने उल्लेखनीय प्रगति के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने केंद्र के विस्तार पर प्रकाश डाला, जिसमें टीएसएनएबी, साइबर सुरक्षा ब्यूरो जैसे नए ब्यूरो की स्थापना, अन्य विभागों के कैमरा फ़ीड और सेंसर डेटा को एकीकृत करना शामिल है और यह भी साझा किया कि टीमें विभिन्न अन्य प्रणालियों जैसे डायल 100 आदि को एकीकृत करने की कगार पर हैं। मुख्यमंत्री की कल्पना के अनुसार टीएसपीआईसीसीसी एक पूर्ण मल्टी-एजेंसी संचालन और आपदा प्रबंधन केंद्र में तब्दील हो गया। उन्होंने कहा कि इस साल सभी विभाग टीएसपीआईसीसीसी से गणेश विसर्जन और मिलाद जुलूस की निगरानी करेंगे। गृह मंत्री ने वॉर रूम का भी उद्घाटन किया जो किसी संकट की स्थिति में सरकार के शीर्ष पदाधिकारियों और सभी विभागों के एचओडी की बैठक की सुविधा प्रदान करता है ताकि बढ़े हुए और त्वरित निर्णय के माध्यम से जल्द से जल्द इसे कम किया जा सके। एक दर्शक दीर्घा अब जनता को केंद्र के संचालन के बारे में अंदरूनी जानकारी प्राप्त करने की अनुमति देती है। कार्यक्रम के दौरान, सुश्री पुष्पा, एसपी-तकनीकी, टीएसपीआईसीसीसी द्वारा एक व्यापक प्रस्तुति दी गई और सुविधा की उन्नत सुविधाओं और क्षमताओं के बारे में बताया गया। यह विशाल नेटवर्क मौजूदा सीसीटीवी बुनियादी ढांचे को बढ़ाता है, जिससे सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करने की राज्य की क्षमता में और वृद्धि होती है। इस अवसर पर विक्रम सिंह मान, अतिरिक्त सीपी (एल एंड ओ), सुधीर बाबू, अतिरिक्त सीपी-यातायात, विश्वप्रसाद, अतिरिक्त सीपी-एसबी, गजराव भूपाल, संयुक्त सीपी (अपराध और एसआईटी)-नोडल अधिकारी सुरक्षित शहर परियोजना आदि उपस्थित रहे।

विधायक हनुमंत राव कांग्रेस में शामिल होंगे

हैदराबाद, 25 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सत्तारूढ़ बीआरएस पार्टी के मल्काजीगिरि विधायक मैनमपल्ली हनुमंत राव कांग्रेस पार्टी में शामिल होने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। वह 27 सितंबर को दिल्ली जाएंगे और कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी की मौजूदगी में कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ग्रहण कर सकता है। मैनमपल्ली ने कहा कि वह 27 सितंबर को सोनिया गांधी की उपस्थिति में कांग्रेस में शामिल होंगे।

राज्यपाल ने दो मनोनीत एमएलसी के नाम खारिज कर दिये

हैदराबाद, 25 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्यपाल डॉ. तमिलिसाई सौदरराजन ने राज्यपाल के कोटे के तहत राज्य सरकार द्वारा एमएलसी के रूप में नामित किए गए दासोजू श्रवण कुमार और कुर्रा सत्यनारायण के नामों को खारिज कर दिया है। राज्यपाल ने सोमवार को दो अलग-अलग पत्रों में मुख्य सचिव शांति कुमारी को अपना संदेश दिया, जिसमें कहा गया कि राज्य सरकार द्वारा नामित दोनों बीआरएस नेता राज्यपाल कोटे के तहत फिट नहीं होंगे। पत्र में, उन्होंने उल्लेख किया कि भारत के संविधान के अनुच्छेद 171(1)(ई) और 171(5) राज्यपाल को अनुच्छेद 171(3) और (5) के तहत सदस्यों को नामित करने का अधिकार देते हैं, जिसमें साहित्य और विज्ञान, कला, सहकारी आंदोलन और समाज सेवा में व्यावहारिक अनुभव विशेष ज्ञान रखने वाले व्यक्ति शामिल होते हैं। हालाँकि, डॉ. दासोजू श्रवण कुमार का सारांश राजनीति, कॉर्पोरेट और शैक्षणिक क्षेत्र में उनकी सक्रिय भागीदारी का संकेत देता है। उनका सारांश साहित्य, विज्ञान, कला, सहकारी आंदोलन और समाज सेवा में किसी विशेष उपलब्धि का संकेत नहीं देता है, जो कि सारांश से एक छोटे कार्यकाल का प्रतीत होता है। भारत के संविधान के अनुच्छेद 171(5) के तहत आवश्यक पूर्व शर्तों की पूर्ति पर कोई स्पष्ट विचार नहीं किया गया है। तमिलिसाई सौदरराजन ने बताया कि सारांश के अलावा, कोई अन्य विवरण या दस्तावेज़ संलग्न या मुझे नहीं भेजा गया है। इसी तरह, कुर्रा सत्यनारायण का सारांश राजनीति और कॉर्पोरेट ट्रेड यूनियन गतिविधियों में उनकी सक्रिय भागीदारी को इंगित करता है। उनका प्रोफ़ाइल सारांश साहित्य, विज्ञान, कला, सहकारी आंदोलन और सामाजिक सेवा में उनके विशेष ज्ञान को नहीं दर्शाता है, जो सारांश से एक छोटे कार्यकाल के लिए प्रतीत होता है, जो अनुच्छेद 171(5) के दायरे में नहीं आएगा। भारत के संविधान के अनुच्छेद 171(5) के तहत आवश्यक पूर्व शर्तों की पूर्ति पर कोई स्पष्ट विचार नहीं है। इसलिए, विधान परिषद के सदस्य के रूप में कुर्रा सत्यनारायण का नामांकन खारिज कर दिया गया है। राज्यपाल ने कैबिनेट और मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव से अनुरोध किया है कि वे भारत के संविधान के अनुच्छेद 171(5) के तहत नामांकित पदों को भरने के लिए ऐसे राजनीतिक रूप से जुड़े व्यक्तियों से बचें, जो इसके उद्देश्यों और अधिनियमन को विफल करते हैं।

गणेश विसर्जन के लिए एमएमटीएस की विशेष सेवाएँ

हैदराबाद, 25 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। गणेश निमर्जनम (मूर्ति विसर्जन) के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को कम करने के लिए, दक्षिण मध्य रेलवे 28 और 29 सितंबर की मध्यरात्रि को जुड़वां शहरों के विभिन्न गंतव्यों के बीच आठ एमएमटीएस विशेष ट्रेनें चलाएगा। ट्रेन संख्या जीएचएल-5 (हैदराबाद-लिंगमपल्ली) 28 सितंबर को रात 11 बजे हैदराबाद से प्रस्थान करेगी और 11.50 बजे लिंगमपल्ली पहुंचेगी। ट्रेन नंबर जीएसएच-1 (सिकंदराबाद-हैदराबाद) 28 सितंबर को रात 11.50 बजे सिकंदराबाद से रवाना होगी और रात 12.20 बजे हैदराबाद पहुंचेगी।

ट्रेन संख्या जीएलएफ-6 (लिंगमपल्ली-फलकनुमा) 29 सितंबर को सुबह 1.10 बजे लिंगमपल्ली से प्रस्थान करेगी और 1.50 बजे फलकनुमा पहुंचेगी। ट्रेन संख्या जीएचएल-2 (हैदराबाद-लिंगमपल्ली) 29 सितंबर को रात 12.30 बजे हैदराबाद से प्रस्थान करेगी और 1.20 बजे लिंगमपल्ली पहुंचेगी। ट्रेन संख्या जीएलएच-3 (लिंगमपल्ली-हैदराबाद) 29 सितंबर को 1.50 बजे लिंगमपल्ली से प्रस्थान करेगी और 2.40 बजे हैदराबाद पहुंचेगी। ट्रेन संख्या जीएफएस-7 (फलकनुमा-सिकंदराबाद) 29 सितंबर को रात 2.20 बजे फलकनुमा से प्रस्थान करेगी और उसी दिन सुबह 3 बजे सिकंदराबाद पहुंचेगी। ट्रेन नंबर जीएसएच-4 (हैदराबाद-सिकंदराबाद) 29 सितंबर को सुबह 3.30 बजे हैदराबाद से रवाना होगी और सुबह 4 बजे सिकंदराबाद पहुंचेगी। ट्रेन संख्या जीएसएच-8 (सिकंदराबाद-हैदराबाद) 29 सितंबर को सुबह 4 बजे सिकंदराबाद से प्रस्थान करेगी और 4.40 बजे हैदराबाद पहुंचेगी।

पार्टी के वफादारों को महत्व दिया जाएगा : मधु याश्की

हैदराबाद, 25 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस अभियान समिति के अध्यक्ष मधु याशकी गौड़ ने आज स्पष्ट किया कि भले ही सत्तारूढ़ दल के नए लोगों को पार्टी में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया है, लेकिन पार्टी के प्रति प्रतिबद्ध नेताओं की कभी भी उपेक्षा नहीं की जाएगी। किसी भी परिस्थिति में. 'पुराने नेताओं को दरकिनार कर नए शामिल हुए नेताओं को सीटें देना कांग्रेस की अनैतिक परंपरा नहीं है।' सीएलपी नेता मल्लू भट्टी विक्रमार्क और मधु यशकी गौड़ ने मेडचल-मलकजगिरी डीसीसी अध्यक्ष नंदिकंती श्रीधर के साथ बैठक की। मधु याश्की ने कहा कि कांग्रेस में बीसी नेताओं को पार्टी द्वारा उचित प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने दावा किया कि अभी तक कांग्रेस पार्टी के टिकटों का सीट आवंटन नहीं हुआ है।

तेलंगाना में सरकारी स्कूल के छात्रों के लिए दशहरे से मिलेगा पौष्टिक दशहरा उपहार

हैदराबाद, 25 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार की प्रमुख योजना 'मुख्यमंत्री नाश्ता' (मुख्यमंत्री अल्पाहार) के हिस्से के रूप में सरकारी स्कूल के छात्रों को दशहरा से पौष्टिक नाश्ता परोसा जाएगा। पौष्टिक बाजरा 'रवा खिचड़ी' के साथ गरमागरम 'सांबर', स्वादिष्ट 'रवा पोंगल' और 'सांबर' से लेकर गेहूं की 'रवा खिचड़ी' और 'चटनी' तक, स्कूल शिक्षा विभाग ने मुफ्त में दिन-वार मेनू का प्रस्ताव दिया है। नाश्ता स्कूल में तैयार किया जाएगा और सुबह की प्रार्थना यानी 9.30 बजे से पहले छात्रों को गर्मागर्म परोसा जाएगा। 24 अक्टूबर को छात्रों के लिए दशहरा उपहार के रूप में शुरू की जाने वाली नाश्ता योजना से विभाग के तहत संचालित 28,807 स्कूलों-सरकारी और स्थानीय निकाय, सहायता प्राप्त, मॉडल स्कूल और मदरसों-में 23,05,801 छात्रों को लाभ होगा। कामकाजी माताओं के बोझ को कम करने के अलावा स्कूल जाने वाले बच्चों की पोषण संबंधी स्थिति को संबोधित करने के लिए, राज्य सरकार ने कक्षा प्रथम से दसवीं तक के छात्रों को मुफ्त नाश्ता देने की घोषणा की, और इस तरह उनके शैक्षणिक प्रदर्शन में वृद्धि हुई। इससे पहले, सरकार ने सरकारी और स्थानीय निकाय स्कूलों के छात्रों के लिए रागी जावा लॉन्च किया था। गुड़ के साथ मिश्रित बाजरा आधारित पूरक प्राथमिक और उच्च प्राथमिक छात्रों को हर दूसरे दिन परोसा जा रहा है।

सरकार पहले से ही सरकारी और स्थानीय निकाय के स्कूली बच्चों को मुफ्त मध्याह्न भोजन उपलब्ध करा रही है। बढ़िया चावल, दाल, सांबर, सब्जी करी, फलियां सब्जी करी और विशेष चावल जैसे सब्जी बिरयानी, 'बगरा' चावल और 'पुलिहोरा' भोजन की किस्में हैं जो छात्रों को भोजन के हिस्से के रूप में परोसी जाती हैं। भोजन को अधिक प्रोटीन युक्त बनाते हुए, सरकार ने अंडे को शामिल किया, जो छात्रों को सप्ताह में तीन बार मध्याह्न भोजन में प्रदान किया जाता है। केंद्र और राज्य सरकारें पहली से आठवीं कक्षा के छात्रों को दिए जाने वाले मध्याह्न भोजन पर होने वाले खर्च को 60:40 के अनुपात में साझा करती हैं। हालाँकि, राज्य सरकार अकेले कक्षा नौवीं और दसवीं के छात्रों के लिए भोजन की लागत के साथ-साथ कक्षा पहली से दसवीं के छात्रों के लिए अंडे की लागत वहन करती है।

वैजाग में सीएमओ कार्यालय चरणों में स्थापित किया जाएगा

विशाखापत्तनम, 25 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के नेता वाईवी सुब्बा रेड्डी ने यहां कहा कि लोग विशाखापट्टणम शहर में राजधानी स्थापित करने के कदम का स्वागत कर रहे हैं और यहां मुख्यमंत्री कार्यालय स्थापित करने के लिए आवश्यक कदम चरणों में उठाए जाएंगे। उद्योग और आईटी मंत्री गुडीवाड़ा अमरनाथ के साथ विशाखा कैपिटल संयुक्त कार्रवाई समिति की बैठक में भाग लेने के बाद मीडियाकर्मियों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि विजयादशमी के दिन से शहर में प्रशासन के लिए आवश्यक बुनियादी सुविधाएं बनाने के लिए एक समिति पहले ही गठित की जा चुकी है। उन्होंने खुलासा किया कि विशाखापत्तनम को राजधानी के रूप में स्वागत करने के लिए सभी वर्गों के लोगों के साथ 15 अक्टूबर को एक बड़ा कार्यक्रम 'विशाखा वंदनम' आयोजित करने पर भी विचार किया जा रहा है, और कहा कि आवश्यक व्यवस्था करने के बाद ही तारीख तय की गई। इससे पहले, मुख्य सचिव जवाहर रेड्डी ने विशाखापत्तनम मेट्रोपॉलिटन रीजन डेवलपमेंट अथॉरिटी (वीएमआरडीए) कार्यालय में एक बैठक की और राजधानी के लिए भवनों के चयन और तैयारियों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि हर कोई जल्द ही यहां मुख्यमंत्री के आगमन के लिए बुनियादी ढांचे और विकास को देखेगा। स्वीकृत राष्ट्रीय स्तर की बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के कार्यान्वयन के लिए पहले से ही कुछ सुझाव दिए गए थे, और यह जानकर खुशी हुई कि विशाखापत्तनम नीति आयोग द्वारा चुने गए 20 शहरों में से एक था, और यह 2047 विकासशील भारत कार्यक्रम के लिए चुने गए चार शहरों में से एक भी है।

स्वतंत्र वार्ता

Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com

Epaper :
epaper.swatantravaartha.com

For Advertisement :
swadds1@gmail.com

भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड
(भारत सरकार का उपक्रम)

कॉर्पोरेशन के स्वामित्व वाले तथा कॉर्पोरेशन परिचालित रीटेल आउटलेटों (कोको) के लिए सेवा प्रदाता की नियुक्ति हेतु सूचना

भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड, आंध्र प्रदेश एवं तेलंगाना के राज्यों के विभिन्न स्थानों पर स्थित कॉर्पोरेशन के स्वामित्व वाले तथा कॉर्पोरेशन परिचालित रीटेल आउटलेटों में कर्मियों तथा विभिन्न सेवाओं के प्रावधान हेतु सेवा प्रदाता की नियुक्ति हेतु प्रस्ताव प्रस्तुत करती हैं। विस्तृत विज्ञापन, निर्देशावलियां/विवरणिका और आवेदन प्रपत्र हमारी वेबसाइट (https://bharatpetroleum.in/Bharat-Petroleum-For/Business-Associates/COCO.aspx) पर उपलब्ध हैं तथा इसे डाउनलोड भी किया जा सकता है। परिपूर्ण आवेदन प्रपत्र विस्तृत विज्ञापन में यथा उल्लेखित कार्यालय में दिनांक 25.10.2023 को अपराह्न 1700 बजे तक पहुँच जाना चाहिए। शुद्धि पत्र, यदि कोई हो, उपरोक्त वेबसाइट पर प्रकाशित होगा।

Bharatgas | MAK LUBRICANTS MAK makes it possible. | Bharat Petroleum Aviation Service

एनरजाइजिंग लाइव्ज़, एनरजाइजिंग नया भारत

सैकड़ों आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया गया

विजयवाड़ा, 25 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस ने सोमवार को 'चलो विजयवाड़ा' कार्यक्रम को विफल करने के लिए सैकड़ों आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार कर लिया। आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं ने अपनी मांगों पर जोर देने के लिए सीटू, एटक और आईएफटीयू के तत्वावधान में यहां धरना चौक पर प्रदर्शन का आह्वान किया। हालाँकि, पुलिस ने बस अड्डों और रेलवे स्टेशनों पर महिला श्रमिकों को घेरकर उनके प्रयासों को विफल कर दिया, जबकि वे इस वाणिज्यिक शहर के लिए घर से निकली थीं, जिससे हर जगह तनाव पैदा हो गया।

बीआरएस सरकार की अक्षमता फिर उजागर : गुडूर

सीएम ने भर्ती की घोषणा की क्योंकि बेरोजगार युवा सरकारी विभागों में रिक्तियों पर भर्ती करने में कई वर्षों की देरी के कारण सरकार के खिलाफ उठे

हैदराबाद, 25 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की राज्य कार्यकारी समिति के सदस्य गुडुर नारायण रेड्डी ने सोमवार को आरोप लगाया कि वस्तुतः तेलंगाना में कोई सरकार नहीं है और ऐसा लगता है कि सत्तारूढ़ दल ने कार्यकाल अवधि खत्म होने से पहले ही अपनी जिम्मेदारियों को छोड़ दिया है।

उन्होंने आलोचना की कि उच्च न्यायालय द्वारा ग्रुप 1 प्रिलिम्स परीक्षा को रद्द करना इस बात को साबित करता है। सत्तारूढ़ दल ने सरकारी एजेंसियों पर अपनी पकड़ खो दी है और वह सेवानिवृत्ति के मूड में है। अधिकारी आराम के मूड में हैं और चीजों को गंभीरता से नहीं लेते. प्रशासन की परवाह न करते हुए मुख्यमंत्री चुनावी राजनीति में व्यस्त हैं।

उन्होंने कहा कि हाईकोर्ट ने इस साल 11 जून को हुई ग्रुप-1 प्रिलिम्स परीक्षा रद्द कर दी है. उन्होंने बताया कि पिछले अक्टूबर में आयोजित इसी परीक्षा को भी पेपर लीक के आरोपों के कारण रद्द कर दिया गया था। उन्होंने कहा कि सरकार ने पिछले साल परीक्षा रद्द होने से कोई सबक नहीं लिया और वही गलतियां दोहराई. उन्होंने कहा कि उच्च न्यायालय द्वारा बताई जा रही खामियां तेलंगाना राज्य लोक सेवा आयोग के सदस्यों और संबंधित उच्च अधिकारियों की संवेदनहीनता को दर्शाती हैं।

नारायण रेड्डी ने कहा कि राज्य सरकार ने महत्वाकांक्षी रूप से मार्च, 2022 में 80,000 सरकारी रिक्तियों पर भर्ती की घोषणा की। सीएम ने भर्ती की घोषणा की क्योंकि बेरोजगार युवा सरकारी विभागों में रिक्तियों पर भर्ती करने में कई वर्षों की देरी के कारण सरकार के खिलाफ उठे। उन्होंने कहा कि सरकार के फैसले से लाखों नौकरी चाहने वालों में उम्मीद जगी है और उन्होंने प्रति माह हजारों रुपये खर्च कर तैयारी शुरू कर दी है. टीएसपीएससी ने अक्टूबर, 2022 में ग्रुप 1 प्रिलिम्स परीक्षा आयोजित की थी और पेपर लीक कांड के कारण उन्हें रद्द कर दिया गया था। हालांकि यह बिल्कुल स्पष्ट था कि सरकार द्वारा नियुक्त सदस्यों द्वारा चलाया जा रहा टीएसपीएससी निष्पक्ष और सटीक तरीके से परीक्षा आयोजित करने में विफल रहा है, सरकार ने उन पर कोई कार्रवाई नहीं की। किसी भी सदस्य को नहीं हटाया गया और उन्हें फिर से परीक्षा आयोजित करने की जिम्मेदारी दी गई। हालाँकि, टीएसपीएससी के अयोग्य सदस्य फिर से विफल हो गए और इस साल जून में प्रिलिम्स परीक्षा आयोजित करने में कई खामियाँ हुईं। परीक्षा देने वाले अभ्यर्थियों की संख्या बेमेल थी। ओएमआर शीट पर हॉल टिकट नंबर अंकित नहीं थे। बीजेपी नेता ने कहा कि हाई कोर्ट ने इन खामियों को गंभीरता से लिया है और परीक्षा रद्द कर दी है. इससे 2.30 लाख अभ्यर्थी बेहद निराश हैं क्योंकि उन्हें तीसरी बार परीक्षा की तैयारी करनी है और कोई नहीं जानता कि परीक्षा दोबारा कब आयोजित की जाएगी।

उन्होंने मुख्यमंत्री को सलाह दी कि वे इस मुद्दे को प्रतिष्ठित मुद्दे के रूप में न लें और एचसी के आदेश को डिवीजन बेंच में चुनौती दें। उन्होंने सीएम से टीएसपीएससी के सदस्यों को बदलने और सक्षम व्यक्तियों के साथ एजेंसी को मजबूत करने का आग्रह किया ताकि अगली परीक्षा निष्पक्ष और नियमबद्ध तरीके से आयोजित की जा सके।

वीएच ने असदुद्दीन ओवैसी की आलोचना की

हैदराबाद, 25 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। वरिष्ठ कांग्रेस नेता वी. हनुमंत राव ने आज पार्टी नेता राहुल गांधी के खिलाफ टिप्पणियों के लिए हैदराबाद के सांसद असदुद्दीन ओवैसी की आलोचना की और आरोप लगाया कि सांसद राहुल गांधी को हैदराबाद लोकसभा सीट से चुनाव लड़ने की चुनौती देकर राजनीतिक नाटक कर रहे हैं। उन्होंने असदुद्दीन से पूछा कि क्या वह केरल राज्य में राहुल गांधी के खिलाफ चुनाव लड़ेंगे?

आज गांधी भवन में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, हनुमंत राव ने कहा कि राहुल गांधी सामाजिक न्याय के लिए काम कर रहे हैं और कहा कि 10 अक्टूबर को शादनगर में बीसी की एक सार्वजनिक बैठक होगी। उन्होंने कहा कि कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया बीसी सभा के मुख्य अतिथि होंगे। उन्होंने सभी बीसी नेताओं से बीसी की सार्वजनिक बैठक को सफल बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि वे सार्वजनिक बैठक में बीसी उप-योजना, जाति पहचान, जनसंख्या के आधार पर आरक्षण के कार्यान्वयन, राजनीतिक प्राथमिकता और अन्य मुद्दों पर चर्चा करेंगे। उन्होंने कहा कि वे बीसी को अधिक सीटें देना चाहते हैं।

कांग्रेस के साथ गठबंधन पर जल्द लिया जाएगा फैसला : शर्मिला

हैदराबाद, 25 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। वाईएसआरटीपी की संस्थापक वाईएस शर्मिला ने राज्य में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के साथ अलग-अलग मुद्दों पर बात करने के लिए मीटिंग की।

वाई एस शर्मिला आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाई एस जगन मोहन रेड्डी की बहन है। एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से इस मीटिंग के बारे में जानकारी दी गई, जिसमें बताया गया, कांग्रेस के साथ मिलकर काम करने की संभावना उत्पन्न हुई तो इसपर सितंबर के अंत तक निर्णय लिया जाएगा। विधानसभा चुनाव का समय भी तेजी से नजदीक आ रहा है। यदि गठबंधन नहीं होगा तो पार्टी सभी 119 निर्वाचन क्षेत्रों से चुनाव लड़ेगी। शर्मिला ने बताया कि वह अक्तूबर के अंत में सभी निर्वाचन क्षेत्रों का दौरा करेगी। आज के मीटिंग में पार्टी प्रमुख ने पार्टी के कार्यकर्ताओं को आश्वासन दिया कि उनके प्रयासों को मान्यता दी जाएगी। उन्होंने इससे पहले कहा था कि कांग्रेस पार्टी के साथ मिलकर काम करने की उनकी चर्चा अंतिम स्तर पर पहुंच चुकी है। शर्मिला ने बताया कि वह राजधानी दिल्ली में सोनिया गांधी और राहुल गांधी से भी मिल चुकी है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.